वर्ष 72 अंक 314 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 11 अगस्त, 2025
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

हमारे सभी सपने सच हो सकते हैं, यदि उन्हें पूरा करने का साहस हमारे पास है।
-वॉल्ट डिज्नी

ऑफ बीट

नौकरी के लिए ब्रेकअप एक्सपीरियंस जरूरी

अलग-अलग कंपनियों की हायरिंग के अपने क्राइटेरिया होते हैं। जरूरत के हिसाब से एक्सपीरियंस भी मांगा जाता है, लेकिन बेंगलुरु की एक कंपनी ने ब्रेकअप का एक्सपीरियंस मांगा है। कंपनी ने चीफ डेटिंग ऑफिसर (सीडीओ) के लिए वैकेंसी निकाली है। इसका काम लोगों को डेटिंग के लिए जरूरी एडवाइज देना होगा। कंपनी ने एक्स पर इस वैकेंसी के लिए क्राइटेरिया और एक्सपीरियंस के बारे में बताया है। उन्होंने ऐड में लिखा- 'हमें ऐसे शख्स की तलाश है जो डेटिंग कल्चर में सांस लेता हो। पोस्ट के लिए कम से कम 1 ब्रेकअप, 2 सिचुएशनशिप और 2 से 3 डेटिंग एप यूज करने का एक्सपीरियंस होना चाहिए। घोस्टिंग, ब्रेडक्रंबिंग जैसे डेटिंग वर्ड्स के बारे में जानकारी होनी चाहिए। साथ ही डेटिंग सिचुएशन से जुड़े नए शब्द बनाने जितना क्रिएटिव भी होना चाहिए।'

संक्षिप्त खबरें

पीआईएल के दुरुपयोग पर एक लाख का जुर्माना

चेन्नई, जेएनएन। मद्रास हाईकोर्ट ने जनहित याचिका (पीआईएल) के दुरुपयोग पर सख्त रुख अपनाते हुए आवेदक पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए अदालत के 'जनहित' मंच का दुरुपयोग किया है। मामले में याचिकाकर्ता सेल्वाकुमार ने कोर्ट से अवैध खनन को नियंत्रित करने के निर्देश देने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुन्दर मोहन की खंडपीठ ने रिकॉर्ड और जवाबी हलफनामे का अध्ययन करने के बाद कहा कि मामले के तथ्य 'चकित करने वाले' हैं और याचिकाकर्ता ने व्यक्तिगत दुश्मनी के चलते पीआईएल का सहारा लिया है। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के मामलों में आपराधिक केस दर्ज हैं। इसके अलावा, सातवें प्रतिवादी कार्तिकेयन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर भी एफआईआर दर्ज हुई थी।

अहमदाबाद विमान हादसा

यूएस वकील बोले- कुछ भी कर सकती है बोइंग

नई दिल्ली, जेएनएन। अहमदाबाद विमान हादसे पर अमेरिकी वकील माइक एंड्र्यूज, जो 65 पीड़ित परिवारों की ओर से बोइंग के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे, का कहना है कि पायलट को बिना सबूत दोषी ठहराना गलत है। उनके अनुसार, अमेरिका में बोइंग और अन्य विमान निर्माता कंपनियों के पास बेहद ताकतवर लॉबी, पीआर और विशेषज्ञ वक्ता हैं, जो अपने उत्पाद को सुरक्षित साबित करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। एंड्र्यूज ने एक मीडिया इंटरव्यू में कहा है कि हादसे का असली कारण—पायलट की गलती, तकनीकी खराबी या किसी और वजह का पता लगाना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर व कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर के डेटा की जांच ही निर्णायक सबूत देगी। वकील के मुताबिक, अगर विमान में तकनीकी खराबी पाई जाती है, तो अमेरिका में बोइंग के खिलाफ मामला दर्ज होगा।

ब्रह्मा परियोजना का शिलान्यास: रक्षा मंत्री ने इशारों में किया अमेरिकी राष्ट्रपति पर हमला

कुछ लोग भारत के विकास की रफ्तार से नहीं हैं खुश: राजनाथ

विशेष संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट ब्रह्मा का शिलान्यास करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कुछ लोग ऐसे हैं, जो भारत के विकास की रफ्तार से खुश नहीं हैं। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा है। वह सोचते हैं कि सबके बॉस तो हम हैं, भारत इतनी तेजी से कैसे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि अब दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विश्व की एक बड़ी शक्ति बनने से नहीं रोक सकती। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवादी आए, और लोगों को उनका धर्म पूछकर मार डाला। हमने भी तय किया कि हम किसा का धर्म पूछकर नहीं, बल्कि उनके कर्म देखकर उन्हें मारेंगे। हमने ऑपरेशन सिंदूर को तहत ऐसा ही किया।

वे रक्षा मंत्रालय की कंपनी भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड की रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट ब्रह्मा का शिलान्यास करने मध्य प्रदेश आए थे। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस तरह से मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की गति मिली है, उससे यह तय है कि भविष्य में मध्यप्रदेश देश का मॉडर्न प्रदेश कहलाएगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जबलपुर में रक्षा क्षेत्र की इकाइयां बेहतर काम कर रही है। रक्षा क्षेत्र के विकास में प्रदेश पूरी तरह से क्षमतावान है। बीईएमएल की ग्रीन फील्ड मेट्रो परियोजना का नाम ब्रह्मा के नाम पर रखा गया है। रेल के डिब्बों सहित रेल से जुड़े उत्पादों का निर्माण होगा। 18 सौ करोड़ की लागत से बनने वाली इस यूनिट के मूर्त रूप लेने के बाद मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के आर्थिक विकास को बीईएमएल गति देगा। उन्होंने कहा कि भारत 2014 में दुनिया के देशों में अर्थव्यवस्था के मामले में 15 वें स्थान पर था, अब वह 4 देशों की कतार में आकर खड़ा हो गया है। हमारी अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रही है, जो विकासशील देशों में सर्वाधिक है।

रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई का शिलान्यास करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। साथ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और भोजपुर के विधायक सुरेंद्र पटवा।

125 से 200 कोच प्रति वर्ष होगी उत्पादन क्षमता

1100 कोच प्रति वर्ष तक बढ़ेगी क्षमता पांच साल में

5000 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

स्वदेशी अभियान के लिए प्रदेश संकल्पित: सीएम

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 2023 में सरकार बनने के दो दिन के अंदर इस क्षेत्र को 3600 करोड़ की सौगात मिली थी। प्रदेश में रक्षा उत्पादन के साथ रेलवे की गति भी बढ़ाई जा रही है। राज्य सरकार रोजगार परक उद्योग लगाने के लिए हर दूसरे दिन औद्योगिक विकास यात्रा को बढ़ा रही है। एक-एक युवा का जीवन बदलने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

आदर्श लोकसभा क्षेत्र बनाएंगे: शिवराज सिंह

अपने संबोधन में क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सुन्दरलाल पटवा के के नेतृत्व में बने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में आज 700 से अधिक फैक्ट्रियां हैं। इस क्षेत्र से 20 हजार करोड़ का निर्यात होता है। अब ब्रह्मा परियोजना से लोगों को रोजगार मिलेगा, वहीं यह क्षेत्र देश का अलग औद्योगिक क्षेत्र बनेगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण: चुनाव आयोग का हलफनामा

ड्राफ्ट से हटाए नामों की सूची देना जरूरी नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित मामले में चुनाव आयोग (ईसी) ने अदालत को बताया है कि जो तय नियम है, उसके तहत वह ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल न किए गए व्यक्तियों की अलग सूची प्रकाशित करने के लिए बाध्य नहीं है।

चुनाव आयोग ने कहा कि नियम में यह अनिवार्य नहीं है कि ड्राफ्ट सूची में किसी व्यक्ति को शामिल न करने के कारण बताए जाएं। राजनीतिक दलों को बूथ-स्तर पर उन व्यक्तियों की सूची दी है जिनके नामांकन प्रपत्र किसी कारण से प्राप्त नहीं हुए, और उनसे उन व्यक्तियों तक पहुँचने में सहयोग मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर आयोग की ओर से जवाब दाखिल किया गया है और मामले की सुनवाई 12 अगस्त को होने वाली है। चुनाव आयोग ने यह हलफनामा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दाखिल एक आवेदन के जवाब में आई, जिसमें ड्राफ्ट सूची से बाहर किए गए व्यक्तियों की अलग सूची प्रकाशित करने और उनके बहिष्करण के कारण बताने का निर्देश मांगा गया था।

डिप्टी सीएम के भी दो वोटर कार्ड

इधर, पटना में एक नए विवाद खड़ा हो गया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद अब राज्य के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के नाम पर दो अलग-अलग मतदाता पहचान पत्र होने का मामला सामने आया है। इन दोनों कार्ड में नाम और पिता का नाम समान है, लेकिन पता, उम्र और विवरण अलग-अलग हैं। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा, 'डिप्टी सीएम के नाम से दो एपिक नंबर हैं, वो भी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में और अलग उम्र के साथ। या तो चुनाव आयोग ने फर्जीवाड़ा किया है, या विजय सिन्हा खुद फर्जी हैं।'

विजय सिन्हा की सफाई

विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय सिन्हा ने कहा, 'अप्रैल 2024 में मैंने लखीसराय में अपना नाम जोड़ने और पटना से नाम हटाने का आवेदन दिया था, लेकिन पटना की सूची से नाम नहीं हटा। एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में पता चला कि मेरा नाम दो जगह है, तो 5 अगस्त को नाम हटाने का आवेदन दिया है।'

राहुल को नोटिस जारी, कहा- सोर्स बताएं कांग्रेस नेता

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी करके उनके द्वारा लगाए गए मतदान धोखाधड़ी के आरोपों पर स्पष्टीकरण और साक्ष्य मांगे हैं। कर्नाटक के सीईओ ने राहुल गांधी को लिखे अपने पत्र में कहा है, 'प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आपकी प्रस्तुति में दिखाया गया दस्तावेज मतदान अधिकारी द्वारा जारी किया गया दस्तावेज नहीं है। इसलिए, आपसे अनुरोध है कि कृपया प्रासंगिक दस्तावेजों को उपलब्ध कराएं, जिनके आधार पर आपने निष्कर्ष निकाला कि शकुन रानी या किसी अन्य व्यक्ति ने दो बार मतदान किया है, ताकि हमारे कार्यालय द्वारा विस्तृत जांच की जा सके।'

प्रॉपर्टी, निवेश और कर्ज के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग

चार्जशीट: वाड्रा पर 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी की ताजा चार्जशीट के मुताबिक, वाड्रा ने दो अलग-अलग कंपनियों के माध्यम से लगभग 58 करोड़ की अवैध कमाई की और इस धनराशि का उपयोग प्रॉपर्टी खरीदने, निवेश करने और अपनी कंपनियों को कर्ज चुकाने में किया।

अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान बैंक ट्रांजेक्शन, कंपनी रिकॉर्ड और गवाहों के बयानों का विश्लेषण कर इन रकमों का ट्रैक तैयार किया गया। जिन कंपनियों के जरिए यह धनराशि आई, उनका संचालन वाड्रा के करीबी सहयोगियों द्वारा किया जा रहा था। एजेंसी का कहना है कि इन चैनलों का इस्तेमाल धन को 'कानूनी' रूप देने के लिए किया गया।

चार्जशीट अब कोर्ट में दाखिल हो चुकी है। कोर्ट आरोप तय करेगा, जिसके बाद अगर वाड्रा दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत सजा हो सकती है। फिलहाल, वाड्रा ने इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईडी का आरोप: अपराध से जुड़ी गतिविधियों से आई रकम

ईडी के मुताबिक, वाड्रा को लगभग 5 करोड़ ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग से मिले, जबकि शेष राशि 53 करोड़ स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए आई। एजेंसी का दावा है कि यह पूरा धन अपराध से जुड़ी गतिविधियों का नतीजा था, जिसे बाद में वैध दिखाने के लिए अलग-अलग निवेश और संपत्ति सौदों में लगाया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जांच लंबी और जटिल होती है। अगर कोर्ट में आरोप साबित होते हैं, तो वाड्रा के लिए कानूनी मुश्किलें बढ़ सकती हैं, वहीं अगर वह निर्दोष साबित होते हैं, तो कांग्रेस इसे अपने राजनीतिक लाभ में बदलने की कोशिश करेगी।

गुरुग्राम लैंड डील में पहली चार्जशीट

यह मामला हरियाणा के गुरुग्राम की शिकोहपुर (अब सेक्टर 83) लैंड डील से जुड़ा है। सितंबर 2008 में हुई इस डील में वाड्रा, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ और एक प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ 2018 में एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। 17 जुलाई को ईडी ने इस मामले में वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट पेश की। यह पहली बार है जब किसी आपराधिक मामले में उनके खिलाफ किसी जांच एजेंसी ने चार्जशीट दायर की है।

तीन विषयों में फेल हुए तो नहीं दे पाएंगे दूसरी परीक्षा

सीबीएसई 10वीं: नए नियम मंजूर, फरवरी से होंगे लागू

नई दिल्ली, जेएनएन। सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए दो परीक्षाओं की योजना को मंजूरी दे दी है। अब सीबीएसई 10वीं बोर्ड की अगली साल से दो परीक्षाएं आयोजित होंगी। इसमें ताजा बदलाव यह किया गया है कि फरवरी में होने वाली पहली परीक्षा में पास होने वाले वैसे बच्चे जिनके कुछ विषयों में अच्छे अंक नहीं आए हैं, वे मई में दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। उन्हें प्रदर्शन सुधारने का मौका मिलेगा। पहली परीक्षा में तीन या उससे अधिक विषयों में फेल हो जाने पर, वैसे छात्रों को दूसरी परीक्षा में बैठने का मौका नहीं मिलेगा।

इस सुधार का उद्देश्य एकेडमिक फ्लेक्सिबिलिटी को बढ़ावा और छात्रों के प्रदर्शन में सुधार लाना और परीक्षा संबंधी तनाव कम करना है। नई योजना के तहत, सभी छात्रों को फरवरी की पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। इसमें उत्तीर्ण और दूसरी परीक्षा में शामिल होने की पात्रता रखने वाले छात्र मई में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषा में से अधिकतम तीन विषयों में शामिल होकर अपने अंकों में सुधार कर सकते हैं।

मुख्य परीक्षा से पहले होगा आंतरिक मूल्यांकन

खेल छात्रों, सर्दियों में स्कूल जाने वाले छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले उम्मीदवारों के लिए समान पहुंच और लचीलेपन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। मुख्य परीक्षा से पहले एक बार आंतरिक मूल्यांकन किया जाएगा, और दोनों परीक्षाओं का पाठ्यक्रम पूरे शैक्षणिक वर्ष को कवर करेगा।

कक्षा 9 के लिए ओपन बुक असेसमेंट को मंजूरी

सीबीएसई गवर्निंग बॉडी ने 9वीं कक्षा के लिए ओपन बुक असेसमेंट स्ट्रेटजी (ओबीएएस) को शुरू करने के लिए दिए गए प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। बोर्ड की पाठ्यक्रम समिति की ओर से कक्षा नौ के लिए यह प्रस्ताव दिया गया था, जो सत्र 2026-27 से शुरू होगा। यह कदम स्कूली शिक्षा के लिए नेशनल कैरिकुलम फ्रेम वर्क ऑफ स्कूल एजुकेशन (एनसीएफएसई) से जुड़ा हुआ है। इसके तहत रटने वाली शिक्षा पद्धति को योग्यता-आधारित शिक्षा में शिफ्ट करने पर जोर दिया गया है। बच्चों में चीजों को याद रखने से कहीं ज्यादा उससे पूरी तरह से समझने में मदद मिलेगी। एक पायलट स्टडी में छात्रों के प्रदर्शन से जुड़ी मुश्किलों को उजागर किया गया। वहीं परीक्षा के दबाव को कम करने और आलोचनात्मक सोच को बढ़वा देने में ओबीएएस की क्षमता को लेकर शिक्षकों की जो उम्मीद बंधी है, उसे भी उजागर किया है।

आनंद शर्मा का डीएफसी अध्यक्ष पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, जेएनएन। वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने रविवार को पार्टी के विदेश मामलों के विभाग (डीएफसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि वे कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य बने रहेंगे। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया ताकि विभाग का पुनर्गठन आसानी से हो सके और युवा नेताओं को मौका मिल सके। आनंद शर्मा उन जी-23 नेताओं में शामिल थे जिन्होंने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई थी। उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब पार्टी पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है।

आनंद शर्मा ने लगभग दस साल तक डीएफसी का नेतृत्व किया। उन्होंने कांग्रेस के विदेश संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में भी काम किया है।

दबंगई: विधायक के भतीजे ने टोल टैक्स मांगने पर कर्मियों को हॉकी से धमकाया

वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ दर्ज किया मामला

जागरण, भौंरासा (देवास)। देवास जिले के हाटपीपल्या से भाजपा विधायक मनोज चौधरी के भतीजे निखिल चौधरी ने इंदौर-भोपाल रोड पर भौंरासा टोल प्लाजा पर हाथ में हॉकी लेकर दबंगई दिखाई। इस दौरान उसने टोल कर्मियों के साथ गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। यह घटनाक्रम लगभग 10 से 15 मिनट तक चलता रहा और भौंरासा थाने का एक पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचा, किंतु वह असहाय नजर आ रहा था। काफी समझाने के बाद भी निखिल हंगामा करता रहा और टोल प्लाजा पर लंबा जाम लग गया।

घटना के दो दिन बाद जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो भौंरासा पुलिस जागी और टोल प्लाजा के मैनेजर राघवेन्द्र पिता ध्यानपाल सिंह राजावत की रिपोर्ट पर निखिल चौधरी व उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

वायरल वीडियो में विधायक का भतीजा, जिसने टोल कर्मियों के साथ दबंगई की।

दो दिन बाद लिखाई रिपोर्ट

इस संबंध में भौंरासा टीआई प्रीति कटारे का कहना है कि घटना चार दिन पुरानी है। हमारा एक पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचा था और मामला शांत कराया था, किंतु टोल का कोई भी कर्मचारी रिपोर्ट लिखाने नहीं आया था, इसलिए प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। हालांकि दो दिन बाद टोल मैनेजर ने रिपोर्ट लिखाई है। इसी आधार पर हमने निखिल व उसके दो साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अध्ययन

सोशल कंप्यूटिंग में खुलासा, हाशिए पर मौजूद समुदायों के साथ भेदभाव करते हैं एआई एल्गोरिद्म

ट्रांस, नॉनबाइनरी और दिव्यांग को लेकर एआई अधिक नकारात्मक

नई दिल्ली, जेएनएन। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज तेजी से हमारे जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पैठ बना रहा है। डॉक्टर के क्लिनिक में, नौकरी की भर्ती प्रक्रिया में, या सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली खबरों में एआई का असर देखा जा सकता है। लेकिन यह प्रभाव हमेशा सभी के लिए समान और निष्पक्ष नहीं होता।

हालिया अध्ययन बताते हैं कि एआई आधारित एल्गोरिद्म अक्सर हाशिए पर मौजूद समुदायों के साथ भेदभाव करते हैं। उदाहरण के लिए, फेस रिकग्निशन सिस्टम ट्रांसजेंडर और नॉनबाइनरी व्यक्तियों की पहचान गलत तरीके से करता है, कानून-व्यवस्था में प्रयुक्त एआई अश्वेत लोगों की अनावश्यक और असमान गिरफ्तारी की संभावना बढ़ा सकता है, और स्वास्थ्य क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले एल्गोरिद्म दिव्यांग लोगों को आवश्यक इलाज से वंचित कर सकते हैं।

सोशल कंप्यूटिंग के शोधकर्ताओं की एक टीम, जिसमें सैमुअल रेजी मायवर्म, एलिसिस शार इंगबर, नज़नीन अंदलीबी और लेखक शामिल थे, ने अमेरिका में 700 से अधिक लोगों पर सर्वे किया। इस सर्वे में राष्ट्रीय प्रतिनिधिक सैंपल के साथ-साथ ट्रांस, नॉनबाइनरी, दिव्यांग और नस्लीय अल्पसंख्यक व्यक्तियों का जानबूझकर अधिक प्रतिनिधित्व रखा गया। प्रतिभागियों से पूछा गया कि क्या वे मानते हैं कि एआई उनके जीवन या काम को बेहतर बनाएगा, क्या वे इसे सकारात्मक रूप से देखते हैं, और क्या वे भविष्य में इसका उपयोग करेंगे।

नतीजे चौंकाने वाले आए। ट्रांसजेंडर, नॉनबाइनरी और दिव्यांग प्रतिभागियों ने, औसतन, सिसजेंडर और गैर-दिव्यांग लोगों की तुलना में एआई के प्रति कहीं अधिक नकारात्मक राय व्यक्त की।

शोधकर्ताओं का कहना है कि जब लिंग अल्पसंख्यक और दिव्यांग लोगों को कार्यस्थल या स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में एआई सिस्टम का उपयोग करने के लिए बाध्य किया जाता है, तो वे अक्सर गंभीर संदेह और झिझक के साथ ऐसा करते हैं। यह तकनीकी उद्योग की उस धारणा को चुनौती देता है कि एआई का विकास सभी के लिए लाभकारी और अनिवार्य है।

दिव्यांग प्रतिभागी, खासकर जो न्यूरोडाइवर्जेंट हैं या मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, गैर-दिव्यांग लोगों की तुलना में एआई के प्रति अधिक नकारात्मक विचार दिए यह निष्कर्ष उन शोधों से मेल खाता है जो बताते हैं कि एआई सिस्टम अक्सर

लिंग, दिव्यांगता और एआई दृष्टिकोण

सर्वे में नॉनबाइनरी व्यक्तियों ने एआई को लेकर सबसे नकारात्मक दृष्टिकोण दर्ज किया। ट्रांसजेंडर लोग, चाहे वे ट्रांस पुरुष हों या ट्रांस महिलाएं, ने भी सिसजेंडर लोगों की तुलना में काफी नकारात्मक राय व्यक्त की। सिसजेंडर प्रतिभागियों में, महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में एआई के प्रति थोड़ी अधिक नकारात्मक राय रखी। यह रुझान पहले के शोध से मेल खाता है, लेकिन इस अध्ययन ने नॉनबाइनरी और ट्रांस दृष्टिकोणों को शामिल कर तस्वीर को अधिक स्पष्ट किया।

नस्ल के संदर्भ में अलग तस्वीर

लिंग और दिव्यांगता के विपरीत, अध्ययन में पाया गया कि अश्वेत प्रतिभागियों और अन्य रंग के लोगों ने श्वेत प्रतिभागियों की तुलना में एआई के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखा। यह नतीजा आश्चर्यजनक है क्योंकि पहले के शोध में दिखाया है कि एआई सिस्टम में नस्लीय पक्षपात मौजूद है, जैसे भेदभावपूर्ण भर्ती एल्गोरिद्म या असमान निगरानी। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह परिणाम इस बात का संकेत नहीं है कि एआई अश्वेत समुदायों के लिए बेहतर काम कर रहा है, बल्कि यह हो सकता है कि इसके पीछे तकनीक के संभावित लाभों के प्रति एक व्यावहारिक या आशावादी दृष्टिकोण हो, भले ही नुकसान मौजूद हो।

ट्रांस और दिव्यांग व्यक्तियों की गलत पहचान करते हैं, उनके साथ भेदभाव करते हैं, या उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। एआई सिस्टम जटिल मानवीय पहचान को सरल श्रेणियों में बांधने की प्रवृत्ति रखते हैं। इस प्रक्रिया में वे पहचान को सीमित कर देते हैं और पक्षपात तथा भेदभाव को दोहरा सकते हैं और प्रभावित लोग इसे अच्छी तरह महसूस करते हैं।

हरदा में एलपीजी पाइप मुंह में रखकर की आत्महत्या

ऑनलाइन गेम खेलने की आदत ने बनाया था कर्जदार

जागरण, हरदा। प्रदेश के हरदा में ऑनलाइन गेम ने एक सरकारी कर्मचारी को कर्जदार बना दिया। कर्ज से परेशान होकर सरकारी कर्मचारी ने घरेलू सिलेंडर का पाइप मुंह में रखकर खुदकुशी कर ली। एलपीजी के सीधे सेवन से कुछ मिनटों में ही उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर जांच पड़ताल की।

फिलहाल पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। 35 साल का लक्ष्मीनारायण केवट खेल एवं युवक कल्याण विभाग में चपरासी था। रात को उसका शव किराये के मकान में मिला। शव के पास एलपीजी सिलेंडर रखा था, रेगुलेटर खुला हुआ था और रबर का पाइप लक्ष्मीनारायण के मुंह में था। पुलिस के अनुसार, गैस के तेज प्रभाव से शरीर कड़क हो गया था। प्रारंभिक जांच में ऑनलाइन गेमिंग की लत से जुड़ा लाखों का कर्ज सामने आया है।

लक्ष्मीनारायण मूल रूप से भोपाल का रहने वाला था। वह हरदा में पत्नी और पांच साल की बेटी के साथ किराये के मकान में रहता था, उसकी नियुक्ति 2016 में सीहोर में हुई थी। करीब तीन साल पहले ही सीहोर से ट्रांसफर होकर हरदा आया था। घटना के समय उसकी पत्नी और 5 साल की बेटी मायके गई थीं। बड़े भाई कैलाश मांझी ने बताया कि लक्ष्मीनारायण पर लाखों का कर्ज था। कर्जदारों के दबाव और ऑनलाइन गेम की लत ने उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया था। कार्यालय के साथियों के मुताबिक, वह दिनभर मोबाइल में डूबा रहता था और संभवतः भारी दांव-पेच वाले गेम खेलता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा

जागरण, सतना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक जोर शोर से हर घर तिरंगा अभियान चलायें। इसके साथ-साथ जन्माष्टमी पर्व की भी तैयारी कर लें। जिले में स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों और शहीदों की गाथाओं को संकलित कराकर उनका समुचित दस्तावेजीकरण करायें। स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश की उपलब्धियों के साथ-साथ जिले की उपलब्धियों और विकास गाथाओं को भी आमजनता तक पहुंचायें। पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और स्वतंत्रता दिवस का समारोह पूरे उल्लास के साथ मनायें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में नवीन उद्योगों की स्थापना तथा रोजगार मूलक कार्यों पर भी विशेष ध्यान दें। रोजगार मेलों का प्रभावी आयोजन करके युवाओं को विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से लाभांवित करायें। फसल बीमा की राशि किसानों के बैंक खाते में जारी की जा रही है। इसका भी समुचित प्रचार प्रसार करें। बाढ़ और अतिवृष्टि से फसलों को हुई हानि का तत्काल सर्वे कराकर पीड़ितों को राहत राशि जारी करायें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने संभाग के कमिश्नर और कलेक्टरों से हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में जानकारी ली। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं में पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, तिरंगा रैली, भाषण प्रतियोगिता जैसे आयोजन लगातार किये जा रहे हैं। संभाग के सभी जिलों में 12 अगस्त को तिरंगा साइकिल रैली निकाली जायेगी। इसी तरह 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा और स्वच्छता के लिए मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में हर घर तिरंगा अभियान में शामिल विभिन्न विभागों की गतिविधियों की विभागवार जानकारी दी गयी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में सतना के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, कमिश्नर नगर निगम शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर सुधीर बेक, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सतना-मैहर जिले से टाइगर सफारी मुकुंदपुर को हटाना एक बड़ा राजनैतिक षड़यंत्र

सतना। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने मुकुंदपुर टाइगर सफारी को जिले के परिसीमन के नाम से रीवा जिले के नेताओं को रीवा ले जाना एक बड़ा राजनैतिक षड्यंत्र निरूपित किया है ।श्री मिश्रा ने कहा है कि पहले सतना अब मैहर जिले के मुकुंदपुर आनंदगढ़ आमिन धोबहट परसिया पपरा पंचायतो को मैहर जिले से हटाना बेहद ही औचित्य पूर्ण है व परिसीमन के नाम से मुकुंदपुर टाइगर सफारी रीवा जिले में ले जाना एक बड़ा राजनैतिक षड़यंत्र है।कांग्रेस अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा है कि जब से मुकुंदपुर टाइगर सफारी बना है तभी से रीवा के नेताओं की निगाहें रीवा जिले में ले जाने की बराबर बनी रही क्योंकि अभी भी मैहर जिले में स्थित सफेद बाघों की सफारी रीवा जिले के डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ही मौजूद है कांग्रेस अध्यक्ष श्री मिश्रा कहा है कि यदि परिसीमन के नाम पर मुकुंदपुर टाइगर सफारी सहित अन्य पंचायतों को रीवा जिले में ले जाने की कोशिश की गई तो क्षेत्रीय जनता सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करेगी करेगी।

तिरंगा यात्रा: हर वर्ग में देशभक्ति का उत्साह

जागरण, सतना। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व पर सतना में निकली विशाल तिरंगा यात्रा में हर वर्ग के लोगों का उत्साह देखने लायक रहा। बीटीआई मैदान से प्रारंभ हुई दोपहिया वाहन रैली में डीजे पर बजते देशभक्ति गीतों भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा सेमरिया चौक, सर्किट हाउस चौक, स्टेशन रोड, जयस्तंभ चौक, अग्रसेन चौक, कलेक्ट्रेट, धवारी, राजेंद्र नगर, सिविल लाइन, एसपी ऑफिस के सामने से होते हुए शहीद स्मारक में संपन्न हुई। भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम को प्रकट कर रहे हैं। सदियों के संघर्ष के बाद मिली स्वतंत्रता के इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने मातृशक्ति की भूमिका का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की भागीदारी देशए समाज और लोकतंत्र के निर्माण में बराबरी की है और उनकी उपस्थिति इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाया। मध्यप्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि महिला मोर्चा युवा मोर्चा और भाजपा संगठन मिलकर तिरंगा यात्रा एवं हर घर तिरंगा अभियान को इस तरह मनाएंगे कि कोई भी घर ऐसा न हो जहां स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा न लहराए। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि हर भारतीयए हिंदुस्तान के विषय में सोचे और चिंतन करे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए जागृत होकर कार्य करें। भव्य तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि जब बात देश की हो तो हमें इसी तरह एकजुटता दिखानी चाहिए।

आदिवासी समाज है धरती की आत्मा : डॉ रश्मि सिंह

जागरण, सतना। परसमनिया पहाड़ी ग्राम पंचायत में विश्व आदिवासी दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मुख्य आतिथ्य डॉक्टर रश्मि सिंह एवं जसो थाना प्रभारी बृजभान सिंह की अध्यक्षता में जी एस यू द्वारा मनाया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की परंपराओं संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को सम्मानपूर्वक याद किया गया।मुख्य अतिथि डॉ रश्मि सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज हमारी धरती की आत्मा है जिन्होंने अपनी मेहनत त्याग और सरल जीवनशैली से सभ्यता को दिशा दी है। उन्होंने बिरसा मुंडा टंट्या भील और अन्य महान आदिवासी नेताओं के बलिदान का स्मरण करते हुए कहा आज का दिन केवल उत्सव नहीं बल्कि अपने अधिकारों संस्कृति और एकता को मजबूत करने का संकल्प है।कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्यए गीत.संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया। ग्राम के बुजुर्गों का सम्मानए युवाओं को प्रेरणात्मक मार्गदर्शन और महिलाओं के योगदान की सराहना विशेष आकर्षण रहा। प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत सरपंच संपत बाई गौड़, सुरेंद्र दहिया,धर्मेंद्र सिंह बरकड़े, प्रसून सिंह गौंड,विशाल सिंह परस्ते, शिशुपाल सिंह परस्ते, वीरेंद्र सिंह ऐलाड़ी,पुष्पराज सिंह बड़कड़े,समस्त जी एस यू परिवार अजय सिंह गौड़, विजय यादव, शीतल सिंह गौड, चंद्रभान सिंह, डॉ राजेंद्र कुशवाहा,बलिराम सिंह, रामसुरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, जय सिंह,ओमकार बारकड़े, चोलेराम लोधी आदि ने अपने विचार रखे।

विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस का कार्यक्रम निषाद प्रस्थ कॉलोनी चोरहटा में संपन्न

जागरण, सतना। विश्र आदिवासी मूलनिवासी दिवस निषाद प्रस्थ कलोनी चोरहटा विधानसभा रामपुर बघेलान जिला सतना मध्यप्रदेश में बड़े धूम.धाम से बनाया गया वहीं गोरेलाल प्रजापति संघ जिला अध्यक्ष पूर्व जनपद पंचायत सदस्य रामपुर बघेलान ने विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस के अवसर पर सभी ग्रामवासियों देशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं बधाइयां देते हुए कहा कि विश्व 'विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस का कार्यक्रम निषाद प्रस्थ कलोनी चोरहटा में बड़े धूम.धाम से संपन्न हो गया। विश्र आदिवासी मूलनिवासी दिवस निषाद प्रस्थ कलोनी चोरहटा विधानसभा रामपुर बघेलान जिला सतना मध्यप्रदेश में बड़े धूम.धाम से बनाया गया वहीं गोरेलाल प्रजापति संघ जिला अध्यक्ष पूर्व जनपद पंचायत सदस्य रामपुर बघेलान ने विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस के अवसर पर सभी ग्रामवासियों देशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं बधाइयां देते हुए कहा कि विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस का महत्व हमें याद दिलाता है कि देश का मालिक आदिवासी मूलनिवासी बहुजन समाज है अपनी धन धरती देश शिक्षा संविधान स्वास्थ्य नौकरी रोजगार व्यापार शासकीय संपत्तियां नौकरियां को बचाएं रखना है तो विश्व गुरु ज्ञान प्रकाश के संतों महापुरुषों वीर सपूतों के आदर्शों विचारों को सुनना.समझना जानना माननन होगा जिससे प्रत्येक नागरिकों का कल्याण उत्थान होगा वहीं बहुजन समाज के वरिष्ठ नेता बची लाल कोल तीरथ साकेत पूर्व सरपंच मुन्ना कोल पूर्व वार्ड सदस्य ओमप्रकाश कोल वार्ड सदस्य लल्ला कोल उमेश साकेत पंकज सिंह पटेल पुष्पेन्द्र बुनकर ने कहा कि हम लोग देश के मूलनिवासी है देश की धन.संपत्ति हमारी धरोहर है।

उद्घाटन की बाट जोह रहा उचेहरा का नवीन कॉलेज

कलेक्टर ने किया निरीक्षण

जागरण, उचेहरा। बड़ी विडम्बना कि बात है भवन बन कर तैयार हैं लेकिन माननीय अगर फीता काट दे नगर सहित बच्चो को बड़ी सौगात मिल जाएगी । नवीन शासकीय महाविद्यालय नागौद. उचेहरा बाई पास मार्ग में 6 करोड़ 17 लाख 82 हजार की लागत से कई महीनों पूर्व बन कर तैयार खड़ा है लेकिन माननीयो को फीता काटने का लगता है समय ही नही उचेहरा के लिए कालेज 2013 में स्वीकृत हुआ था तब से उत्कृष्ट और अब सी एम राइज विद्यालय के 5 कमरों ; प्रशासनिक कमरों सहितद्ध में लग रहा है। मिली जानकारी अनुसार वाणिज्य और कला संकाय में करीब 350 से 400 सौ क्षात्र किस हालात में अध्ययन कर रहे हैं उनकी मनोदशा वही जाने इसके पीछे का चाहें जो कारण हो अगर नए भवन में कालेज शिप्ट हो जाता है तो सरकार की मंसा अनुरूप और नये संकाय जल्द खुल सकते हैं पुराने कालेज भवन में बच्चो को खेल कूद के लिए पर्याप्त मैदान न होने से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा मौका नही मिलता । दो दिन पूर्व 8 को कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने नवीन कालेज भवन का निरीक्षण कर कालेज के प्राचार्य डॉ अनुराग वर्धन पांडेय से यहां की वस्तु स्थित को जान अपने स्तर से जल्द लोकार्पण कराने की बात कहते आवश्यक दिशा निर्देश दिये। ज्ञात हो महाविद्यालय के लिए पूर्व के जिला कलेक्टर द्वारा 22 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। कालेज की बाउंड्री बाल के लिए 1 करोड़ की राशि शासन ने स्वीकृत कर दी लेकिन जिस प्रकार अतिक्रमण के चलते कालेज भवन निर्माण में बाधा आई उसी प्रकार बाउन्ड्री बाल के निर्माण में भी स्टे लगादेने से निर्माण कार्य रुक गया। इन्ही अतिक्रमण कारियो के चलते कालेज भवन निर्माण में देरी हुई। काबिलेगौर है कि उच्च शिक्षा विभाग ने कुछ वर्ष पूर्व अतिक्रमण का ही हवाला दे यहां की स्वीकृति राशि डिंडौरी जिले के लिए स्थानातरित कर दी थी सरकार के काफी प्रयास के बाद यह आवंटित राशि फिर से स्वीकृत हुई तब कही जा कर नवीन कालेज भवन का निर्माण शुरू हो सका । ऐसी जानकारी बताई जा रही है कि कागजो में राजस्व विभाग ने अतिक्रमण तो हटा दिया था लेकिन हकीकत में अतिक्रमण कारियो का कब्जा बरकरार था । कलेक्टर के निरीक्षण के दरमियान एस डी एम सोमेश द्विवेदी, तहसीलदार ज्योति पटेल, निकाय अध्यक्ष निरंजन प्रजापति, सी एम ओ शैलेन्द्र सिंह, डॉ अरविन्द तिवारी,डॉ सतीश गौतम,क्रीड़ा अधिकारी, सुजीत पटेल,दिलीप कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन परंपरा और नवाचार का संगम

जागरण, सतना। एकेएस विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। समापन समारोह को रक्षाबंधन के पावन पर्व के साथ समर्पित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार ने इसे हर्षोल्लास से मनाया। इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर इंजीनियर अनंत सोनी कुलपति प्रो बीए चोपड़े प्रो वाइस चांसलर डॉ हर्षवर्धन श्रीवास्तव प्रो जीपी रिछारिया वरिष्ठ विधि संकाय सदस्य सूर्यनाथ सिंह गेहरवार एवं प्रो आरसी त्रिपाठी जैसे गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला स्टाफ एवं छात्राओं द्वारा इन सभी अतिथियों को राखी बाँधकर भाईचारे एवं सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत राखी बनाने पूजा थाली सजाने एवं स्वनिर्मित मिठाइयाँ बनाकर बेचने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिताओं में विजयी रहे विद्यार्थियों को 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार स्वरूप प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता को 1500 द्वितीय को 1000 एवं तृतीय को 500 की राशि प्रदान की जाएगी एवं समस्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन वीमेन डेवलपमेंट सेंटरए फैशन डिज़ाइनिंग विभाग एवं ह्यूमैनिटीज़ विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

'करो या मरो' दिवस की 83वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने भारत छोड़ो आंदोलन और करो या मरो के राष्ट्रीय आह्वान दिवस की 83 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। श्री खरे ने कहा है कि भारत छोड़ो आंदोलन देश की आजादी का ऐतिहासिक निर्णायक शंखनाद था। एक तरफ विश्व युद्ध चल रहा था वहीं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अत्याचारी ब्रिटिश हुकूमत का विरोध करते हुए आजादी का बिगुल बजाया। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में करो या मरो का क्रांतिकारी उद्घोष था। 9 अगस्त 1942 के राष्ट्रीय आंदोलन ने पूरे देश में आजादी की भावना को गतिशील बनाया। श्री खरे ने बताया कि राष्ट्रीय आंदोलन के सभी नेता और अनुयाई या तो गिरफ्तार कर लिए गए या फिर भूमिगत होकर आजादी के आंदोलन की अलख जगा रहे थे। इस दौरान सावरकर का द्विराष्ट्रवाद सिद्धांत मोहम्मद अली जिन्ना को भी पसंद आया जिसके चलते भारत विभाजन की रूपरेखा बना ली गई थी।

पढ़ने-बोलने में लाचार हो रहे बच्चे खुद को समझने लगते हैं कमजोर

मोबाइल की लत से बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म का हो रहे शिकार

जागरण,रीवा। मोबाइल की लत से बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार हो रहे, हैरानी इस बात की है कि इसके मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। चिकित्सकों की समझाइश भी परिजनों के काम नहीं आ रही है, मनमानी व लापरवाही के चलते मामलों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कोविड के बाद से ग्राफ ऐसे मरीजों का बढ़ा है। अभिभावकों का छोटे बच्चों को मोबाइल देकर अपने आप को छुड़ा लेना, अनजाने में ही सही बच्चों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो रहा है। दरअसल, बच्चों के दिमाग का विकास दो से पांच साल की आयु में होता है। इसी समय बच्चा नई-नई चीजें सीखता है। इनमें दूसरों की बात समझना और अपनी बात कहना, दूसरों से घुलना-मिलना भी शामिल है। ऐसे समय में बच्चों के हाथ में मोबाइल देने पर उनका मानसिक और शारीरिक विकास नहीं हो पाता है। रीवा में ही माता-पिता अपने साढ़े तीन से 10 साल तक के बच्चों को लेकर पहुंच रहे हैं, जो दूसरों से बातचीत नहीं करते। नजर मिलाकर बात करने में कतराते हैं। अपनी उम्र के बच्चों के साथ भी नहीं खेलते हैं। मनोचिकित्सक उन्हें बच्चों से मोबाइल दूर रखने की सलाह देते हैं।

तीन से पांच साल के बच्चे ज्यादा प्रभावित

वर्चुअल ऑटिज्म तंत्रिका तंत्र का विकास न हो पाने की वजह से होता है। यह मुख्य तौर पर तीन से पांच साल की उम्र के बच्चों को होता है। ऐसा अक्सर मोबाइल समेत इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की लत से होता है। हालांकि इस बीमारी से अब बड़े बच्चों सहित युवा और उम्र दराज लोग भी पीड़ित हो रहे हैं। अपने आप में ही खोए रहना व किसी से किसी प्रकार की बातचीत न करना भी इस बीमारी का एक लक्षण है।

ऐसे लक्षणों से पहचाने

- बच्चा जब बोलने में देरी करे।
- हमेशा फोन की मांग करना।
- परिजनों व किसी से भी नजर न मिलाना।
- नाम पुकारने पर अनसुना करना।
- सोचने, समझने की क्षमता कम होना।

यह करें...

- बच्चों को दो घंटे से ज्यादा मोबाइल न दें।
- दस साल तक के बच्चे सात से आठ घंटे तक जरूर सोएं।
- अभिभावक बच्चों के साथ ज्यादा वक्त बिताएं।

बरसात से परेड में न हो परेशानी ट्रैक में करें बुरादे का छिड़काव

जागरण, रीवा। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह एसएएफ मैदान में सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एसएएफ मैदान में परेड तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए मैदान को समतल करके पूरी तरह से तैयार कर दें। बारिश को देखते हुए जीरो साइज की गिट्टी से गड्ढों में भराव करके लकड़ी के बुरादे का ट्रैक में छिड़काव की व्यवस्था रखें जिससे परेड में किसी तरह की कठिनाई न हो।

कलेक्टर ने कहा है कि सहायक आयुक्त नगर निगम रीवा मुख्य कार्यक्रम स्थल तथा शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। एसएएफ मैदान में मुख्य समारोह के लिए अतिथियों के बैठने के लिए 2500 कुर्सियों, सोफे एवं वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था करें। जिस मंच से ध्वजारोहण किया जाना है वहाँ वर्षा से बचाव की समुचित व्यवस्था करें। फाइनल रिहर्सल तथा मुख्य समारोह में साउंड की समुचित व्यवस्था रखें। अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल समारोह के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति तथा पावर बैकअप के रूप में जनरेटर की व्यवस्था करें। सहायक संचालक उद्यानिकी मंच की साज-सज्जा के लिए गमले तथा फूलों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। समारोह में हर घर तिरंगा अभियान तथा स्वाधीनता दिवस की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे।

फर्जी अनुकंपा नियुक्तियों की जांच अधर में, दो महीने बाद भी नहीं हुई पूरी

संभागायुक्त ने समिति गठित कर 15 दिवस में मांगी थी जानकारी, जांच प्रतिवेदन नहीं किया प्रस्तुत

जागरण, रीवा

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में फर्जी अनुकंपा नियुक्तियों के मामले में संभागायुक्त बीएस जामोद ने 13 जून 25 को आदेश जारी कर समिति का गठन किया गया था, आदेश में स्पष्ट था कि जांच समिति 15 दिवस के अंदर रीवा-मऊगंज जिले में विगत तीन वर्षों में की गई अनुकंपा नियुक्तियों की जांच कर प्रतिवेदन प्रतुत करेगी। किन्तु डेढ़ माह से अधिक समय बीतने के बाद भी जांच समिति द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे उक्त मामले की जांच अधर में लटकी है। फर्जी नियुक्तियां करने वालों को अपनी कारस्तानी छिपाने का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है।

संभागायुक्त द्वारा जारी आदेश में उल्लेख किया गया कि विगत एक वर्ष में विभाग में की गई अनुकंपा नियुक्तियों के प्रकरणों की जांच करने पर पाया गया कि 6 प्रकरणों में कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर अनुकंपा नियुक्तियां की गई हैं। उक्त जांच से यह भी संभावित है कि पूर्व में भी इस प्रकार से अवैधानिक तथा फर्जी तरीके से अनुकंपा नियुक्तियां की गई हैं। जिनकी जांच के लिए संभागायुक्त द्वारा रीवा व मऊगंज में पिछले तीन वर्षों में की गई अनुकंपा नियुक्तियों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हुजूर, जिला कोषालय अधिकारी रीवा व प्राचार्य उत्कृष्ट उमावि मार्तण्ड क्रमांक-1 जयप्रकाश जायसवाल को शामिल किया गया है। गठित समिति पिछले तीन वर्षों में दोनों जिलों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की अनुकंपा नियुक्ति की जांच कर आगामी 15 दिवस के अंदर जांच प्रतिवेदन कलेक्टर रीवा के समक्ष प्रस्तुत करें तथा जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। किन्तु जांच समिति का प्रतिवेदन ही प्रस्तुत नहीं हुआ तो अधिकारी कौन से नियमों के तहत कार्यवाही करेंगे?

50 सीटर दिव्यांग छात्रावास की व्यवस्थाएं बेपटरी

जागरण अव्यवस्था

एनजीओ के जिम्मे दिव्यांग छात्रावास मधुरी का संचालन

परोसा जा रहा गुणवत्ताविहीन नास्ता एवं भोजन

जागरण, सीधी

जिला मुख्यालय के समीपी दिव्यांग छात्रावास मधुरी की व्यवस्थाएं पूरी तरह से बेपटरी हो चुकी है। दिव्यांग छात्रावास 50 सीटर है। जिसमें वर्तमान में 30 बच्चों का प्रवेश है। जिला शिक्षा केंद्र सीधी द्वारा 7 फरवरी 2025 को आदेश जारी कर जिला अनुदान समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार स्वयंसेवी संस्था जय गुरुदेव ग्रुप ऑफ सोशल वेलफेयर आर्गनाइजेशन नागौद, जिला सतना को दिव्यांग छात्रावास मधुरी के संचालन का दायित्व सौंपा गया था। छात्रावास संचालन के लिए 7 फरवरी 2025 को अनुबंध भी निष्पादित किया गया। 12 फरवरी 2025 तक छात्रावास के संचालन की जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश प्रधानाध्यापक एवं वार्डन सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास मधुरी को जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक द्वारा दिए गए। जिसके बाद से छात्रावास का संचालन स्वयंसेवी संस्था द्वारा काफी मनमानी तौर पर किया जा रहा है। लगातार शिकायतों के बाद जब जागरण की टीम व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए दिव्यांग छात्रावास मधुरी पहुंची तो यहां की व्यवस्थाएं पूरी तरह से बेपटरी नजर आई। स्वयंसेवी संस्था के जिम्मे नास्ता-भोजन, बिस्तर, मेडिसिन, यूनिफार्म समेत अन्य व्यवस्थाएं हैं। चर्चा के दौरान यहां के दिव्यांग छात्रों ने बताया कि नास्ता एवं भोजन काफी गुणवत्ताविहीन दिया जाता है। इसकी शिकायत भी वह नहीं कर सकते क्योंकि यहां का वातावरण काफी दबावपूर्ण बनाकर रखा गया है। इसी वजह से जो कुछ मिलता है दिव्यांग बच्चे वहीं खाते हैं। छात्रावास में पूर्व में जो बिस्तर एवं कपड़े दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे थे वही स्वयंसेवी संस्था द्वारा बच्चों को उपयोग के लिए दिए गए हैं। बच्चों का कहना था कि यहां के कई बिस्तर उपयोग के लायक नहीं हैं। फिर भी मजबूरी में उनका उपयोग करना पड़ रहा है। नास्ता एवं भोजन का समय भी कोई निश्चित नहीं है। यह अवश्य है कि उपलब्ध कराया जाता है। छात्रावास परिसर का जायजा लिया गया तो यहां सप्ताह में दिए जाने वाले नास्ता एवं भोजन का विवरण दर्ज था यह जरूर है कि उसको धुंधला करने का प्रयास किया गया है। फिर भी नास्ता में सोमवार को पोहा, मंगलवार को उपमा, बुधवार को सत्तू, गुरुवार को दलिया, शुक्रवार को पोहा, शनिवार को सत्तू, रविवार को हलवा देने का विवरण दर्ज था। फिर भी चर्चा के दौरान यहां के दिव्यांग बच्चों ने बताया कि नास्ता के नाम पर केवल पोहा का वितरण ही किया जाता है। बांकी कोई भी नास्ता नहीं दिया जाता।

छात्रावास में सुबह नास्ता में केवल पोहा दिया जाता है। भोजन में साधारण दाल, चावल, सब्जी, रोटी दी जाती है।

शैलेन्द्र कुमार सिंह कक्षा 7

खाना में साधारण भोजन दिया जाता है। नास्ता पूरे सप्ताह पोहा दिया जाता है। इसके अलावा अन्य कोई नास्ता नहीं दिया जाता।

सौरव साकेत कक्षा 3

मीनू के आधार पर नास्ता एवं भोजन नहीं दिया जाता। नास्ता में पोहा के अलावा कुछ भी नहीं मिलता। भोजन भी एक समान मिलता है।

भगवानदास प्रजापति कक्षा 3

राज्य शिक्षा केंद्र से दिव्यांग छात्रावास के संचालन के लिए हमें जो गाइडलाइन मिली है उसे एनजीओ संचालक को सौंप दी गई है। उसके आधार पर यदि नास्ता एवं भोजन के वितरण के साथ बिस्तर व अन्य व्यवस्थाएं नहीं बनाई गई हैं तो उसका निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

रजनीश श्रीवास्तव, एपीसी आईईडी सीधी

निर्धारित मीनू की खुलेआम अनदेखी

दिव्यांग छात्रावास मधुरी में रहने वाले बच्चों को नास्ता एवं भोजन के लिए शासन की ओर से मीनू का निर्धारण किया गया है। मीनू के संबंध में दीवाल में भी जानकारी दर्ज है। विडंबना यह हे कि स्वयंसेवी संस्थान के संचालक द्वारा मीनू की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। दिव्यांग बच्चों को प्रत्येक दिन नास्ता में केवल पोहा का वितरण ही किया जा रहा है। जबकि सप्ताह के अलग-अलग दिन के लिए नास्ता का निर्धारण किया गया है। जिसमें सोमवार को पोहा, मंगलवार को उपमा, बुधवार को सत्तू, गुरुवार को दलिया, शुक्रवार को पोहा एवं शनिवार को सत्तू का वितरण किया जाना चाहिए। वहीं भोजन में चावल-रोटी के साथ अलग-अलग सब्जी का निर्धारण किया गया है। जिसमें सोमवार को छिलका मूंग दाल के साथ धनिया चटनी, बूंदी रायता की सब्जी होनी चाहिए। मंगलवार को दाल मसूर, रायता, टमाटर की चटनी, बुधवार को चना दाल, लौकी रायता, आंवला चटनी, गुरूवार को तुअर दाल, टमाटर रायता, पुदीना चटनी, शुक्रवार को छिलका उड़द, जीरा रायता, अदरक चटनी, शनिवार को धुली मूंग, धनिया रायता, अदरक चटनी, रविवार को धुली मसूर, आलू रायता, प्याज चटनी होनी चाहिए। विडंबना यह है कि दिव्यांग छात्रावास की देख-रेख न होने से संचालक द्वारा मीनू को दरकिनार कर दिया गया है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जागरण, सीधी। नगर परिषद मझौली अन्तर्गत वार्ड क्रमांक 8 में तालाब में डूबने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 अगस्त को दोपहर लगभग 1 बजे सुनील पिता ज्वाला प्रसाद द्विवेदी 25 वर्ष घर से कुछ दूरी पर बने तालाब सरग तलइया में नहाने के लिए घुसा था, जहां ज्यादा पानी होने के कारण युवक डूब कर अपनी जान गवां बैठा हांलाकि उसको डूबता देख पास में ही बने घर के सदस्यों द्वारा हल्ला गुहार किया गया लेकिन बचाने के लिए कोई तालाब की गहराई में नही उतर सका। जबकि घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी विशाल शर्मा मौके पर पहुँचे व अपने एक पुलिस जवान व ग्रामीण की मदद से लगभग आधे घण्टे की मशक्कत के बाद युवक की तलास कर उसे पानी से बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिसे स्थल पंचनामा तैयार कर पी एम के लिए मरचुरी लाया गया।

कुसमी अंचल मे बहनों ने भाइयों की राखी से सजाई कलाई

जागरण, कुसमी। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन कुसमी अंचल मे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार और जीवनभर रक्षा का वचन दिया। रक्षाबंधन पर्व शनिवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निर्धारित मुहूर्त में बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया। उनके दाहिने हाथ पर राखी बांधी और आरती उतारी। मिठाई खिलाकर उन्होंने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने बदले में बहनों को रक्षा का संकल्प दिया। साथ ही दक्षिणा और मनपसंद उपहार भी भेंट किए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व की रौनक में डूबे नजर आए। जगह-जगह परिवारों के बीच मिलन का दौर चलता रहा। कई परिवारों में दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन इस खास दिन के लिए घर लौटे। इससे मिलन का माहौल और भी खुशनुमा बन गया।

गाय हय ता गांव हय पर कछुआ चाल रैली आयोजित

जागरण, सीधी। ऋषिकेश फाउण्डेशन की बाल टोली मोगली पलटन द्वारा गाय ह्य ता गाँव ह्य विषय को लेकर कछुआ चाल रैली आयोजित की गई। रैली ग्राम हनुमानगढ़ के स्व. चन्द्रप्रताप तिवारी समाधि स्थल से प्रारम्भ हुई और मुख्य सड़क से गुजरती हुई गांव के दूसरे छोर पर समाप्त हुई। रैली में शामिल बच्चे जबरदस्त उत्साह से गाय ह्य ताए गांव ह्यय माटी कह्य नारिआय के, गोबर नाबा गाय केय गोबर ना होय मोहर आय, गाय ना होय धरोहर आयय सेवा करबे गाय के, रोजगार पउबे धाय केय नारे लगातार लगाते हुए चल रहे थे। ग्रामवासी घरों से निकलकर बाल टोली का उत्साहवर्धन करते नजर आए। रैली के दौरान गाय की चिट्ठी भी बांटी जा रही थी, ताकि इस रैली का संदेश ग्रामवासियों तक पहुंच सके कि गाय उनसे क्या कहना चाहती है। आज गांव और किसान की सबसे बड़ी समस्या आवारा पशु बन चुके हैं। 1992 के उदारवाद के बाद आर्थिक विकास का जो मॉडल भारत में अपनाया गया है उसमें गांव और किसान हाशिये पर ढकेल दिए गए हैं। गांव पर शहर और शहर पर महानगर की निर्भरता का जो पिरामिड था वो अब शीर्षासन पर खड़ा हो गया है। गांव में दूध का उत्पादन घट रहा है और दूसरी ओर शहर में दूध की मांग बढ़ती जा रही है। परिणामत: मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों का एक विशाल काला बाजार खड़ा हो गया है। यही हाल सब्जी को लेकर है। अब शहर की मंडी से गांव के घरों में जहरीली सब्जी आ रही है और दूसरी तरफ अरबों रुपए का आर्गेनिक ब्रांडिंग का बाजार महानगरों में पसर रहा है। अमेजन और फ्लिपकार्ट देश के किसी भी कोने में मिलने वाला उत्पाद गांव के हर टोले-मोहल्ले में पहुंचा रहे हैं और गांव का युवक मुंबई में रोजी कमाने नाला किनारे झुग्गी-बस्ती में रह रहा है। इन सभी समस्याओं का समग्र समाधान गाय है। यदि गाय को ग्रामीण विकास मॉडल के केंद्र में रखा जाये तो गांव मजबूत होंगे और गांव मजबूत होंगे तो जड़ें मजबूत होंगी। ग्रामीण पलायन रुकेगा। शहरों पर बढ़ता बोझ घटेगा। आवारा पशुओं की समस्या का समाधान होगा। मोगली पलटन का मानना है कि यदि भारत की आत्मा गांव में बसती है, तो गांव की आत्मा गाय में बसती है।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

सेमरिया बाजार में जाम लगने से यात्री हो रहे हैं परेशान

जागरण, सेमरिया। सेमरिया क्षेत्र में जाम की समस्या एक पुरानी समस्या बन गई है सेमरिया बाजार से लेकर हनुमानगढ़ रोड तक अक्सर जाम की स्थिति निर्मित रहती है, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जानकारी के मुताबिक जाम लगने का मुख्य कारण सेमरिया बाजार में व्यापारियों द्वारा घर के सामने गिट्टी, बालू, बिना साइड के ऑटो, दो पहिया वाहन और हाथ ठेला खड़ा करना है। इससे सड़क पर यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। हाल ही में 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन लगभग 5 घंटे से अधिक शाम को जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासन को प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि बाजार की स्थिति भी सुधरेगी। कांग्रेस मंडलम अध्यक्ष बढ़ौरा दिनेश गुप्ता ने बताया कि सड़क में ऑटो और मोटरसाइकिल सहित हाथ ठेला और सड़क के किनारे गिट्टी और बालू जमा होने से जाम की स्थिति निर्मित होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा ध्यान दिया जाए तो जाम से निजात मिल सकता है।

विवेकानंद एकेडमी में राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

जागरण, मझौली। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्थानीय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी विद्यालय स्वामी विवेकानंद एकेडमी छुही ताला में रक्षाबंधन पर्व के शुभ अवसर पर 8 अगस्त 2025 दिन शुक्रवार को राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के कई उत्साही विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बहनों ने कागज, फूल, धागे इत्यादि से सुंदर, आकर्षक, मनमोहक राखियाँ बनाकर प्रदर्शनी लगाई। जिस प्रदर्शनी का शिक्षकों की टीम द्वारा मुआयना कर कलाकारी का ग्रेडिंग कर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को अंक प्रदान कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त को पुरस्कृत किया गया तथा भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। जिसमे कक्षा 5 व 6 से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमश: अभिमन्यु सोनी, प्रक्रिया तिवारी एवं तनिष्का गुप्ता रहीं हैं। कक्षा 7 व 8 से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमश: स्विंकल विश्वकर्मा, सौम्या द्विवेदी एवं शुभ तिवारी रहे हैं । कक्षा 9 व 10 से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमश: निवेदिका सिंह, जिया तिवारी एवं महक गुप्ता रही हैं। अंत में बहनों द्वारा अपने भाइयों को राखी बांधी गई, जिसके पश्चात् भाइयों ने अपनी बहनों की सुरक्षा का प्रण लिया। विद्यार्थियों के प्रोत्साहन हेतु शिक्षकों ने शुभकामनाओं सहित आशिर्वचन प्रदान किए। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य सुरेन्द्र द्विवेदी, उपप्राचार्या कीर्ति द्विवेदी, रमाशंकर सोनी, सुषमा सोनी, मानसी सुनानिया, नीलम तिवारी, निधी मिश्रा, विवेक तिवारी, अजय सिंह, अनिल सेन, पुष्पेन्द्र सिंह, अंकित गुप्ता, वर्षा द्विवेदी, नैनिका द्विवेदी, दीक्षा सिंह गहरवार, राशी सिंह गहरवार, नेहा सोनी, सुमनलता सेन, संध्या गुप्ता, स्वर्णिमा सिंह, संध्या सोनी, स्वाती मिश्रा, शिल्पा पनिका, लालजी गुप्ता, अंकिता गुप्ता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण झांकी निकाल रक्षाबंधन पर मना कजलियां

जागरण, सीधी। जिले में ऐसा एक गांव है जहां विगत 100 सौ वर्षों से बड़े हर्ष उल्लास के साथ रक्षाबंधन के दिन ही कजलियां का पर्व भी मनाया जाता है। चुरहट के समीप मोहनिया ग्राम में रक्षाबंधन के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण की झांकियां निकालकर कजलियां पर्व मनाते हुए ग्राम की जनता जनार्दन कजलियां एक-दूसरे को वांटते हुए अपने भाई चारे को बढ़ावा देते हैं। अनुभूति मास्टर ट्रेनर वन मंडल सीधी अरविन्द कुमार पटेल ने बताया की यह पर्व अपने पर्यावरण एवं हरियाली उत्सव को बड़े धूम धाम से बनाये जाने वाले में सीधी जिले का इकलौता गांव है। जहां रक्षाबंधन के दिन ही कजलियां पर्व मनाया जाता है। ग्राम के छविलाल पाण्डेय एवं राम नाथ विश्वकर्मा पहले श्रीकृष्ण की झांकी को ग्राम देव स्थल न्योराक्ष बाबा मोहनिया में इसके बाद भगवान भोलेनाथ के मंदिर ग्राम पंचायत मोहनिया में संक्षिप्त मेला के रूप में इस पर्व को धूम धाम से मनाया जाता है। ग्राम के सभी सम्मानित सरपंच से लेकर पर्यावरण एवं हरियाली के अग्रदूत बनकर अपने भाईचारे को बढ़ावा देते रहे। इसी के साथ समस्त ग्राम के नागरिकों का मानना है कि इस पर्व को अपनी लोक संस्कृति के रूप में परिणित होने एवं अपने भाई चारे को बढ़ावा देने का सभी से आग्रह भी है। सुरक्षा एवं गरिमा को बढ़ावा प्रदान करने हेतु जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के मोहनिया चौकी प्रभारी चक्रधर प्रजापति एवं पुलिस स्टॉफ का विशेष सहयोग मिला।

नवोदय विद्यालय में मना रक्षाबंधन का त्योहार

जागरण, सीधी। पी एम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट सीधी के प्राचार्य डॉ. डी. के. त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय में एकता, समानता और भाईचारे का संदेश देने वाला रक्षा बंधन का त्यौहार हर्षोल्लास और धूम-धाम से मनाया गया। प्राचार्य डॉ. डीके त्रिपाठी और उप प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी के निर्देशन में सीसीए प्रभारी संगीत शिक्षक आरपी पटेल और राजप्रकाश यादव, कला शिक्षिका श्रीमती माधुरी वर्मा खान-पान सहायक विवेक करन के सहयोग से राखी का त्यौहार मनाया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में अनुशासन व्यवस्था में प्रवेश सिंह, विद्युत कुमार,अजीत कुमार पाण्डेय, हेमचंद, श्रीमती नमिता पाण्डेय, श्रीमती रिचा, श्रीमती सुचिता ने योगदान प्रदान किया। बैठक व्यवस्था में शतीश रहाटे, हरदीप, झरियारी, दशरथ ने सहयोग किया।

प्राकृतिक संसाधनों पर आदिवासी समाज का अधिकार: ज्ञान

सीधी विधानसभा अंतर्गत खैरा में आदिवासी दिवस समारोह का हुआ आयोजन

जागरण, सीधी

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के मुख्य आतिथ्य में सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम खैरा में आयोजन किया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित आदिवासी सम्मेलन कार्यक्रम में आदिवासी भाई-बहनों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज की बहनों ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह की कलाई पर राखी बांधी ज्ञान सिंह में उन्हें उनके अधिकारों के संरक्षण का वचन दिया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर संबोधन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि आदिवासी समाज ही भारत का मूल निवासी है, आदिवासी समाज के लोग न केवल अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाए हुए हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आज हमें इस दिवस पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम आदिवासी समाज के अधिकारों का सम्मान करेंगे, उनकी परंपराओं को सहेजेंगे और उनके विकास में योगदान देंगे। ज्ञान सिंह आगे कहा कि आपकी परंपराओं और जीवन मूल्यों ने भारत की पहचान को समृद्ध किया है। आप भारत के पहले मालिक हैं और आपके अधिकार, अस्मिता और न्याय की लड़ाई में हम आपके साथ हैं। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आकाश सिंह रिंकू, पूर्व सरपंच यज्ञलाल वर्मा, आईटी सेल अध्यक्ष नागेश्वर साकेत, धर्मराज रावत, झल्लू रावत, लूला रावत, गोपाल सिंह, अलाउद्दीन अंसारी, तिलकधारी साहू सहित भारी संख्या में आदिवासी भाई-बहन एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

धूमधाम के साथ टिकरी मे मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

जागरण, सीधी। जिले के ग्राम पंचायत टिकरी के डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम टिकरी मे बड़े ही धूमधाम व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सांथ विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ शुरुआत मे भगवान बिरसा मुंडा व डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कायक्रम की शुरुआत किया गया, जिसमे सीधी एवं सिंगरौली जिले के वक्ताओं ने समाज के उत्थान के लिए अपने-अपने उद्बोधन दिए। इस दौरान कलाकारों द्वारा लोक सांस्कृतिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। यह कार्यक्रम सुश्री सोनम सिंह कुसरो जिला पंचायत अध्यक्ष सिंगरौली के मुख्य अतिथि, गोंडवाना गाथा के रचयिता फत्तेबहादुर सिंह मरकाम, डॉ. केएस नेताम, प्राध्यापक शंकर सिंह केरमा प्राध्यापक, जनपद अध्यक्ष कुसमी श्यामबती सिंह, रामप्रताप यादव, सेनि डीईओ रणमत सिंह, विवेक कोल के विशिष्ट अतिथि आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव तिलकराज सिंह उइके की अध्यक्षता पूर्व एसडीओपी लालदेव सिंह कुसरो, एडीपीओ बीरेंद्र सिंह मरावी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मनोज कोल सेमरिया, एड. रामसिया जायसवाल सरई, मोहन सिंह उइके कुशमहर, एड. अशोक पनिका, महेश वैश्य, शशिकांत, हीरालाल सिंह शिक्षक, कृष्णपाल सिंह मोनू गिजवार, सेनि पुलिस अच्छे लाल सिंह, डॉ. राजबहादुर सिंह मरकाम, अवधराज सिंह मरकाम निगरी, श्रीनिवास साकेत, मोहन सिंह, सजन सिंह ओइमा इंद्रभान सिंह, डॉ. विकट सिंह, सूर्यप्रताप सिंह सूर्या, ललित केवट, प्रेमलाल बैगा कमछ, अमीर सिंह बड़वाही, युवा नेता धौहनी विधानसभा कनक सिंह नेटिया खडौरा, छोटेलाल सिंह रिटा. लाइन इस्पेक्टर टमसार, गणेश सिंह कोचिला, दिग्विजय सिंह, पुष्पा सिंह, सरोज सिंह टेकाम, रनिया सिंह रौहाल, सुशीला सिंह मरकाम जूरी, लालमन सिंह, लालबहादुर सिंह, विनय गुप्ता, डीके सिंह गिजवार, एड. अवधेश सिंह सहित हजारों हजार की संख्या मे आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एड. अशोक पनिका एवं उपस्थित जनो के प्रति आभार तिलकराज सिंह उइके ने किया। कार्यक्रम मे 12 बजे से शाम 7 बजे तक भारी भीड़ रही कार्यक्रम आयोजक श्री उइके द्वारा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किये गए थे।

जिले में औसत वर्षा 965.1 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा मझौली में

जागरण, सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 9 अगस्त को सीधी जिले में 33.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 23.5 मि.मी., चुरहट 125.0 मि.मी., गोपद बनास में 37.2 मि.मी., सिहावल में 3.0 मि.मी., बहरी में 5.6 मि.मी., मझौली में 16.0 मि.मी. और कुसमी में 23.3 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 965.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 1 जून से 9 अगस्त तक तहसील मझौली में सर्वाधिक वर्षा 1072.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 796.3, चुरहट में 925.0, गोपद बनास में 918.6, सिहावल में 1060.6, बहरी में 1039.1 मि.मी. और कुसमी में 943.8 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 656.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 309 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

जिले में आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मना कजलियां का पर्व

एक-दूसरे को कजलियां देकर दी गई शुभकामनाएं

ग्रामीण क्षेत्रों में कजलियां को लेकर ज्यादा दिखा उत्साह

जागरण, सीधी

जिले में आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक कजलियां पर्व पूरे उत्साह के साथ आज मनाया गया। इस दौरान जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक कजलियों का त्यौहार पारंपरागत रूप से मनाया गया। जहां महिलाएं, पुरुष, बुजुर्गों ने अपनी सहभागिता निभाई। नदी, तालाब और सरोवर में टोकरी और मिटटी को विसर्जित कर कजलियां लेकर लौटी महिलाओं व कन्याओं ने सबसे पहले मंदिरों में जाकर भगवान को समर्पित किया। फिर रिश्तेदारों, परिचितों, पडोसियों एवं घर के सदस्यों को कजलियां दी। जहां बड़े-बुजुर्गों ने छोटों को आशीर्वाद दिया तो वहीं छोटों ने बड़ों को प्रणाम किया। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन के दूसरे दिन कजलियां मनाने यहां की पुरानी परंपरा है जो आज भी जीवंत है। यह पर्व आज भी पूरे उत्साह के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर इस वर्ष लोगों में काफी उत्साह रहा। सभी जाति-धर्म के लोग एक-दूसरे को कजलियां देकर शुभकामनाएं दी तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा दिया। बता दें कि कजलियों का पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन परीवा को धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व एक-दूसरे से मिलने-मिलाने वाला त्यौहार है। इस दिन लोग अपने से बड़ों को कजलियां देकर पैर छूते हुए आशीर्वाद मांगते है। हालांकि अब ये त्यौहार कुछ घरों तक ही सीमित रह गया है। मान्यता है कि गेहूं, जौ और बांस के बर्तनों में खेत की मिट्टी डालकर कजलियों का बीच नागपंचमी के दूसरे दिन ज्यादातर घरों में डाला जाता है। जबकि घर की कन्याएं व महिलाएं रक्षाबंधन तक जल देते हुए कजलियों का पौधा तैयार करती है। प्राचीन समय में कृषि की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर फसलों की बोनी के बाद कजलियां का पर्व मनाने की पुरानी परंपरा रही है। इस त्यौहार पर कृषक परिवारों में ज्यादा उत्साह नजर आता है।

सोशल मीडिया में छाई रही शुभकामनाएं

कजलियां पर्व पर शुभकामनाएं देने का सिलसिला दिन भर चलता रहा। लोग अपने परिचितों, रिश्तेदारों को सोशल मीडिया के माध्यम से कजलियां पर्व पर शुभकामनाएं देने को लेकर ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे थे। इसमें युवाओं के साथ अधेड़ और बुजुर्ग भी शामिल रहे। चर्चा के दौरान कुछ लोगों का कहना था कि पुरानी परंपरा के अनुसार तो कजलियां एक-दूसरे को भेंट कर शुभकामनाएं देने की परंपरा थी लेकिन बदलते समय में त्यौहार भी अब कुछ लोगों के बीच ही सिमटते जा रहे हैं। यह अवश्य है कि त्यौहार पर शुभकामनाएं देने में सोशल मीडिया अब बड़ा साधन बन चुका है। लोग भी सीधे मुलाकात कर शुभकामनाएं देने की बजाय अब सोशल मीडिया से ही बधाई और शुभकामनाएं देने को अहमियत देते हैं। कारण आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में समय का अभाव सबके सामने है।

ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा दिखा उत्साह

ग्रामीण क्षेत्रों में कजलियां के पर्व का उत्साह काफी ज्यादा दिखा। दोपहर बाद से ही ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित पुराने जलाशयों के समीप लोगों की भीड़ इकट्ठी हुई और यहां पवित्र कजलियां को विसर्जित कर भगवान को अर्पित करने के बाद एक-दूसरे को कजलिया भेंट कर सुख-समृद्धि की कामना के साथ शुभकामनाएं देने का दौर शुरू हुआ। मझौली, मड़वास, रामपुर नैकिन, चुरहट, अमिलिया, सिहावल, कुसमी अंचल में कजलियां का पर्व धूमधाम से मनाने की खबरें मिली हैं। यहां ग्रामीण क्षेत्रों में नागपंचमी के दिन ही पवित्र ज्वार की बोनी कर दी गई थी जिससे कजलियां के पर्व पर उगाई गई कजलियां का विसर्जन कर सुख-समृद्धि की कामना के साथ लोगों को भेंट किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में कजलियां के पर्व पर लोगों में काफी खुशी भी देखी गई।

आपसी सद्भाव भाइचारे का पर्व कजलियां पर शहर के लल्लू भैया तलैया व गाटर घाट में लगे मेले, गीत-संगीत की सजी महफिल

जागरण, कटनी। रक्षाबंधन के बाद आज कलियां का पर्व मनाया जा रहा है। आपसी भाई चारे और सौहार्द के महापर्व कजलिया के अवसर पर लोग एक दूसरे को गले मिलकर शुभकामनाएं दे रहे हैं। सुबह से नदी घाटों और तालाबों में कजलियां का विसर्जन भी किया जा रहा है। बारडोली उत्सव समिति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय काजलियां मेले का कल शनिवार की शाम कटनी नदी के गाटरवाट में विधिवत शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर समीर राम मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की आरती उतारकर पूजा अर्चना की गई। इसके उपरांत गीत-संगीत की शानदार माहफिल सजी। जिसमे शहर और बाहर से आये कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नग्मे सुनाकर महफिल में चार चांद लगा दिए। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय कजलिया मेला का मंदिर गाटर घाट में आयोजित किया गया है। कल पहले दिन 9 अगस्त आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बौलीवुड अभिनेता भोजपुरी फिल्मों के कलाकार संजय पांडे एवं एवं संप्रेषणा नाट्य मंच के सादाब भारती, जोधाराम जयसिंघानी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बारडोली उत्सव समिति के अध्यक्ष राज्य रजक, सचिव मनोज निगम कजलियां, मेला समारोह समिति के अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला, सचिव अभिषेक ताम्रकार, राजा जगवानी, रमाकांत दीक्षित, सुनील मिश्रा, कोषाध्यक्ष शालिनी सोनी, वरिष्ठउपाध्यक्ष उषा पांडे, अनु शशांक श्रीवास्तव, सह सचिव सुश्री रजनी वर्मा, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी गीता पाठक, ललित सोनी, सत्य दर्शन मिश्रा, कार्यक्रम का संचालन बारडोली उत्सव समिति के सचिव मनोज निगम ने किया।

लल्लू भैया की तलैया में भी लगा मेला : शहर का ऐतिहासिक काजलियां मेला जो लगभग 43 वर्षों से कजलियां के मेले के रुप में भव्यता के साथ मनाया जाता रहा है जिसने महिलाओं और बच्चों के साथ, साथ भारी संख्या में प्रमीण क्षेत्र से प्रमीण जनोंका आगमन होता हैं। पूर्व के वर्षोंकी भांति इस वर्ष भी कजलिया मले का आयोजन लल्लू भैया की तलैया में आयोजित हो रहा है। मेला समिति के अध्यक्ष अर्जुन अग्रवाल, संकल्प अग्रवाल, चंद्रकांत यादव ने बताया की पूरी भव्यता और गरिमा के साथ आज विवार 10 अगस्त लल्लू भैया की तलैया में आयोजित मेले में सभी प्रकार के झूले और छोटे बच्चों के लिये खिलौनों की खान-पान की दुकानें भी व्यवसायियों द्वारा लगाई गई है। मेले में सभी धर्म वर्ग और जाति के लोग आपन सद्?भावना के साथ गले मिलकर कजलियों का अदान-प्रदान करते हैं।

हाइवे पर मिले डीजल चोर, पेट्रोलिंग करते दबोचा

माधवनगर क्षेत्र की घटना

जागरण, कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ संतोष डेहरिया एवं श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमती नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में तथा माधव नगर थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने नेतृत्व में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दिनांक 08/08/2025 को हाइवे पेट्रोलिंग के दौरानं पुलिस ने डीजल चोरो को गिरफ्तार किया है। उक्त प्रकरण में माधवनगर पुलिस द्वारा आरोपी रघुवीर कोल पिता राममनोहर कोल उम्र 24 साल निवासी चाँदपुर थाना चंदिया जिला उमरिया,प्रवेश राज कोल पिता राममनोहर कोल उम्र 21 साल निवासी चाँदपुर उमरिया,संजीत उर्फ शनि कोल पिता देवीदीन कोल उम्र 24 साल निवासी चाँदपुर जिला उमरिया को गिरफ्तार किया है। आरोपियो ने पूछताछ में बताया कि दिनांक 08/08/25 को रात मे अपनी कार मे डिब्बे एवं पाईप रखकर अपने साथीयो के साथ मिलकर वर्ना कार मे डीजल चोरी करने के लिये कटनी तरफ आये थे जो पीरबाबा बायपास कटनी के पास एक 12 चका ट्रक एवं जेसीबी रोड किनारे अंधेरे मे खडी देखे तो अपनी वर्ना कार को 12 चका ट्रक से सटाकर खडी कर दिया और लोहे की राड से डीजल बाक्स का ताला तोडा तथा पाईप निकालकर गाडी की डिग्गी मे रखे डिब्बो मे लगा दिया तभी पुलिस की गाड़ी आ जाने से हम लोग वहाँ से अपनी कार मे जबलपुर तरफ भाग रहे थे कि एक ढाबे के सामने पुलिस वालो ने हमारी कार को रोक लिया और हम पकड़े गये। आरोपियो द्वारा कुछ दिनो पहले ग्राम मझगवां कोयला प्लांट के सामने एवं दाल मिल के पास लमतरा मे भी इसी कार से डीजल चोरी किया था। आरोपी के पास से वर्ना कार क्रमांक 20 सीजी 1348, डीजल के डिब्बे, पाईप एवं लोहे की राड जप्त की गई है। आरोपियो से पूछताछ जारी है और भी गटनाओ के खुलासा होने की संभावना है। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में उनि दिनेश करोसिया, उनि राजकुमार झारिया (यातायात), प्रआर 536 अखिलेश दीक्षित, आर आकाश रावत, आर. चालक सत्येन्द्र ठाकुर पुलिस लाइन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों में दिखा उत्साह

जागरण, कटनी। हर घर तिरंगा अभियान के प्रति कटनी जिले के लोगों में भारी उत्साह है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियोंकी अगुवाई और आमजन की सहभागिता से हर घर तिरंगा अभियान संचालित हो रहा है।

बडवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में परियोजना बड़वारा में हर घर तिरंगा एवं हर घर स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें क्षेत्रीय जनों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। अभियान के तहत विकासखण्ड रीठी के शासकीय माध्यमिक शाला मुहांस में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा ग्राम में तिरंगा रैली निकाली गई।इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैगवा में हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता कार्यक्रम के तहत छात्र - छात्राओं को सैन्य अधिकारियों ,पुलिस अधिकारियों को पत्र लेखन कि कला से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें उच्च अधिकारियों को विपत्ति के समय पत्र लिखना आदि सिखाया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री के संदेश का होगा सीधा प्रसारण

जागरण पन्ना। स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस परेड मैदान पन्ना में 15 अगस्त को सुबह 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वतंत्रता दिवस संदेश का लाइव प्रसारण कार्यक्रम स्थल पर दिखाया जाएगा। इसके लिए कार्यक्रम स्थल पर एलईडी स्क्रीन, टीवी सेट, इंटरनेट कनेक्शन और साउंड सिस्टम की व्यवस्था की जा रही है। सम्पूर्ण व्यवस्था का पूर्व रिहर्सल भी किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल में यूट्यूब लिंक खोलने के लिए लैपटाप, एलईडी टीवी, एलईडी वॉल, एचडी एमआई केबिल, पावर बैकअप की भी व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री जी का संदेश यूट्यूब लिंक पर भी उपलब्ध होगा।

चालीहा महोत्सव : जलाधिपति की आराधना बनी श्रद्धालुओं की साधना, बालक मंडली के भक्ति गीतों ने समा बांधा

गायक उदासी बंधुओं ने मचाया धमाल

जागरण, कटनी। विगत 8 जुलाई से गुरूनानक वार्ड स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में चल रहे 40 दिवसीय भगवान झूलेलाल चालीहा महोत्सव के अवसर पर झूलेलाल चालिहा समिति द्वारा रोजाना विविध, धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला अनवरत जारी है। सुबह, शाम मंदिर में भजन कीर्तन, आरती, पल्लव व दीनबंधु भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित कर रहे हैं। समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि झूलेलाल चालिहा सम्मति द्वारा प्रत्येक रविवार को प्रात 9 बजे से 11 बजे तक मसूराहा घाट (कटनी नदी) के तट पर जल देवता की पूजा, अर्चन भजन कीर्तन, अखो पल्लव आरती व दीप दान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। चालिहा महोत्सव में प्रत्येक रविवार को जल देवता के पूजन की श्रृंखला के तहत आज 10 अगस्त रविवार होने के कारण श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली एवं प्रात आखो पल्लव आरती व दीपदान के ततपश्चात 11 बजे से झूलेलाल सेवा सम्मति के सहयोग से पूरे देश में विख्यात। शहर की सुप्रसिद्ध मंडली (बालक मंडली) उदासी बंधुओं का भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं भाई गोवर्धन, दिलीप उदासी के भजनों पर श्रद्धालु मंत्र मुग्ध हो गये व उनके भजनों की धूम पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूमते नज़र आये एवं बालक मंडली द्वारा उहो हतह मथे करे मुहिंजी बेड़ी अथाई वीच सीर तै आयोलाल झूलेलाल पले वारो झूलेलाल आदि गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में पल्लव के बाद प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस अवसर पर पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंदू लाल जादवानी, त्रिलोकचंद भोजवानी, पूर्व अध्यक्ष मोहन बत्रा ,हरीश बहलानी, नेवंदराम खूबचंदानी, अमर चेतवानी, महेश बहलानी, जीयंदराय पंजवानी , मोहन बजाज (मन्नु भैया) नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, पूर्व भाजपा ज़िलाअध्यक्ष रामरतन पायल , पार्षद अवकाश जयसवाल , पार्षद बिट्टू अहमद, पार्षद गोविंद चावला , पार्षद ईश्वर बहरानी , शांतिनगर पंचायत अध्यक्ष अशोक चेलानी, ठाकुरदास रंगलनी, जेरामदास पंजवानी,राजकुमार नानकानी , राजा जगवानी, सुरेश गांधी ,वीरेंद्र लालवानी,राजकुमार खीयानी, मेंघराज खूबचंदानी, सुनील हसीजा , मोहन रोहरा, राजेश खूबचंदानी, गोतम गलानी, मनोहर उधवानी, महेश डोडानी, सतराम सुन्दरानी ,अशोक बजाज ,संजय खूबचंदानी, धन्यकुमार गांधी , वरंदमल चांदवानी, हेमंत सखानी, राजकुमार चेलानी , सुरेश रोचलानी, रुपेश खूबचंदानी, सुशील जसूजा ,अजीत केसवानी, मनीष मोटवानी , अमर पंजवानी, एवं सिंधी भावरन ग्रुप, सुपर ग्रुप एवं सुहींणा सिंधी ग्रुप व अनेक जनप्रतिनिधि व सामाजिक संस्थाओं के सदस्य गण तथा गणमान्य नागरिक उपस्थिति रहे।

करेंट लगने से युवक की मौत, त्योहार में छाया मातम

जागरण, कटनी। जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरछेका में खेत पर काम करने गए 20 वर्षीय युवक सागर साहू की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना ने रक्षाबंधन और कजलिया जैसे की खुशियों को मातम में बदल दिया।जानकारी के मुताबिक, बरछेका गांव निवासी सागर साहू पिता विजय साहू रविवार दोपहर अपने खेत पर खाद डालने के लिए गया था। खेत में लगे बिजली के खंभे से अचानक करंट उतर आया, जिसे सागर ने अनजाने में छू लिया। करंट का झटका इतना तेज था कि वह बुरी तरह झुलस गया। परिवार वालों को जानकारी लगी तो आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय वन संरक्षक सामाजिक वानिकी वृत्त रीवा (म.प्र.)

जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail-ccfre.rwa@mp.gov.in, Phone-07662-297493

विभागीय रोपणियों मे सिंचाई तंत्र सामग्री क्रय हेतु द्वितीय ई-निविदा सूचना।

समस्त प्रदायकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वनमण्डलाधिकारी सामाजिक वानिकी वृत रीवा के अधीनस्थ इकाई रीवा (रोपणी-रीवा, हर्दीशंकर, बैदहा), सतना (रोपणी-रामटेकरी,मुकुन्दपुर, उमरी, परसवाही), सीधी (रोपणी-बदरखेड़ा, टिकरी, जोगदहा), सिंगरौली(रोपणी-निगरी, ओवरी, मोरबा), चित्रकूट (रोपणी-सरभंगा, गहिरा), शहडोल (रोपणी-धनुपरी, विचारपुर,समधिन), अनूपपुर (रोपणी-सीतापुर, अमरकंटक) एवंउमरिया (रोपणी-मझगवां) के लिए वित्तीय वर्श 2025-26 में विभागीय रोपणियों में सिंचाई तंत्र समाग्री क्रय की आवश्यकता है, उक्त सामग्री का प्रदाय रोपणी स्थल पर किया जाना होगा। उक्त सामग्री के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इस ई-निविदा के लिए दिनांक 8.8.2025 से आवेदन ऑनलाईन के माध्यम से वेबसाईट https://mptenders.gov.in के द्वारा ही स्वीकार्य किया जावेगा। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 28.8.2025 तक है। निविदा की दिनांक 01.09.2025 टेक्निकल बिड खोलने की कार्यवाही की जावेगी एवं 01.09.2025 को फाईनेंशियल बिड खोलने की कार्यवाही की जावेगी।

(वनमण्डलाधिकारी द्वारा अनुमोदित)

सहायक वन संरक्षक
सामाजिक वानिकी वृत्त रीवा

G-16972/25

देवेन्द्रनगर, अमानगंज एवं अजयगढ़ में 1000 मिमी से अधिक वर्षा

जागरण पन्ना। जिले में इस वर्ष एक जून से 10 अगस्त तक 899.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान देवेन्द्रनगर, अमानगंज एवं अजयगढ़ में 1000 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक वर्षा अजयगढ़ में 1093.2 मिमी एवं सबसे कम सिमरिया में 582.4 मिमी दर्ज की गई है। पन्ना में 893.1 मिमी, देवेन्द्रनगर में 1006 मिमी, गुनौर में 954.1 मिमी, अमानगंज में 1040 मिमी, पवई में 879 मिमी, शाहनगर में 836.1 मिमी तथा रैपुरा में 814.5 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

शासकीय भवनों में की जाएगी रोशनी

जागरण पन्ना। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह पुलिस परेड मैदान में सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। स्वतंत्रता दिवस पर जिले के सभी शासकीय भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर रोशनी की जाएगी। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को शासकीय भवनों में 14 अगस्त एवं 15 अगस्त की रात्रि में आकर्षक सजावट के साथ रोशनी की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

जागरण पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक जोर शोर से हर घर तिरंगा अभियान चलायें। इसके साथ-साथ जन्माष्टमी पर्व की भी तैयारी कर लें। जिले में स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों और शहीदों की गाथाओं को संकलित कराकर उनका समुचित दस्तावेजीकरण करायें। स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश की उपलब्धियों के साथ-साथ जिले की उपलब्धियों और विकास गाथाओं को भी आम जनता तक पहुंचायें। पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और स्वतंत्रता दिवस का समारोह पूरे उल्लास के साथ मनायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में नवीन उद्योगों की स्थापना तथा रोजगारमूलक कार्यों पर भी विशेष ध्यान दें। रोजगार मेलों का प्रभावी आयोजन करके युवाओं को विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से लाभांवित करायें। फसल बीमा की राशि किसानों के बैंक खाते में जारी की जा रही है। इसका भी समुचित प्रचार प्रसार करें। बाढ़ और अतिवृष्टि से फसलों को हुई हानि का तत्काल सर्वे कराकर पीड़ितों को राहत राशि जारी करायें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने संभाग के कमिश्नर और कलेक्टरों से हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में जानकारी ली। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में हर घर तिरंगा अभियान में शामिल विभिन्न विभागों की गतिविधियों की विभागवार जानकारी दी गयी। वीडियो कान्फ्रेसिंग के दौरान कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर सुरेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा तथा अन्य अधिकारी इसमें शामिल हुए।

विश्व आदिवासी दिवस हर्ष उल्लास के साथ सम्मानित कर मनाया गया

जागरण पन्ना। देवेन्द्रनगर पन्ना जिले की तहसील देवेंद्रनगर परिक्षेत्र के ग्राम रूपझिर आदिवासी बस्ती में विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर मेहनतकश गौरवशाली समाज प्रकृति, जल जंगल जमीन के संरक्षक गौरवशाली संस्कृति के जनक अपनी मेहनत से विश्व का निर्माण करने वाली आदिवासी समाज के वृद्ध जनों माताओं बहिनों युवाओं का और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए कार्य करने वाले समाज सेवियों का शाल श्रीफल साड़ी भेंट कर ,फूल मालाओं से सम्मान स्वागत किया गया । बच्चों को कॉपी पेन भेंट कर स्कूल जाने और शिक्षित बन कर उच्च शिक्षा ग्रहण कर अच्छी नौकरियों में जाने के लिए अच्छे संस्कार ग्रहण करने के लिए प्रेरित कर नशा मुक्ति समाज निर्माण करने व संगठित रहने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए गुब्बारे,टाफी, चॉकलेट आदि वितरित किए, सभी उपस्थित आदिवासी समाज की बस्ती ग्राम रूपझिर में लड्डु मीठा वितरित कर हर्ष उल्लास से विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया । इस अवसर पर उक्त कार्यक्रम के मार्ग दर्शक संरक्षक समाजसेवी शिक्षक सीताराम प्रजापति,आदीवासी समाज के जागरूक शिक्षक हेतराम गोंड , समाजसेवी कांतिकारी युवक अज्जू कबीर पंथी, कमलेश गोंड, श्रीपाल साहब, व कार्यक्रम के आयोजक संगठन के पदाधिकारी गण, युवा नागवंशी संगठन अध्यक्ष विक्रांत चौरसिया, अधिवक्ता अखिलेश चौरसिया विधायक ,समाजसेवी नीरज चौरसिया , समाजसेवी आनंद चौरसिया एवं आदिवासी बस्ती ग्राम झिर के सभी युवा साथी माताएं बहिनें बुजुर्ग जन छोटे छोटे बच्चे उपस्थित रहे।

विक्रय नीलामी प्रथम निविदा सूचना
सेनानी 9वीं वाहिनी विसबल रीवा (म.प्र.)

PH No./FAX No. 07662-256568 Email ID: co9thbn@gmail.com

// निविदा सूचना //

9वीं वाहिनी विसबल रीवा के सामग्री अध्यक्ष शाखा के भण्डार गृह में निष्प्रयोज्य (अनुपयोगी) सामग्री की नीलामी किये जाने हेतु दिनांक 21/08/2025 के 1600 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है आमंत्रित निविदा दिनांक 22/08/2025 के 1600 बजे तक समिति एवं निविदाकारों/प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबंधित नियम, निविदा फार्म एवं विक्रय किये जाने वाली अनुपयोगी सामग्री जैसे प्लास्टिक मटेरियल-680 किग्रा, एवं स्टील 167.45 ग्राम आदि जो जिस हालत में है उसी हालत में नीलामी की जायेगी। नीलामी सामग्री की सूची कार्यालयीन समय में इकाई के क्वार्टर मास्टर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

नीलामी की शर्ते

1. कण्डम सामग्री की खुली नीलामी एक लाट में की जायेगी।
2. नीलामी की कार्यावाही से पूर्व प्रत्येक बोलीदार से रूपये 5,000/-(पांच हजार रूपये मात्र) प्रतिभूति के रूप में जमा कर नीलामी की कार्यवाही में सम्मिलित हो सकेंगे।
3. सरकारी कीमत (आफसेट प्राइज) से अधिक मूल्य की बोली लगाने पर अंतिम अधिकतम बोली पर नीलामी समाप्त की जावेगी, आफसेट प्राइज से कम कीमत प्राप्त होने पर कमेटी द्वारा नीलामी की कार्यवाही स्थगित कर दी जावेगी।
4. नीलामी सामग्री का पूर्ण भुगतान नीलामी तिथि को ही करने पर सामग्री, अंतिम अधिकतम् बोलीदार को सुपुर्द की जावेगी।
5. नीलामी हेतु कण्डम सामग्री कार्यालयीन समय में कार्यालय क्वार्टर मास्टर शाखा, 9वीं वाहिनी विसबल रीवा में देखी जा सकती है।
6. नीलामी बोली स्वीकृति/अस्वीकृति करने का पूर्ण अधिकार नीलामी कमेटी को होगा।
7. नीलामी हेतु आवेदन एक दिन पूर्व प्रात: 1100 से 1600 बजे तक ही प्राप्त किये जावेगे उसके बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।
8. नीलामी की समस्त शर्ते नीलामी स्थल पर ही घोषित की जावेगी।
9. नीलामी के समय किसी प्रकार की विवाद की स्थिति में सेनानी 9वीं वाहिनी विसबल रीवा का निर्णय सर्वमान्य होगा।

सुशील रंजन सिंह (भापुसे)
सेनानी
9वीं वाहिनी विसबल रीवा

G-16975/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यॉत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी (म.प्र.)

सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822-292508

निवदि सू.क. 07/नि.प्र./व.ले.लि./का.य./लो.सवा.यां.वि./25-26 सीधी दिनांक 06.08.2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22.08.2025 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 25.08.2025 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्व बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
Name of work- Balance work of Retrofitting Work of Piped Water Supply Scheme to achieve the target of JJM for supplying water at every doorstep through functional household tap connection (i.e. 100% FHTC's) in Villages Shivpurwa no-1 District- SIDHI.

S. N.	Tender ID	Name of scheme village	PAC (Rs. in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
1.	EE_PHED_442753_1	शिवपुर्वा नं. ब्लाक सीधी	38.77	77540.00	5000.00	Ist Call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

G-17022/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मऊगंज (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रं. 07/ब.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यॉ./2025-26 **मऊगंज, दिनांक 07.08.2025**

ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना

1. निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑन लाइन निविदायें एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर **केन्द्रीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों** से निविदा ऑन लाइन टेण्डर प्रक्रिया के तहत आमंत्रित की जाती है।
ऑन लाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक 11.08.2025 डाक्यूमेन्ट डाउन लोड/टेण्डर फार्म क्रय प्रारम्भ तिथि 11.08.2025 टेण्डर फार्म क्रय की अंतिम तिथि 25.08.2025 बिड सबमिशन प्रारम्भ का दिनांक 11.08.2025 एवं बिड सबमिशन का अंतिम तिथि 25.08.2025 को सायं 5.30 बजे तक निर्धारित हैं। Manadatory 'A' & Financial bid Open का दिनांक 27.08.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित है।
2. उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय बेवसाइट (http//www.mptenders.gov.in) पर प्रदर्शित है।
3. निविदाएँ, निर्धारित तिथि दिनांक 27.08.2025 को खोली जायेंगी।
4. **कार्य का विवरण:-**
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मऊगंज अन्तर्गत विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाइप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन, आर.सी.सी. टंकी (OHT) सम्पवेल, सबमर्सिवल मोटर पंप की स्थापना, 90 दिवस के ट्रायल रन एवं कमिशनिंग आदि समस्त कार्य सामग्री एवं लेबर सहित।

ई-टेण्डर नं.	योजना का नाम	विकास खण्ड	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	प्रतिभूति राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
2025_PHED_442877_1	हाटा एवं पिपराहा	हनुमना	390.14	390140.00	15000.00	09 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_442878_1	रतनगवा खास, लौरखुर्द करहिया, वनपाड़र, उधौपुर्वा, शुकुलगवॉं, ऑटी, अमोखर, मिसिरगवॉं, पहाड़ी निरपत सिंह, रकरी एवं नरैनी	मऊगंज	398.73	398730.00	15000.00	09 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_442879_1	पन्नी, चन्द्रमहुली, डगडौआ नं.-1 एवं ढेरा	मऊगंज	324.38	324380.00	15000.00	09 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2025_PHED_442880_1	सूती, रिसदा, रामपुर, तुर्कागोदर रेही, लखवार, चन्द्रपुर, अमिलिया, टेढ़कला, बराखुर्द, कुड़री, गंगतीरा कला, मनिका एवं जमुई खुर्द	त्यौंथर	309.46	309460.00	15000.00	09 माह (वर्षा ऋतु सहित)

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेवसाइट (http//www.mptenders.gov.in) पर प्रदर्शित है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
मऊगंज जिला मऊगंज (म.प्र.)

G-17012/25

दो बाइकों की भिड़ंत में पांच घायल अस्पताल में पट्टी तक नहीं मिली

समय पर एम्बुलेंस भी नहीं पहुंची, जिला पंचायत सदस्य बने मददगार

जागरण, छतरपुर । जिले के बकस्वाहा में दो बाइकों की टक्कर में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद समय पर एम्बुलेंस न पहुंचने और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। एक जिला पंचायत सदस्य ने अपनी गाड़ी से घायलों को अस्पताल पहुंचाकर मानवता की मिसाल पेश की, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं की खराब स्थिति ने प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शनिवार को बकस्वाहा के सागर रोड पर फट्टा वेयर हाउस के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में हल्ले अहिरवार, सुनील आदिवासी (25 वर्ष, लिधौरा), माखनलाल लोधी (55 वर्ष, पटेरा) और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाने की कोशिश की, लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी कोई गाड़ी नहीं आई। तभी वहां से गुजर रहे जिला पंचायत सदस्य करन सिंह लोधी ने अपनी निजी गाड़ी में सभी घायलों को बकस्वाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉ. सत्यम असाटी ने इलाज शुरू किया, लेकिन अस्पताल में न तो पर्याप्त कर्मचारी थे और न ही जरूरी सामग्री। करन सिंह ने बताया कि 121 गांवों की सेवा करने वाले इस केंद्र में पट्टी तक नहीं थी, जिसे बाहर से खरीदना पड़ा। घायलों को जिला अस्पताल भेजने में भी एम्बुलेंस देर से पहुंची, जिस पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप खरे ने नाराजगी जताई और जिला चिकित्सा अधिकारी से तत्काल सुधार की मांग की। काफी देर बाद एम्बुलेंस आई और सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। करन सिंह ने आरोप लगाया कि इस स्वास्थ्य केंद्र में न दवाएं हैं, न पट्टी और न ही पर्याप्त कर्मचारी, जो प्रशासन की लापरवाही है।

आदिवासी स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा मंच

छतरपुर । जिले के बकस्वाहा में आदिवासी स्थापना दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। आयोजन में छतरपुर, सागर, दमोह, मंडला, सतना सहित कई जिलों से आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। मंच पर सामाजिक एकजुटता और शिक्षा को बढ़ावा देने के संदेश गूंजते रहे, वहीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उल्लासमय बना दिया। इस अवसर पर जयस की प्रदेश अध्यक्ष सोनू रावत, भाजपा के पूर्व विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप खरे, कैलाश आदिवासी, जयस जिलाध्यक्ष छतरपुर मंटू आदिवासी और जयस के पूर्व जिलाध्यक्ष वेंकट आदिवासी मौजूद रहे। सभी ने आदिवासी समाज के उत्थान, शिक्षा में प्रगति और कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया। सोनू रावत ने कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त बना सकती है, इसलिए हर परिवार को बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए लोग आदिवासी परंपरा और संस्कृति की दिखी झलक, शैला करमा व गुदुम ने मोहा मन

जागरण, मंडला । मंडला जिले में विश्व आदिवासी दिवस बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और इतिहास को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। मंडला जिला मुख्यालय में स्टेडियम के पास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित सभा में आदिवासी लोक नृत्यों, पारंपरिक गीतों और सांस्कृतिक झांकियों ने समां बांध दिया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरुआत वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद एक भव्य रैली निकाली गई, जिसमें आदिवासी समुदाय के पुरुष, महिलाएं और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आए। रैली में शामिल लोग ढोल-नगाड़ों की थाप और डीजे पर धुन में नाचते-गाते हुए चल रहे थे और जय आदिवासी के नारे लगा रहे थे। रैली जिला मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी और लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।बताया गया कि आदिवासी दिवस के अवसर पर पूरे जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आदिवासी नृत्य करमा, शैला और गुदुम ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से आदिवासी जीवन शैली, रीति-रिवाजों और प्राकृतिक प्रेम को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं और अधिकारियों ने भी भाग लिया और आदिवासी समुदाय के लोगों को बधाई दी। उन्होंने आदिवासी समाज के विकास और उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी अनोखी संस्कृति और परंपराओं में निहित है, जिसे संरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।यह आयोजन न केवल आदिवासियों के लिए गर्व का क्षण था, बल्कि गैर-आदिवासी समुदायों के लिए भी उनकी संस्कृति को समझने और सम्मान करने का एक अवसर था।

खुलेआम हो रही गांजा की बिक्री, वायरल हुआ वीडियो

जागरण, छतरपुर । ईशानगर थाना क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है। रविवार को यहां का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति खेल मैदान के पास गांजे की पुड़िया बनाकर बेचता नजर आ रहा है। पुलिस की नाक के नीचे हो रही इस गतिविधि ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बताया गया है कि ईशानगर में खेल मैदान के पास छोटा जोशी नामक व्यक्ति खुलेआम गांजे की पुड़िया बनाता और 100-200 रुपये में नशेड़ियों को बेचता है। यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में कैद होकर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में वह वैध कारोबार की तरह नशे का सामान बेचता नजर आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि या तो पुलिस को इसकी भनक नहीं है, या फिर साठगांठ का मामला है।

श्रीकृष्ण पर्व मंडला में 14 अगस्त से

दो दिवसीय समारोह बहेगी भक्ति रस

जागरण, मंडला । संस्कृति विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 14 अगस्त एवं 16 अगस्त को माहिष्मती घाट में 'श्रीकृष्ण पर्व'-हलधर महोत?सव एवं लीला पुरुषोत्तम का प्रकटोत्सव का आयोजन किया जायेगा। दो दिवसीय समारोह में श्रीकृष्ण केंद्रित नृत्य नाटिका एवं भक्ति गीतों के माध्यम से कलाकार सुरों से सुगंधित भक्ति की जमुना में गोते लगवाएंगे। समारोह में 14 अगस्त को सागर के मनीष यादव बरेदी लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे तो शाम की दूसरी सभा को राखी बांके, भोपाल और लक्ष्मी दुबे, जबलपुर भक्ति गायन की सुमधुर प्रस्तुति से विस्तार देते हुए लोक संस्कृति को मंच पर नमूदार करेंगी। मथुरा के गिरधर गोपाल शर्मा समारोह में हलधर लीला प्रस्तुति के माध्यम से पहले दिन की सभा का समापन करते हुए सुधीजनों को भक्ति रस की प्रेम रूपी वर्षा में भिगो देंगे। 16 अगस्त की शाम पतित पावन माँ नर्मदा की कल-कल बहती धारा श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे मंडलावासियों के प्रेम की साक्षी बनेगी। माहिष्मती घाट पर छतरपुर के रवि अहिरवार बधाई और बरेदी लोकनृत्य पेश करेंगे तो भोपाल की डॉ. श्यामा पंडित नृत्य नाटिका श्रीकृष्ण के माध्यम से भगवान की लीलाओं को मंच पर जीवंत कर भक्ति संगीत के माध्यम से दर्शकों को प्रभु भक्ति की वैतरणी से पार लगाएंगी। समारोह की अंतिम प्रस्तुति जबलपुर के रूद्रकांत ठाकुर एवं दल तथा मनीष अग्रवाल एवं दल के भक्ति गायन होगी।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर कराया मुंह मीठा, खुशहाल जीवन की कामना की

जागरण, मंडला । भाई बहन के प्यार और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार उत्साह से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने बहन को उपहार दिए। युवतियों व बच्चियों में रक्षाबंधन को लेकर विशेष उत्साह रहा। भद्राकाल न होने से सुबह से रात तक बहनों ने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधे। बाजारों में राखी विक्रेताओं के साथ मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ रही। अन्य दुकानें बंद रहने से पूरे दिन सड़क में कम भीड़ नजर आई। हालांकि दोपहर बाद विश्व आदिवासी दिवस के कारण चहल पहल बढ़ने लगी। आसपास के गांव से लोग मुख्यालय पहुंचे जिससे मार्ग में दो पहिया वाहनों की अधिक आवाजाही देखी गई। रक्षा बंधन पर्व पर बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराया और तिलक लगाकर उनकी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने बहनों को रक्षा का वचन दिया। दिन भर बाजारों में खूब रौनक रही। मिठाई और राखियों की जमकर बिक्री हुई।

दिया रक्षा का वचन : भाई-बहन के पवित्र प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन नगर सहित समूचे जिले में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर नन्हें भाई बहनों में खासा उत्साह नजर आया। बच्चे नए कपड़े पहनकर अपनी बहनों से राखी बंधवाने का इंतजार करते रहे। बहनों ने परंपरागत तरीके से अपने भाइयों को बड़े ही स्नेह से चौका सजाया उस पर पीढ़ा रखा, जिस पर भाई को बिठाया गया। स्नेह और प्रेम के साथ पहले बहनों ने भाई के सिर पर रूमाल रखा, तिलक लगाकर राखी बांधी और फिर आरती उतारी। भाइयों ने भी उम्र भर उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

घर में बनी राखियां बांधी : कुछ लोगों ने अपने घर में ही अपने हाथों से राखियां बनाई। चीनी राखियों का बहिष्कार किया गया। जिसके चलते नगर के बच्चों ने अपने घरों में राखियां तैयार की। नगर के बहुत से बच्चों ने अपने घर पर राखी तैयार की और रक्षाबंधन के दिन अपने भाईयों को यहीं राखी बांधी।

बहनों ने मेहंदी से सजाए अपने हाथ : बहनों ने इस पर्व के लिए खास तैयारी कर रखी थी। भारतीय परंपरानुसार परिधान तो उन्होंने धारण किए ही। मेहंदी से भी अपने हाथों को सजाने में उन्होंने कोई कोर कसर नही छोडी। रात्रि से ही बहनों ने अपने हाथों में आकर्षक मेहंदी रचाना शुरू दी थीं। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी अपनी बहनों से राखी बंधवाने के लिए उत्साहित नजर आए। ऐसे भाई जिनकी बहनें अपने ससुरालों से भाई को राखी बांधने मायके नही आ सकी, वे देर शाम अपनी बहनों से राखी बंधवाने रवाना हो गए। रक्षाबंधन को लेकर बाजार में भी रौनक थी। लोग अपने घरों में ही अपने परिजनों के साथ त्यौहार का आनंद ले रहे थे। जिला मुख्यालय स्थित मंडला जेल में भी बहने अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंची। जहां बहनें अपने भाइयों को देख बहुत खुश हुई और उनके हाथों में राखी बांध अपने भाइयों को आशीर्वाद दिए।

निर्वाणा फाउंडेशन के दिव्यांग बच्चों ने प्राचार्य को बांधी राखी

महर्षि विद्या मंदिर में शिक्षकों और स्टाफ ने मनाया त्यौहार

जागरण, छतरपुर । शहर देरी रोड स्थित महर्षि विद्या मंदिर में शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व एक अनूठे और भावपूर्ण अंदाज में मनाया गया। निर्वाणा फाउंडेशन के दिव्यांग बच्चों ने स्कूल के प्राचार्य और स्टाफ को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, जिससे प्रेम, सम्मान और एकता का संदेश पूरे समुदाय में फैल गया।महर्षि विद्या मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में निर्वाणा फाउंडेशन के दिव्यांग बच्चों ने प्राचार्य देवांश भारद्वाज उपाध्याय को प्रेम और श्रद्धा के साथ राखी बांधी। इस अवसर पर स्कूल के ऑफिस स्टाफ प्रभात कुमार यादव (लेखाकार), चंद्रभान विश्वकर्मा, राकेश मिश्रा, राहुल कुशवाहा और अशोक कुमार पाठक ने भी बच्चों से राखी बंधवाई। शिक्षक वर्ग में श्रीमती इंदु सिंह, गणेश सिंह बिसेन, अभिषेक खरे, श्रीकांत तोलानी, कुलदीप खरे, अमित गुप्ता, इंद्रेश चतुर्वेदी, जितेंद्र कुमार विश्वकर्मा और राहुल खरे ने भी दिव्यांग बच्चों के स्नेह को स्वीकार करते हुए राखी बंधवाई। यह आयोजन भाई-बहन के रिश्ते के साथ-साथ सामाजिक समावेशन और अपनत्व का प्रतीक बना। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, स्नेह और एकता की भावना छाई रही, जिसने सभी के दिलों को छू लिया और रक्षाबंधन को और भी यादगार बना दिया।

पैर की टूटी हड्डी हाथ में लेकर एसपी के पास पहुंचा युवक

छतरपुर । जिले के गौरिहार थाना क्षेत्र में करीब 6 माह पूर्व ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए एक युवक को न केवल शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है, बल्कि पुलिस की निष्क्रियता ने भी उसका दुख बढ़ा दिया है। शुक्रवार को न्याय की आस में युवक अपने पैर की टूटी हड्डी हाथ में लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा, जहां उसने टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी। ग्राम कल्याणपुर निवासी रामकेश पाल ने बताया कि 12 फरवरी 2025 को ग्राम मुड़ेरी में बृजेन्द्र त्रिवेदी निवासी मढ़ा ने अपने से ट्रैक्टर उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में उनके पैर में गंभीर चोट आई और हड्डी टूट गई। रामकेश के मुताबिकक इलाज पर अब तक सात से आठ लाख रुपये खर्च हो चुके हैं और उपचार अभी भी जारी है। रामकेश ने लवकुशनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन पुलिस ने न तो ट्रैक्टर मालिक बृजेन्द्र त्रिवेदी के खिलाफ कोई कार्रवाई की और न ही वाहन को जब्त किया। रामकेश ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रकरण में बृजेन्द्र का नाम तक दर्ज नहीं किया है। न्याय की उम्मीद खो चुके रामकेश ने अपने पैर की टूटी हड्डी दिखवाते हुए पुलिस अधीक्षक से ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सरसेड़ और कैंथोकर पंचायतों के सरपंच-सचिव से होगी लाखों की वसूली

हरपालपुर । नौगांव जनपद की ग्राम पंचायत सरसेड़ और कैंथोकर में जल गंगा अभियान और मनरेगा योजना के तहत फर्जी बिलों के भुगतान का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए सरसेड़ के सरपंच और सचिव से 4,89,980 रुपये और कैंथोकर के सरपंच और सचिव से 1,32,618 रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों हुई उक्त मामलों की जांच में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आई थीं, जिसके बाद जिला प्रशासन ने वसूली का नोटिस जारी किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मई 2025 में ग्राम पंचायत सरसेड में जल गंगा अभियान के तहत खेत तालाबों के निर्माण में मशीनों से काम कराए जाने की शिकायत सामने आने के बाद कलेक्टर पार्थ जैसवाल और जिला पंचायत सीईओ तपस्या सिंह परिहार ने जांच कमेटी गठित की थी, जिसमें चंद्रकृपाल अहिरवार (प्रभारी खंड पंचायत अधिकारी) और सुजीत कुमार वर्मा (पंचायत समन्वय अधिकारी) शामिल थे। 30 जुलाई 2025 को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सरसेड़ में सामुदायिक और हितग्राही खेत तालाबों का स्थल निरीक्षण पानी के भराव और रास्ते की कमी के कारण नहीं हो सका। जांच में पाया गया कि सरपंच कल्लू प्रजापति और तत्कालीन सचिव उदय सिंह गौर ने सीसी रोड, सार्वजनिक कूप, नाली निर्माण, रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्यों में बालू, रेत, मुरम, गिट्टी और बोल्डर के फर्जी बिलों के जरिए 4,89,980 रुपये का भुगतान किया। यह भुगतान जय मां दुर्गा ट्रेडर्स, नौगांव को किया गया, जो केवल सीमेंट और सरिया का काम करता है, न कि अन्य सामग्री का। यह वित्तीय नियमों का उल्लंघन है।

मैया अभियान जारी-घाटों की सफाई की गई

जागरण, डिंडोरी। माँ नर्मदा को समर्पित पर्यावरण संरक्षण मैया अभियान अंतर्गत रविवार पुल समीप घाट में स्वच्छता सेवा की गई। विदित है कि प्रतिदिन सैकड़ो संख्या में श्रद्धालु पुल सपीप घाट में पूजा अर्चना एवं श्रद्धा की डुबकी लगाते हैं। बस स्टैंड पास होने के कारण प्रवासी मजदूर सर्वप्रथम यही डुबकी लगाते है यहाँ सार्वजनिक सौचालय न होने के कारण सबसे ज्यादा गन्दगी एवं प्रदूषण पुल समीप घाटों में होता है। मैया अभियान के स्वमं सेवको ने दोनों घाटों में झाड़ू लगाकर लगभग एक टैक्टर प्रदूषक निकाल कर हटाया एवं घाट को स्वच्छ किया। विदित होवे कि मैया अभियान लगभग 3 वर्षो से लगातार जारी है इसमें सरकारी कर्मचारी ,विद्यार्थी एवं नगर निवासी स्वेच्छा से प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे से श्रम दान करते हैं ।मैया अभियान के सभी सदस्यों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि नर्मदा घाटों में सौचालय एवं कचरा पेटी का निर्माण कराया जाय साथ ही गंदगी करने वालो पर जुर्माना लगया जाय। नगर वासियों ,कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील की है कि प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे स्वच्छ्ता सेवा में शामिल होकर माँ नर्मदा को निर्मल बनाए ।रविवार को डॉ संतोष परस्ते आयुष विभाग , वरिष्ठ शिक्षक शाहिद खान, नेहरू युवा केन्द्र आर पी कुशवाहा , शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित ,पशु चिकित्सा गणेश गवले , रक्त देवदूत भागवत यादव ,प्राचार्य राम विशाल मिथलेश , याथार्त यादव रीतेश नामदेव ने श्रम दान कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

स्वच्छता और राष्ट्र भक्ति संग, मुख्यमंत्री ने की अभियान की समीक्षा

जागरण, डिंडोरी । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 2 अगस्त से पूरे प्रदेश में संचालित हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घर-घर तिरंगा फहराने के साथ स्वच्छता गतिविधियों को जनभागीदारी से सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल राष्ट्रभक्ति को जागृत करेगा, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में डिंडोरी जिले से कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जिले में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी और अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी साझा किए।

किसानों को ई-कृषि यंत्र पोर्टल से है अनुदान की सुविधा

जागरण, रीवा। कृषि को उन्नत बनाने के लिए कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। खेती से जुड़े उपकरणों की खरीद पर किसानों को उनकी पात्रता के अनुसार ई-कृषि यंत्र पोर्टल के माध्यम से अनुदान की सुविधा दी जा रही है। ई-कृषि यंत्र पोर्टल पर पंजीयन कराने के बाद किसान ट्रैक्टर, पावर टिलर सहित सभी तरह के शक्ति चालित एवं स्वचलित कृषि यंत्रों पर अनुदान का लाभ ले सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से बिजली एवं डीजल से चलने वाले सिंचाई पंप, ड्रिप सिस्टम, स्प्रिंकलर, रेनगन तथा सिंचाई पाइपलाइन के लिए भी अनुदान की भी व्यवस्था है।

इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ई-कृषि यंत्र पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए किसान के यूआईडीएआई आधार पंजीयन में अधिकृत फिंगर प्रिंट स्केनर डिवाइस के माध्यम से पंजीयन की सुविधा दी गई है। आधार कार्ड और स्वयं की फोटो अपलोड करके भी किसान पंजीयन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। पंजीयन के साथ-साथ किसान को अनुदान का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रपत्र में घोषणा पत्र देना होगा। जिसमें इस बात का उल्लेख रहेगा कि गत वर्षों में निर्धारित अवधि में किसान को अनुदान का लाभ नहीं मिला है। पंजीयन होते ही किसान को कृषि सामग्री के लिए जिले और आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध अधिकृत विक्रेताओं की सूची पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएगी। किसान के पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से पंजीयन की जानकारी तथा विशेष कोड प्राप्त होगा। इस कोड के माध्यम से डीलर के यहाँ किसान का आवेदन पत्र खुलेगा। किसान पंजीयन का प्रिंट आउट और विक्रेताओं की सूची प्राप्त कर सकते हैं। इन अधिकृत विक्रेताओं में से किसान अपनी पसंद तथा कृषि उपकरण का मोलभाव करके विक्रेता का चुनाव कर सकते हैं।

धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह

जागरण, रीवा। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसानों को धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि सभी किसान अपने खेत की मिटटी की जाँच करा लें। इससे प्राप्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड में खेत की मिटटी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और कमी की जानकारी दर्ज रहती है। साथ ही उसमें फसल के अनुसार खाद के संतुलित उपयोग की भी मात्रा लिखी रहती है। उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। अधिक मात्रा में खाद का उपयोग किसान के लिए आर्थिक बोझ होने के साथ-साथ फसल और मिट्टी के लिए भी हानिकारक होता है। धान की सामान्य किस्म के लिए प्रति हेक्टेयर चार बैग चार किलो यूरिया और एक बैग 37 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में चार बैग 37 किलो यूरिया और पाँच बैग सिंगल सुपर फास्फेट अथवा चार बैग पाँच किलो यूरिया और दो बैग 25 किलो 12:32:16 खाद का उपयोग कर सकते हैं। इसके अन्य विकल्प के रूप में चार बैग तीन किलो यूरिया, तीन बैग सिंगल सुपर फास्फेट और दो बैग 16:16:16 खाद का उपयोग भी किया जा सकता है।

उप संचालक ने बताया कि शंकर अथवा हाइब्रिड धान के लिए 22 किलो यूरिया एवं दो बैग 9 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में पाँच बैग 36 किलो यूरिया एवं सात बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इसके तीसरे विकल्प के रूप में तीन बैग 33 किलो यूरिया तथा तीन बैग 38 किलो 12:32:16 खाद अथवा चार बैग 16 किलो यूरिया, तीन बैग 20:20:0:13 तथा तीन बैग 38 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग करें। इसके एक अन्य विकल्प के रूप में पाँच बैग 29 किलो यूरिया, तीन बैग 16:16:16 एवं तीन बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग कर सकते हैं। फसलों में खाद के संतुलित उपयोग से ही अच्छी फसल प्राप्त होगी।

सज्जनता कठोरता से अधिक, पानी चट्टान से अधिक और प्यार ताक़त से अधिक मज़बूत है।
हरमन हेस

दीपिका पादुकोण बनने के लिए हिम्मत चाहिए

> दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग की, जिसके कारण उन्हें एक फिल्म से बाहर होना पड़ा। दीपिका का यह कदम उनके करियर और परिवार के बीच संतुलन बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। फिल्म तो निकल गई लेकिन उन्हें इस बात के लिए हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान भी मिला।

● शोभा डे ●

नई माँ बनी दीपिका पादुकोण के जीवन में इस समय बहुत कुछ चल रहा है। यह देखकर अच्छा लगता है कि उन्होंने अपनी प्राथमिकताएँ तय कर ली हैं। हाल ही में, उन्होंने दो अलग-अलग कारणों से सुर्खियाँ बटोरीं- पहला, उन्होंने साहसपूर्वक आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग की - जिसने अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें संदीप रेड्डी वेंगा की बड़े बजट की फिल्म स्पिरिट से बाहर कर दिया। दूसरा, वह प्रतिष्ठित हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय महिला कलाकार बनीं। दोनों घोषणाएँ वायरल हो गईं। फिल्म निर्माण तो फिल्म निर्माण है, यह कोई कॉर्पोरेट नौकरी नहीं है जिसमें काम के घंटे तय हों। अभिनेता अक्सर प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार कई दिनों तक बिना रुके शूटिंग करते हैं। हालाँकि कई महिला कलाकारों ने पिछले कुछ वर्षों में अनुचित कार्य घंटों को लेकर चिंताएँ जताई हैं, लेकिन उनकी अनदेखी की गई। दुर्भाग्य से, आज भी इस पूरी तरह से जायज़ माँग को मानने वाले बहुत कम हैं। महिला अभिनेत्रियाँ, चाहे वे कितनी भी सफल क्यों न हों, निर्माता और निर्देशक उन्हें व्यर्थ ही समझते आए हैं।

भूमिका बनाम मातृत्व

दीपिका के स्पिरिट से बाहर होने का फिल्म की व्यावसायिक संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। तृप्ति डिमरी ने उनकी जगह आसानी से ले ली है। इस बीच, उनकी सफल फिल्मों में से एक, कॉकटेल के सीक्वल की घोषणा नए कलाकारों के साथ की गई है, और जैसा स्वभाविक ही था, दीपिका का नाम उसमें नहीं है। फिल्म निर्माण एक अनिश्चित और अनिश्चित जुआ है जो अस्थिर रहता है। दीपिका की स्टार पावर उन्हें उन कठोर वास्तविकताओं से बचाने में नाकाम रही है जो महिला अभिनेत्रियों को सबसे ज़्यादा आहत करती हैं। फिर भी, स्पिरिट का नुकसान उनकी बेटी दुआ के लिए फ़ायदा हो सकता है। मुझे खुशी है कि दीपिका ने इस विवादास्पद मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया, जिस पर अभिनेत्रियाँ शायद ही कभी बात करती हैं। भूमिकाएँ बनाम मातृत्व ? दीपिका के लिए, यह चुनाव बिल्कुल आसान था।

सम्मान का महंगा नामांकन

वॉक ऑफ़ फ़ेम सम्मान की बात करें तो, यह बिल्कुल अलग मामला है। नियम यही हैं कि दीपिका के पास डील पक्की करने और समारोह तय करने के लिए दो साल का समय होता है। अगर वह ऐसा नहीं कर पाती हैं, तो नामांकन दोबारा जमा करना होगा। 'स्टार' की कीमत अपने आप में काफी ज़्यादा है-लगभग 72 लाख रुपये-जिसमें निर्माण, स्थापना और रखरखाव शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि कोई भी किसी सेलिब्रिटी को नामांकित कर सकता है (प्रशंसकों को नामांकन दर्ज करने के लिए एक शुल्क देना होगा), और अंतिम चयन हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक पैनल द्वारा किया जाता है।

मनोरंजन उद्योग की असाधारण शक्ति

दीपिका के मामले में, चर्चा यह है कि उनके नाम का समर्थन उनके द्वारा समर्थित एक लक्ज़री ब्रांड ने किया था, और यह उनके फिल्मी करियर को नहीं दर्शाता, क्योंकि उन्होंने सिर्फ़ एक मामूली हॉलीवुड फ़िल्म (रिटर्न ऑफ़ ज़ेंडर केज) में काम किया है। उनकी हॉलीवुड प्रोफ़ाइल, प्रियंका चोपड़ा की तुलना में बहुत कम है, जो लॉस एंजिल्स में हॉलीवुड बिरादरी से जुड़ी हैं, जहाँ वह अपने परिवार के साथ रहती हैं। हालांकि दीपिका मनोरंजन उद्योग में एक असाधारण शक्ति हैं। अपने पति रणवीर सिंह के साथ, एक मज़बूत स्टार जोड़ी के रूप में जानी जाती हैं, जो दूसरों को आगे बढ़ने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उनका लिव लव लाफ फाउंडेशन मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी बातचीत के इर्द-गिर्द डिज़ाइन की गई पहलों के साथ जीवन में बदलाव ला रहा है।

दीपिका अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से जानती हैं।

एक सफल व्यवसायी होने के नाते, जो स्टार्टअप्स में निवेश करती है और जिसके पास सौंदर्य और हेल्थ उत्पादों की अपनी खुद की लाइन है, वो दीपिका अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से जानती हैं। मैं उनसे जितनी भी बार मिली हूँ, मुझे इस बात पर आश्चर्य हुआ है कि अपनी स्टार उपस्थिति की चकाचौंध भरी आभा के नीचे, वह कितनी विनम्र और ज़मीन से जुड़ी हुई हैं। अगर वह मनोरंजन जगत में महिलाओं के लिए समय सारिणी को फिर से लिखने में सफल होती हैं, तो अगली पीढ़ी की महिला कलाकार उन्हें इस अराजक उद्योग में एक नई कार्य नीति लाने के लिए आशीर्वाद देंगी, जहाँ सिर्फ़ अगली हिट ही मायने रखती है। पुरुष-प्रधान माहौल में शक्तिशाली स्टूडियो प्रमुखों द्वारा थोपी गई पेशेवर माँगों को पूरा करते हुए, बहुत सी महिलाओं ने प्रसिद्धि और सफलता की वेदी पर भारी कीमत चुकाई है। लेकिन, दीपिका के बिना कॉकटेल-2, जिन के बिना एक अतिरिक्त ड्राई मार्टिनी की तरह है।

शहर हमेशा तैयार रहें भयानक बाढ़ों के लिए

● पत्रलेखा चटर्जी ●

इस मानसून में भी भारतीय शहर लगभग पानी में डूबे हुए नजर आए। सड़कें नदियां बन गई हैं, तो घर दलदल.... और कहीं बाहर जाना, तो बड़े साहस का काम जैसा लगता है। शहरी बाढ़ अब वार्षिक कहानी बन गई है और जलवायु परिवर्तन ने इसकी तीव्रता को बढ़ा दिया है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के अग्रणी जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रॉक्सी कोल सीधे शब्दों में कहते हैं, 'जलवायु पूर्वानुमान भविष्य में होने वाले औसत परिवर्तन की एक सीमा के साथ आते हैं। यह इसकी भविष्यवाणी नहीं करता कि यह कब होगा, बल्कि यह बताता है कि भविष्य में चरम मौसमी घटनाओं की विशेषताएं क्या होंगी।' मतलब साफ है कि सिर्फ यह अनुमान लगाएं कि आपदाएं आएंगी। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के न्यूयॉर्क में आई बाढ़ की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कुछ भारतीयों ने तंज किया कि वैश्विक महाशक्तियां भी पानी में डूब जाती हैं, लेकिन न्यूयॉर्क की इस बदहाली का मजाक उड़ाने के बजाय हमें इससे गहरे सबक लेने की जरूरत है। अगर न्यूयॉर्क के हालात बदतर हुए, तो इसका कारण यह है कि वहां की पुरानी जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक बारिश के हिसाब से तैयार नहीं किया गया था। यही बात भारत के शहरी बुनियादी ढांचे पर भी लागू होती है। ज्यादातर आबादी अनियोजित ढंग से बने आवासों में निवास करती है, इसलिए वे ज्यादा असुरक्षित हैं। भारतीय शहर विकास के इंजन हैं। वे देश की जीडीपी में 63 फीसदी का योगदान देते हैं, जिसके वर्ष 2050 तक 75 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। उस समय तक मौजूदा शहरी आबादी का दोगुना यानी 95.1 करोड़ लोग शहरों में रहने लगेंगे। वे 70 फीसदी नई नौकरियां पैदा करेंगे व दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप ईकोसिस्टम की मेजबानी करने वाले नवाचार का केंद्र होंगे, लेकिन वे तीव्र जलवायु तनाव का भी सामना करेंगे।

> भारत के कुछ शहरों में सामान्य बारिश में ही आधी से ज्यादा यातायात व्यवस्था चरमराती हुई नजर आई। सड़कें नदियां बन गई, तो घर दलदल...। शहरी बाढ़ अब वार्षिक कहानी बन गई है और जलवायु परिवर्तन ने इसकी तीव्रता को बढ़ा दिया है। ऐसे हालात में तूफान आने पर क्या होगा, इसकी कल्पना ही डराती है।

हर साल चार अरब डॉलर का नुकसान

बरसाती बाढ़ में जब जल निकासी की व्यवस्था चरमरा जाती है। घटती हरियाली और शहरों के अनियंत्रित फैलाव के चलते भारी बारिश से जलभराव की समस्या पैदा होती है। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट, 'टुवाईस रिजिल्यंट एंड प्रॉस्परस सिटीज इन इंडिया', जिसे केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने तैयार किया है, स्पष्ट रूप से बताती है कि अभी शहरी बाढ़ की वजह से प्रतिवर्ष करीब चार अरब डॉलर का नुकसान होता है। 2070 तक यह नुकसान बढ़कर 14 से 30 अरब डॉलर पहुंच सकता है और करीब 4.6 करोड़ लोग मुसीबत में पड़ सकते हैं। और ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं। मुंबई में बाढ़ संभावित क्षेत्रों का किराया बीस से पच्चीस फीसदी कम है, जो गरीब परिवारों के जीवन को संकट में डालता है। कोलकाता में आधे से ज्यादा नागरिक सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं। एक तूफान सब कुछ तबाह कर सकता है।

मानसून में सुरक्षित रहें शहर

विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि 'शहरी बाढ़ शहर के सड़क नेटवर्क पर गहरा असर डालती है। यहां तक कि सिर्फ दस या बीस फीसदी सड़कें जलमग्न होने पर कुछ शहरों की आधी से ज्यादा यातायात व्यवस्था गड़बड़ा जाती है। अभी जो स्मार्ट सिटी अभियान और हीट एक्शन प्लान चल रहे हैं, उन्हें और समृद्ध करने की जरूरत है। अनौपचारिक बस्तियां-जहां 6.55 करोड़ लोग रहते हैं-की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये क्षेत्र अक्सर उच्चतम जोखिम वाले होते हैं। बुनियादी ढांचे को उन्नत करना सिर्फ समानता लाना नहीं है, बल्कि उस कार्यबल को सुरक्षित करना है, जो शहरी भारत को ताकत प्रदान करता है। आर्थिक दृष्टि से यह एक जीत है, शहरों को बाढ़ से बचाने से अरबों रुपये की बचत होती है और विकास का इंजन चलता रहता है। भारतीय शहर चौराहे पर खड़े हैं। ऐसे में काम पर जाना या अस्पताल पहुंचना मुश्किल होता है। कुछ शहर इन समस्याओं को पीछे धकेल रहे हैं। अहमदाबाद का हीट एक्शन प्लान पूर्व चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करता है। कोलकाता ने शहर स्तर पर बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली शुरू की है। इंदौर ने अपने कचरा प्रबंधन में सुधार कर नए रोजगार पैदा किए हैं। जलवायु परिवर्तन में ऐसे लचीले शहरों का निर्माण कर सकते हैं, जो बारिश में भी आगे बढ़ते रहें। हमें कैसा शहर चाहिए, यह हमें ही तय करना है, लेकिन हमारे पास समय कम है। भारत को ऐसे शहरों का निर्माण करने की जरूरत है, जो मानसून में फलते-फूलते भी रहें।

हल्के में न लें वायु प्रदूषण को इससे हो सकती है भूलने की बीमारी

●निर्भय सिंह ●

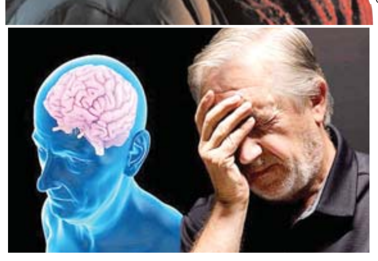

शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चलता है कि प्रत्येक एक माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर कालिख के चलते किसी व्यक्ति में भूलने के रोग का जोखिम 17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। यह कालिख वाहनों के धुएं और जलती हुई लकड़ी जैसे स्रोतों से आती है। वायु प्रदूषण में समय के साथ लगातार वृद्धि हो रही है। रोकने के समर्पित प्रयास विश्व स्तर पर नहीं हो रहे हैं। यह बताते चलें कि फिलहाल भूलने की इस बीमारी से दुनिया भर में लगभग 5 करोड़ 74 लाख लोग ग्रस्त हैं। अगर वायु प्रदूषण को युद्ध स्तर पर घटाया नहीं गया, तो मनोभ्रंश के रोगियों की दर्ज संख्या साल 2050 तक तीन गुना बढ़कर 15 करोड़ 28 लाख तक पहुंच जाएगी। यह बहुत दुखद सच्चाई है कि इस रोग का कोई पुख्ता इलाज मौजूद नहीं है। इस रोग की जो दवाएं उपलब्ध हैं, उनके कारगर होने पर स्वयं वैज्ञानिकों को संदेह है। नतीजा यह कि एक बार जब व्यक्ति इस रोग की चपेट में आता है, तो धीरे-धीरे याददाश्त छिनती चली जाती है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रथम लेखक डॉक्टर क्रिस्टियान ब्रेडेल आगाह करते हैं कि डिमेंशिया की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है।

ताजा अध्ययन इस तथ्य की तस्दीक करता है और पर्यावरण नियमन, सभी की इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। ताजा शोध ने बहुत स्पष्टता के साथ प्रकाश डाला है कि वायु प्रदूषण मस्तिष्क में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव का कारण बन सकता है। अर्थात हमें सबसे पहले वायु प्रदूषण का इलाज करना होगा।

> वायु प्रदूषण को अगर आप हल्के में ले रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। एक नए शोध में बताया गया है कि वायु प्रदूषण के नियमित संपर्क में रहने पर मनोभ्रंश का खतरा बढ़ जाता है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।

> श्री कृष्ण के कई स्थानीय रूप हैं। भारत के एक हिस्से के लोग दूसरे हिस्से के कृष्ण को तब तक नहीं पहचान सकते जब तक वे कुछ बारीकियों पर ध्यान न दें। राजस्थान से जगन्नाथपुरी आने वाले लोग कृष्ण से परिचित हो सकते हैं। लेकिन उन्हें जगन्नाथ की छवि और उनका नाम, नाथद्वारा में श्रीनाथजी की पूजा वाली छवि से बहुत अलग लग सकता है।

श्रीनाथजी से जगन्नाथ तक.. कृष्ण के बदलते अवतार

● देवदत्त पटनायक ●

पांच सौ साल पहले, जब उत्तर भारत में मुगलों का शासन था, तब पूरे भारत में भक्ति काव्य का विस्फोट हुआ था। उत्तर से दक्षिण तक, लोगों ने भावनात्मक रूप से ओतप्रोत भाषा का प्रयोग करके ईश्वर के विभिन्न रूपों के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त की। ईश्वर के इन रूपों में से एक कृष्ण का रूप था। कृष्ण को समर्पित गीत स्थानीय भाषाओं में रचे जाते हैं। ये गीत उन विशिष्ट मंदिरों से जुड़े हैं जहाँ कृष्ण को विभिन्न नामों से जाना जाता है। यही इन गीतों को विशिष्ट बनाता है। इसलिए, हालाँकि हम कृष्ण भक्ति को एक अखिल भारतीय घटना के रूप में देखते हैं, वास्तविकता यह है कि उनके कई स्थानीय रूप हैं। भारत के एक हिस्से के लोग दूसरे हिस्से के कृष्ण को तब तक नहीं पहचान सकते जब तक वे कुछ बारीकियों पर ध्यान न दें।

उदाहरण के लिए, राजस्थान में, कृष्ण को 'श्रीनाथजी' कहा जाता है। उन्हें अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण किए हुए दिखाया जाता है, उनकी आँखें नाव के आकार की हैं। लेकिन ओडिशा में, कृष्ण को जगन्नाथ कहा जाता है। कृष्ण की मूर्ति एक अधूरी लकड़ी की मूर्ति है, जिसे लगभग हर 12 साल में बदल दिया जाता है। इसकी विशिष्ट गोल आँखें हैं। श्रीनाथजी की अकेले पूजा की जाती है। जगन्नाथ की पूजा उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ की जाती है। राजस्थान से जगन्नाथपुरी आने वाले लोग कृष्ण से परिचित हो सकते हैं। लेकिन उन्हें जगन्नाथ की छवि और उनका नाम नाथद्वारा में श्रीनाथजी की पूजा वाली छवि से बहुत अलग लग सकता है।

विष्णु से प्रेरित हैं द्वारकाधीश की छवि

गुजरात में, कृष्ण को द्वारकाधीश या द्वारका के स्वामी के रूप में जाना जाता है। लेकिन यहाँ की छवि उन्हें चतुर्भुज या चतुर्भुज के साथ दर्शाती है, जो विष्णु से ज़्यादा और कृष्ण से कम मिलता जुलता है। द्वारकाधीश की छवियाँ द्वारका के साथ-साथ डाकोर में भी पाई जाती हैं। बंगाल में, बाउल परंपराओं में कृष्ण को केष्टो कहा जाता है। चैतन्य महाप्रभु ने मुरलीधर या राधा के साथ लिपटे कृष्ण को बांसुरी पकड़े हुए अपनी छवि को लोकप्रिय बनाया। यह छवि गौड़ीय वैष्णव परंपरा में पाई जाती है। असम की शंकरदेव परंपराओं में, असम के सत्रों में, कृष्ण को माधव के रूप में लोकप्रिय रूप से जाना जाता है, जो उन्हें मधु या शहद से जोड़ता है। हालाँकि, नामघर में, जहाँ उनके नाम का जाप किया जाता है और कहानियाँ सुनाई जाती हैं, कृष्ण की कोई मूर्ति नहीं है। यदि आप पुराने तमिल साहित्य को पढ़ें, तो हमें मयोन नामक एक ग्वाले देवता का उल्लेख मिलता है। मयोन ग्वालिनों से घिरा रहता है और उसका एक प्रिय नाम नप्पिन्नई है। हमें आश्चर्य होता है कि वह कौन है। ध्यान से देखने पर पता चलता है कि वह हिंदी साहित्य का कान्हा है, और नप्पिन्नई राधा है। यह एक ही देवता है, जिसे उत्तरी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्रों में बहुत अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। कर्नाटक में, कृष्ण की पूजा चेन्नाकेशव या छोटे कृष्ण के रूप में की जाती है। उनकी छवि में उन्हें एक हाथ में मथनी लिए हुए दिखाया गया है। केरल में, उन्हें गुरुवायुर के रूप में देखा जाता है। गुरुवायुर का अर्थ है वह देवता जिसकी पूजा बृहस्पति और वायु, बृहस्पति ग्रह और वायु-देवता द्वारा की जाती थी। ऐसा कहा जाता है कि इस मूर्ति की पूजा कभी देवकी ने की थी और बहुत समय पहले इसे केरल के राजाओं को सौंप दिया गया था।

कहीं विट्ठल तो कहीं रुकमणि

महाराष्ट्र में कृष्ण की पूजा विठ्ठल के रूप में की जाती है, जबकि पंढरपुर में रखुमणी या रुखमणी के रूप में। यहाँ कृष्ण एक ईंट पर शस्त्र धारण किए खड़े हैं। विठोबा शब्द मराठी के प्राचीन रूप में विष्णु या विठु से जुड़ा है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में, देवता चार भुजाओं वाले विष्णु जैसे दिखते हैं, लेकिन उन्हें गोविंदा या गोपाल, यानी चरवाहे के रूप में संबोधित किया जाता है। चेन्नई में एक दुर्लभ मंदिर है जहाँ उन्हें पार्थसारथी या अर्जुन का सारथी कहा जाता है। यह मूर्ति विशाल है और इसमें मूंछें हैं, जो एक अनोखी विशेषता है जो भारत के अन्य भागों में नहीं पाई जाती। उनके हाथ में बांसुरी नहीं, बल्कि शंख है। सिखों के गुरु ग्रंथ साहिब में, कृष्ण के नामों, हरि और मधुसूदन, का बार-बार उल्लेख मिलता है। इस प्रकार, हम भारत के विभिन्न भागों में कृष्ण की अलग-अलग कल्पना पाते हैं। इस प्रकार एकता और विविधता की अवधारणा को एक पौराणिक अभिव्यक्ति मिलती है। कृष्ण के विविध क्षेत्रीय रूप, विष्णु के आठवें अवतार, कृष्ण की पौराणिक अवधारणा से एकजुट हैं।

संक्षिप्त खबरें

नवोदय में प्रवेश लेने अब बीस तक जमा होंगे फार्म

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। पीएमश्री जवाहर नवोदय स्कूल रातीबड़ में 11वीं में सीटें रिक्त हैं। प्रबंधन को पर्याप्त आवेदन नहीं मिल रहे हैं, जिसके चलते दूसरी बार अंतिम तिथि में बढ़ोतरी की गई है। पूर्व में एक से दस अगस्त तक अंतिम तिथि को बढ़ाया गया था अब इसे बीस अगस्त कर दिया गया है। योग्य उम्मीदवार स्कूल की ईमेल आईडी पर या आफलाइन फार्म जमा कर सकते हैं। विद्यार्थी का 2024-25 सत्र में कक्षा दसवीं सीबीएसई या किसी राज्य शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूल से उत्तीर्ण होना जरूरी है। विद्यार्थी की जन्म तिथि 01.06.2008 से 31.07.2010 के बीच (दोनों तिथियां सम्मिलित) होनी चाहिए। इसमें सिर्फ वही विद्यार्थी आवेदन के पात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 10 में 60 फीसदी या उससे अधिक (प्रथम श्रेणी) प्राप्त की हो।

सामूहिक नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम 13 अगस्त को

जागरण, भोपाल। केन्द्र सरकार के निर्देश पर नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय नशामुक्ति समिति की बैठक विगत दिवस आयोजित की गई। बैठक में तय किया गया कि 13 अगस्त को सामूहिक नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम पूरे प्रदेश में आयोजित किए जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण प्रमुख सचिव, सोनाली पोंक्षे वायंगणकर की अध्यक्षता में हुई बैठक में नशे से बचाव के लिए जनजागरूकता की दिशा में राज्य शासन के विभिन्न विभागों, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक संगठनों एवं नशामुक्ति क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा अपने विचार एवं सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की अपील गई।

राज्यपाल को राखी बांधकर राजभवन में मना रक्षाबंधन

भोपाल । राजभवन में भी शनिवार को रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। राच्यपाल मंगूभाई पटेल को भोपाल में दिव्यांग बालिकाओं और ब्रह्माकुमारी विवि की बहनों ने राखी बांधी। इसके अलावा कई स्कूली छात्राएं भी राज्यपाल को राखी बांधने के लिए राजभवन पहुंचीं। राज्यपाल ने राखी बंधवाने के बाद बच्चों को मिठाई खिलाई और उपहार स्वरूप सम्मान राशि भेंट की। कार्यक्रम में एसओएस बालग्राम, नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड भोपाल, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि भोपाल के प्रतिनिधियों के साथ राजभवन का स्टाफ और उनके परिजन भी मौजूद रहे।

विंटर शेड्यूल के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो ने ली अनुमति

इंदौर एयरपोर्ट से 7 शहरों के लिए शुरू होगी सीधी उड़ान

जागरण, इंदौर। देवी अहिल्या बाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक साथ छह शहरों के लिए नई सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है। दरअसल यह फ्लाइट 26 अक्टूबर यानी विंटर शेड्यूल से शुरू होने जा रही हैं। इस फ्लाइट की सबसे खास बात यह है कि पहली बार इस विंटर शेड्यूल में इंदौर से नवी मुंबई और रीवा के लिए सीधी फ्लाइट मिलेगी। साथ ही गोंदिया, नासिक, जोधपुर, जम्मू और उदयपुर के लिए भी उड़ान शुरू हो रही हैं। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक इंदौर से गोंदिया की उड़ान के लिए स्टार एयर ने अनुमति ली है। बता दें कि स्टार एयर काफी समय पहले इंदौर से फ्लाइट का संचालन करती थी, लेकिन बीच में सेवाएं बंद कर इंदौर से यह चली गई थी, जो अब वापस आ रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार नवी मुंबई के नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए इंदौर से फ्लाइट का संचालन शुरू करने के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ इंडिगो ने भी अनुमति ली है। नवी मुंबई के नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम लगभग पूरा हो गया है। जरूरी अनुमतियों के बाद जल्द यहां से संचालन शुरू होगा। इसके अलावा अलायंस एयर रीवा के लिए उड़ानों का संचालन करेगी।

26 अक्टूबर से शुरू होगा विंटर शेड्यूल

देशभर के एयरपोर्ट पर 26 अक्टूबर से 28 मार्च तक के लिए विंटर शेड्यूल लागू होगा। इसके लिए एयरलाइंस पहले से ही डीजीसीए डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के साथ उन दोनों एयरपोर्ट से अनुमति ले लेती है जहां से उड़ान शुरू करनी है। इसके बाद अपनी सुविधा अनुसार उड़ानें शुरू होती हैं। इसे प्रस्तावित शेड्यूल कहते हैं। कई बार बीच सत्र में भी उड़ानें शुरू होती हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि हमने सभी प्रस्तावों को अनुमति दी है।

कई शहरों से इंदौर का होगा सीधा कनेक्शन

ट्रेवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया ने बताया कि अक्टूबर से ही नए सीजन की शुरुआत होती है। लोग घूमने की प्लानिंग करते हैं। नई फ्लाइट शुरू होने के बाद पुणे, मुंबई, नवी मुंबई, जयपुर, रायपुर, जबलपुर, बेंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली, अहमदाबाद, गोवा, चंडीगढ़, जम्मू, चेन्नई, जोधपुर, गाजियाबाद, नासिक, उदयपुर, गोंदिया, भुवनेश्वर, जयपुर, लखनऊ, रीवा, नागपुर, कोलकाता व शारजाह की उड़ान चलेगी।

इंदौर से फिलहाल 84 उड़ानें संचालित

आपको बता दें कि इंदौर से फिलहाल 84 उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। इंदौर से सबसे ज्यादा उड़ानें दिल्ली, मुंबई, बेंगलरु शहर के लिए है। अक्टूबर में इंदौर से गोवा के लिए भी नई उड़ान शुरू होगी। फिलहाल इंदौर से सिर्फ एक ही अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित होती है।

दूरबीन पद्धति से होंगे गर्भाशय और बच्चेदानी के ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। हमीदिया अस्पताल में महिलाओं की जटिल सर्जरी अब दूरबीन पद्धति से की जाएगी। इसके लिए नेशनल हेल्थ मिशन मप्र ने एक लेप्रोस्कोपिक मशीन अस्पताल को उपलब्ध करा दी है। इस मशीन से गर्भाशय और बच्चेदानी का आपरेशन बिना चीर फाड़ के हो सकेगा। हमीदिया अस्पताल से मिली जानकारी अनुसार यह सुविधा एनएचएम ने उपलब्ध कराई है।

खास बात यह है कि जहां निजी अस्पतालों में मरीजों को इस तरह की सर्जरी पर 40 से 60 हजार रुपए या उससे ज्यादा खर्च करना पड़ता है, वहीं हमीदिया में यह इलाज पूरी तरह मुफ्त होगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नई हाईटेक मशीन से ऑपरेशन पहले से ज्यादा सुरक्षित, सटीक और तेज होंगे। मशीन में हार्मोनिक स्केल पेल, टेलिस्कोप, अल्ट्रा-क्लियर कैमरा, हाई-रेजोल्यूशन मॉनिटर, लाइट सोर्स और माइक्रो हैंड इंस्ट्रूमेंट्स जैसे मॉडर्न उपकरण लगे हैं। ऑपरेशन के दौरान पेट या गर्भाशय के पास मात्र एक छोटा-सा कट लगाया जाता है, जिसमें कैमरे वाली पतली ट्यूब डाली जाती है। डॉक्टर इस कैमरे से शरीर के अंदरूनी हिस्सों को स्क्रीन पर साफ-साफ देख पाते हैं। लेप्रोस्कोपिक तकनीक से खून बहुत कम बहता है, संक्रमण का खतरा घट जाता है और मरीज की रिकवरी तेज होती है। पहले जहां मरीज को हफ्तों अस्पताल में रहना पड़ता था, अब ज्यादातर महिलाएं 2-3 दिन में डिस्चार्ज हो सकती हैं। पारंपरिक ओपन सर्जरी में 6 से 8 इंच का कट लगता है। वहीं, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी 0.5 से 1 सेमी से पूरी सर्जरी होती है। पारंपरिक सर्जरी में अधिक दर्द और खून ज्यादा बहता है। लेप्रोस्कोपी तकनीक खासकर उन मरीजों के लिए वरदान है, जो दिल, डायबिटीज या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। क्योंकि इसमें शरीर पर कम असर पड़ता है।

यह आपरेशन होंगे दूरबीन से

- हिस्ट्रैक्टोमीः बच्चेदानी निकालने की सर्जरी
- गर्भाशय से ट्यूमर या फाइब्रायड हटाना
- पेल्विक इन्फेक्शन का इलाज
- बांझपन से जुड़े जटिल ऑपरेशन
- मरीज को खतरा कम, रिकवरी भी जल्दी

प्रदेश में युवा कांग्रेस के सदस्यता अभियान में जुड़े 15 लाख सदस्य

जागरण, भोपाल। युवा कांग्रेस द्वारा हाल ही में संपन्न सदस्यता अभियान में प्रदेश में लगभग 15 लाख नए सदस्य जोड़े गए हैं। इनमें उज्जैन में 74 हजार, भोपाल में 64 हजार, सतना में 58 हजार, रीवा और धार में 55 हजार नए सदस्य बनाए गए हैं। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के जिलेवार आंकड़ों मुताबिक छिंदवाड़ा से 3,287 युवाओं ने यूथ कांग्रेस जॉइन की है। ऑनलाइन प्रक्रिया से हुए इस सदस्यता अभियान के के लिए 50 रुपए की फीस तय की गई थी। इसके अलावा युवा कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया के तहत प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष, महासचिव, जिला अध्यक्ष, महासचिव, विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारी के लिए वोटिंग हो चुकी है। स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदेश और जिला स्तर की कार्यकारिणी के परिणाम जारी किए जाएंगे। प्रदेश के युवा कांग्रेस अध्यक्ष का चयन इंटरव्यू के जरिए होगा। प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी के अनुसार सितंबर माह तक मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति कर दी जाएगी।

बाइकों में भिड़ंत, दो बच्चों समेत जीजा-साले की मौत

जागरण, मंडला। शहर में रक्षाबंधन के दिन दर्दनाक हादसा हो गया। जहां दो बाइक की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। दरअसल यह हादसा महाराजपुर थाना क्षेत्र में हुआ। जानकारी के मुताबिक, जरगी गांव के पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए। मृतकों में दो बच्चे और जीजा साले शामिल है। रक्षाबंधन पर हुए हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। त्यौहार की खुशियां मातम में तब्दील हो गई। वहीं सड़क हादसा देख राहगीर मौके पर पहुंचे। पुलिस को तत्काल सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही महाराजपुर थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को मंडला जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक सिवनी जिले के किन्दरई थाना क्षेत्र के ग्राम रजरवाड़ा के रहने वाले बताए जा रहा है।

आईएएस अधिकारियों की पीएआर के लिए संशोधित टाइम टेबल जारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग (डीओपीटी) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों की सालाना एप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) के लिए संशोधित समय-सारणी जारी की है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) से मिली जानकारी के अनुसार अधिकारी द्वारा स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट के बाद रिपोर्टिंग अधिकारी अब 31 अगस्त की जगह 15 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट देंगे। समीक्षा करने वाले अधिकारी अब 31 अक्टूबर की जगह 15 नवंबर तक अपनी टिप्पणी पीएआर रिपोर्ट पर देंगे और स्वीकारकर्ता अधिकारी पहले की तरह 31 दिसंबर तक अपना निर्णय देंगे। जीएडी ने राच्य के सभी आईएएस अधिकारियों को इन नई समय-सीमाओं के अनुसार प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

कमलनाथ ने किया ट्वीट, चुनाव आयोग फैक्ट चेक के नाम पर फैला रहा है भ्रम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ट्वीट के जरिए चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में एक लाख से अधिक फर्जी मतदाताओं के संबंध में दिए गए राहुल गांधी के बयान पर चुनाव आयोग का फैक्ट चेक का दावा भ्रामक है। कमलनाथ ने अपने ट्वीट में बताया कि 2018 में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में फर्जी मतदाताओं की शिकायत की थी तब आयोग ने खुद कार्रवाई करते हुए मतदाता सूची से 24 लाख नाम हटाए थे। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर इस बात को स्वीकार किया था।

2018 में आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दिया था हलफनामा

कमलनाथ ने अपने ट्वीट में उन मुद्दों का जिक्र किया जो उन्होंने 2018 में चुनाव आयोग के सामने उठाए थे। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में इन विसंगतियों को स्वीकार करते हुए नाम हटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब वह अपने हलफनामे से पीछे हट रहा है। उन्होंने दावा किया कि आयोग ने एमपी में 2018 में 9664 इंट्रा-एसी रिपीट एंट्री, 8278 इंटर-एसी रिपीट एंट्री और 2,37,234 संदिग्ध तस्वीरें होने की बात स्वीकार करते हुए 24 लाख संदिग्ध मतदाताओं को हटाने का दावा किया था। हालांकि आयोग ने गोपनीयता का हवाला देते हुए वोटर लिस्ट की मशीन-रीडेबल पीडीएफ देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में आयोग के खिलाफ नाथ ने ये जानकारी पेश की थी।

- **एक ही व्यक्ति का नाम कई जगह:** एक ही व्यक्ति का नाम अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों और मतदान केंद्रों में दर्ज था।
- **एक ही फोटो पर अलग-अलग नाम:** एक ही फोटो का इस्तेमाल कर अलग-अलग व्यक्तियों के नाम दर्ज किए गए थे।
- **फर्जी नाम:** मतदाता सूची में ऐसे कई नाम थे, जिनका कोई अस्तित्व नहीं था। इनकी जांच होनी चाहिए।
- **मृत या स्थानांतरित मतदाता:** सूची में ऐसे लोगों के नाम भी शामिल थे, जिनकी मृत्यु हो चुकी थी या जो दूसरी जगह चले गए थे।

अटैचमेंट खत्म होने के बाद भी 15 हजार से अधिक टीचर दफ्तरों में तैनात, पढ़ाई प्रभावित

स्कूलों में मैथ्स, साइंस और कॉमर्स के शिक्षक ही नहीं

एजुकेशन रिपोर्टर , भोपाल। राजधानी के कई स्कूलों में मैथ्स, साइंस और कॉमर्स जैसे विषयों की पढ़ाई काफी प्रभावित हुई हुई है। इसकी अहम वजह इन विषयों के शिक्षकों का पढ़ाई के बजाय बाबूगिरी में लगा होना है। डीपीआई के निर्देश पर भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने जिले के सभी अटैचमेंट समाप्त करने के आदेश जारी किए हैं। इसके बावजूद विभाग में करीब 15 हजार शिक्षक अटैच की लिस्ट में शामिल हैं। यहां तर्कक‍ि नव साक्षरता के नाम पर ही प्रदेश में पांच हजार से अधिक शिक्षक अटैच हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल में अटैच शिक्षक

- -शरद गुप्ता हासे स्कूल नायसंमद
- -चंद्रेश सिंह चौहान, तारा सेवनिया
- -सुधीर पाठक, सोहाया स्कूल
- -प्रफुल्ल राउत, हमीदिया क्रमांक 1 स्कूल
- -विकास मिश्रा, जहांगीराबाद स्कूल
- -पीयूष भटनागर, तुलसीनगर स्कूल
- -अजय गवली, कोटरा स्कूल
- -मनीष मानकर, कालापानी स्कूल
- -तेज सिंह नेवरगड़े परवलिया स्कूल
- -ब्रजकिशोर शुक्ला, पिपलानी स्कूल
- -विनोद शर्मा, फंदा स्कूल
- -नितेश नागर, सदगुरु कबीर स्कूल
- -आरिफ मोहम्मद, सीएम राइज स्कूल बरखेड़ी
- -सुशील भार्गव, बालक स्टेशन स्कूल
- -निजाम खान, काजीकैम्प स्कूल
- -निशात खान, मुगालिया स्कूल

जेडी ऑफिस में अटैच

- -सुधीर कलसे, पलासी स्कूल
- -हरनाथ मेहर, गुनगा स्कूल

जिला शिक्षा केंद्र अंतर्गत अटैच

- -सुनीता ठाकुर, ईंटखेड़ी स्कूल
- -शाकिब, मो. ललरिया स्कूल

निर्वाचन कार्यालय (एसडीएम) में अटैच

- -अनिल जैन, बालक स्टेशन स्कूल
- -मो. आसिफ, मुगालिया स्कूल
- -मनीष यादव, परवलिया स्कूल
- -मनोज शर्मा, ईंटखेड़ी स्कूल

सिर्फ पत्र जारी हुए, कार्रवाई नहीं

आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता ने नवंबर में कलेक्टरों को निर्देश दिए थे कि विभिन्न कार्यालयों में अटैच शिक्षकों को तत्काल मूल पदस्थापना पर भेजा जाए। उन्होंने कलेक्टरों को 25 जून 2013 और 8 नवंबर 2017 के सामान्य प्रशासन विभाग, 30 मई 2017 और 20 सितंबर 2019 के स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशों का हवाला देते हुए पत्र जारी किए थे। आदेशों में आरटीई और न्यायालयीन प्रकरण में पारित निर्णयों के हवाले से कहा गया है कि शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जा सकता है।

यहां हो रही पढ़ाई प्रभावित

करोंद के हायर सेकंडरी स्कूल पलासी में एक माध्यमिक शिक्षक के जिम्मे 6वीं से 8वीं तक के विषयों की पढ़ाई के साथ 9वीं से 12वीं तक गणित की पढ़ाई की जिम्मेदारी है। तारा सेवनिया के हायर सेकंडरी स्कूल में 450 छात्र हैं, लेकिन यहां कामर्स पढ़ाने वाले टीचर चंद्रेश सिंह चौहान यहां पदस्थ तो हैं लेकिन वे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अटैच हैं। ईंटखेड़ी स्कूल की हिंदी की शिक्षक सुनीता ठाकुर बीआरसी कार्यालय फंदा में अटैच हैं।

> सभी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों को शिक्षकों के अटैचमेंट समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। शीघ्र ही समीक्षा कर सभी शिक्षकों को मूल पदस्थापना वाले स्कूलों में भेजा जाएगा।
>
> ■ **राव उदय प्रताप सिंह,** स्कूल शिक्षा मंत्री

खजराना गणेश को बांधी 196 वर्गफीट की राखी

जागरण, इंदौर। रक्षाबंधन पर्व पर शनिवार को 196 वर्गफीट की विशाल राखी बांधी गई। पंडितों ने राखी बांधते समय वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया। खास बात यह कि यह राखी अलग-अलग शहरों से लाए गए फूलों से इंदौर और कोलकाता के कारीगरों ने रातभर में तैयार की गई है, जिसमें पांच दिन तक ताजगी रहेगी। यह राखी भगवान खजराना गणेश को जनता के सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य और देश के वीर सैनिकों की रक्षा की मनोकामना के साथ बांधी गई। दरअसल यह राखी श्री विघ्नहर्ता गणेश भक्त समिति ने बनाई है। समिति के संस्थापक राजेश बिड़कर और राहुल शर्मा ने बताया कि यह लगातार नौवां वर्ष है जब श्री गणेश को विशाल राखी अर्पित की गई। राखी अर्पित करने की शुरूआत आठ साल पहले की गई थी, तब 6 गुना 6 (36 वर्ग फीट) की राखी बनाई गई थी। उन्होंने कहा है कि जब खजराना गणेश की स्थापना हुई तो उनका स्वरूप काफी छोटा था। फिर धीरे-धीरे बढ़ता गया। इसी तरह हर साल राखी का साइज भी बढ़ाया गया।

बेंगलुरु, दिल्ली, पुणे से मंगाए फूलः समिति हर बार अलग थीम लेकर चलती है। पिछले साल पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर राखी बनाई थी। इस बार ऑपरेशन सिंदूर को ध्यान में रखकर राखी का निर्माण किया गया है। राखी ऑरिजनल फूलों से बनाई गई। इसके लिए बेंगलुरु, दिल्ली, पुणे आदि शहरों से फूल मंगवाए गए। ये फूल ऐसी विशेष प्रजातियों के हैं कि 10 दिनों तक इनका लुक और ताजगी एक जैसी रहेगी।

गमगीन रक्षाबंधनः जवान मोहित का शव पहुंचा गांव

बहनों ने मणिपुर में शहीद भाई की कलाई पर बांधी राखी

जागरण, अकोदिया। मणिपुर में ड्यूटी के दौरान वाहन दुर्घटना में शहीद सीआरपीएफ जवान मोहित सेन (22) का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। रक्षाबंधन के दिन शहीद का शव शाजापुर जिले के अकोदिया पहुंचा, जहां पूरा नगर शहीद को नमन करने उमड़ पड़ा। वहीं अपने शहीद भाई के लिए बिलखती बहनों ने उसके शव को ही राखी बांधकर अपना स्नेहपूर्ण श्रद्धांजलि दी। शाजापुर के अकोदिया निवासी मोहिद बीते दो सालों से मणिपुर में तैनात था। तीन दिन पहले ड्यूटी के दौरान एक वाहन दुर्घटना में वह शहीद हो गया था। शनिवार सुबह शहीद का पार्थिव देह भोपाल विमानतल पहुंचा, यहां से वाहन द्वारा पूरे सम्मान के साथ पार्थिव देह अकोदिया के ग्राम रानी बड़ौद लाई गई। शहीद भाई को देखते ही उसकी तीनों बहनें बिलख उठीं। तिरंगे में लिपटे भाई की कलाई पर उन्होंने राखी बांधी। मोहित के शहीद होने की सूचना 6 अगस्त को ही परिवारजनों को दी गई थी। शहीद मोहित को उनके गृह ग्राम रानी बड़ोद के मुक्ति धाम पर 120 बटालियन के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ शहीद को सलामी दी।

मासूम ने निगला एलईडी बल्ब, गले में फंसा

जागरण, खंडवा। शहर में एक साल के मासूम को परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों ने डॉक्टर को बताया कि उनका बेटा उल्टियां कर रहा है और हम उसे कुछ खिला नहीं पा रहे, वह बहुत रो रहा है। इसके बाद जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने बच्चे का चेकअप किया और एक्सरे करवाने के बाद पता चला कि बच्चे के गले में कोई एलिमेंट फंसा हुआ है। जांच रिपोर्ट देखने के बाद डॉक्टरों की टीम ने कड़ी मशक्कत कर बच्चे के गले से एक एलईडी बल्ब का टुकड़ा निकाला, जो गले में फंसा हुआ था। बच्चे का उपचार करने वाले रेजिडेंट डॉक्टर महबूब खान ने बताया कि बच्चे के परिजन घबराहट में उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे।

रक्षा बंधन पर बहनों को उपहार के साथ दिए पौधे, रक्षा का दिलाया संकल्प

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । सेवा संकल्प युवा संगठन द्वारा शनिवार को रक्षाबंधन पर्व पर बहनों को उपहार के साथ बेलपत्र, पीपल, मीठा नीम, जूही, जैसे विभन्न प्रकार के पौधे दिए। कोरोना काल में हमें इन पौधों की उपयोगिता का सभी को पता चला। इसलिये संगठन के सदस्यों ने भी बहनों को उपहार में इम्यूनिटी बढ़ाने वाले पौधे दिए, ताकि बहनों का पर्यावरण के प्रति एक लगाव बना रहे। बहन भाई प्रेम का प्रतीक पौधा पेड़ के रूप में मिले। संस्था के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि संगठन के द्वारा सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न कार्य किया जा रहे हैं। इसी तारतम्य में शनिवार को पर्यावरण का संदेश देने हेतु 38 बहनों को उपहार के साथ पौधों का उपहार दिया गया। मालवीय ने बताया कि बहनों ने पौधे रोपण के साथ साथ इनकी रक्षा का संकल्प लिया। सभी ने अगले वर्ष से इन पौधों को भी रक्षा सूत्र और उनकी देख भाल करने का संकल्प लिया।

इंतजार: चयनित उम्मीदवारों ने जॉइन करने से किया इनकार

भर्ती के बाद भी खाली रह गए एसएएफ के 1000 पद

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस की स्पेशल आर्म्ड फोर्स (एसएएफ) के एक हजार पद भर्ती के बाद भी खाली रह गए। हाल ही में हुई पुलिस चयन भर्ती परीक्षा के जरिए कुल 6423 उम्मीदवारों का चयन हुआ था। इनमें 5090 पुरुष और 1333 महिलाएं थीं। इनमें से लगभग 2600 पद एसएएफ के लिए थे और शेष जिला पुलिस बल और जीआरपी के लिए थे। लेकिन केवल 1610 उम्मीदवारों ने ही एसएएफ के आरक्षक पद पर जॉइन किया। शेष 1000 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों ने ट्रेनिंग के लिए एसएएफ की बटालियनों में आमद नहीं दी। प्रदेश पुलिस के लिए कुल 1 लाख 26 हजार पद स्वीकृत हैं, जिनमें एसएएफ के 23000 पद शामिल हैं। एसएएफ को उम्मीद थी कि उसके सभी 2600 पद इस भर्ती के दौरान भर जाएंगे, लेकिन भर्ती के बावजूद इनमें से एक हजार पद इस बार भी रिक्त रह गए हैं।

अब वेटिंग लिस्ट से भर्ती का इंतजार

एसएएफ की आईजी इरशाद वली के अनुसार लगभग 1000 उम्मीदवारों ने अलग-अलग कारण बताते हुए जॉइन नहीं किया है। उनके अनुसार इनमें से कुछ उम्मीदवारों का चयन राज्य या देश की अन्य सेवाओं में हो गया है, जबकि कुछ का चयन अन्य पदों पर हुआ है। इनमें से अधिकांश ने एसएएफ की नौकरी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बताया कि अब बची हुई रिक्तियों को भरने के लिए प्रतीक्षा सूची के खुलने का इंतजार है। इसके बारे में चयन एवं भर्ती शाखा को फैसला लेना है।

पुलिस और एसएएफ के अंतर के कारण आना नहीं चाहते युवा

अधिकारियों के अनुसार, जिला बल और विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के बीच बड़ा अंतर है। जिला बल के कर्मचारियों को जहाँ अपने परिवार के साथ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने की सुविधा मिलती है, वहीं वे 10 घंटे से ज्यादा काम करने के बाद भी घर जा सकते हैं। इसके उलट, एसएएफ का काम ज़्यादा कठिन होता है। उन्हें बटालियन की लाइन में रहना पड़ता है और उनकी पोस्टिंग भी शहरों से दूर कठिन जगहों पर होती है। इसके अलावा, वीआईपी मूवमेंट, आपदाओं, चुनाव ड्यूटी और राज्य के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी उन्हें कई बार लंबे समय तक तैनात किया जाता है। यही कारण है कि एसएएफ जॉइन करने के बाद भी कई लोग जिला पुलिस बल में शामिल होने की कोशिश करते हैं। एसएएफ कर्मियों को बिना अनुमति के बटालियन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि जिला पुलिस अपनी ड्यूटी के बाद कहीं भी घूम सकते हैं।

सरिये से भरे लोडिंग वाहन से जा टकराई बाइक, दो की मौत

खराब होने पर सड़क किनारे खड़ा किया था वाहन, अंधेरे में पीछे से जा घुसी बाइक

चापड़ा। कमलापुर थानांतर्गत चापड़ा-बागली मुख्य मार्ग पर रोड किनारे लोहे के सरिये भरकर खड़े एक लोडिंग वाहन में पीछे से एक बाइक जा घुसी, जिससे बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात करीब 11 बजे चापड़ा-बागली मार्ग पर बड़ा बेड़ा नामक स्थान के पास आयशर वाहन खराब होने के कारण रोड पर खड़ा था, जिसमें लोहे के सरिए भरे हुए थे। इसी दौरान चापड़ा से बागली की ओर जा रहे बाइक सवार को अंधेरा होने के कारण आयशर वाहन नजर नहीं आया और बाइक पीछे से घुस गई, जिसमें लोकेश

कुमरे पिता जयपाल कुमरे 25 वर्ष, मुकेश पिता मोहनलाल कोरकू 40 वर्ष निवासी निमलाय थाना कांटाफोड़ की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि लोकेश का हाथ धड़ से अलग होकर सरियों के बीच फंस गया और धड़ रोड पर जा गिरा। लोकेश और मुकेश दोनों इंदौर सब्जी मंडी में काम करते थे। राखी का पर्व होने के कारण दोनों बाइक से अपने गांव नीमलाय आ रहे थे। बताया जा रहा है कि लोकेश अविवाहित था। वहीं मुकेश विवाहित होकर उसके दो लड़के व दो लड़कियां है। घटना की जानकारी रोड से निकलने वाले राहगीरों ने चापड़ा चौकी और बागली थाने पर दी। सूचना मिलते ही बागली थाना प्रभारी प्रदीप राय मय दलबल के मौके पर पहुंचे और शवों को बागली अस्पताल पहुंचाया।

सांदिपनी मॉडल स्कूल चितरंगी में छात्रों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

जागरण, बैढ़न

कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के निर्देशानुसार जिले में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व जनसामान्य को विगत वर्षों की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाये जाने हेतु हर घर तिरंगाए हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान आरंभ किया गया है। हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान 2 से 15 अगस्त तक चलाया जा रहा है।हर घर तिरंगा . हर घर स्वच्छता अभियान से नागरिकों को न केवल अपने घरों को स्वच्छ रखने की प्रेरणा दी जा रही बल्कि उन्हें राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति गर्व की भावना से भी जोड़ा है। रैलियों और प्रदर्शनियों ने लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया है। इस अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई जा रही है। साथ हीए लोगों को अपने घरों दुकानों और प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत संगम है। इसी क्रम में आज सान्दिपनी मॉडल स्कूल चितरंगी के छात्र.छात्राओं ने गर्व और जोश से भरी भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा एकताए सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक बनी। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विद्यालय के उपाचार्य पद्माकर मिश्रा ने छात्रों को नेतृत्व के मूल्यों और जिम्मेदारियों पर मार्गदर्शन दिया जिससे युवाओं में राष्ट्र सेवा का उत्साह बढ़ा। यात्रा का सशक्त और सुचारू संचालन सत्यकाम तिवारी एवं उनकी टीम द्वारा किया गया जिन्होंने इस आयोजन को अनुशासन और समर्पण से सफल बनाया। इस यात्रा के दौरान प्राचार्य अशोक सिंह का प्रेरणादायक संदेश भी शामिल थाए जिसमें उन्होंने तिरंगे की महत्ता और देश के प्रति हमारी कर्तव्यबोध की गहराई को उजागर किया। यह तिरंगा यात्रा न केवल एक उत्सव थी बल्कि यह हमारे देश के प्रति अपार सम्मान और निष्ठा का जीवंत प्रमाण बनी।

कलेक्टर ने आमजनों को रैली में शामिल होने का किया आग्रह

जागरण, बैढ़न। 79 वे स्वतंत्रता दिवस के पूर्व जनसामान्य को विगत वर्षों की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाये जाने हेतु हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान आरंभ किया गया है। हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान 2 अगस्त से 15 अगस्त तक चलाया जा रहा है।हर घर तिरंगा . हर घर स्वच्छता अभियान से नागरिकों को न केवल अपने घरों को स्वच्छ रखने की प्रेरणा दी जा रही बल्कि उन्हें राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति गर्व की भावना से भी जोड़ा है। रैलियों और प्रदर्शनियों ने लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया है। इस अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई जा रही है। साथ ही लोगों को अपने घरों दुकानों और प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत संगम है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के निर्देशन में 11 को प्रातः 9:30 बजे राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। हर तिरंगा रैली राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम से प्रारंभ होकर मस्जिद चौराहा तुलसी मार्ग होकर अम्बेडकर चौक पहुचेगी। रैली अम्बेडकर चौक से होकर थाना रोड होते हुयें राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम पहुचेगी जहा पर पूरे उत्साह के साथ रैली का समापना होगा। रैली के समापन उपरांत उपस्थित नगारिको को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई जायेगी। कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला ने जिले के जन प्रतिनिधियो स्वसेवी सस्थाओ सहित आज जनो से रैली में शामिल होने का आग्रह किया है।

10 में से 8 यात्री रेल मदद ऐप से अंजान

जागरण, रीवा। रेलवे ने चलती ट्रेन में यात्रियों की शिकायत के त्वरित निराकरण के लिए रेल मदद ऐप की सुविधा दे रखी है, लेकिन रीवा में ज्यादातर यात्री इस सेवा से अंजान हैं। जागरण ने इस संबंध में जब लोगों से बातचीत की तो दस में से आठ यात्रियों ने ऐप से संबंधित जानकारी न होना बताया। जबकि रेलवे द्वारा वर्ष 2021 में यात्रियों के लिए 'रेल मदद' ऐप की सुविधा शुरू की गई थी। इसके तहत ट्रेनों में सफर करने के दौरान यात्री इस ऐप की सहायता से मदद या फिर ट्रेन से जुड़ी शिकायत कर सकते हैं। इसमें ट्रेन में साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता, बुजुर्ग यात्रियों को ऊपरी बर्थ की जगह नीचे वाली बर्थ, बुजुर्ग की दवाई, बच्चे का डाइपर, दूध या फिर किसी भी प्रकार की चिकित्सीय मदद ली जा सकती है। इसके बावजूद रीवा जिले से जुड़े रेल यात्री इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। बैकुंठपुर निवासी रामराज मिश्रा ने रीवा-जबलपुर इंटरसिटी में यात्रा के दौरान बताया कि शौचालय काफी गंदा है लेकिन जब उनसे कहा गया कि इसके लिए रेल मदद ऐप में शिकायत कर दो तो वह हैरान रह गए कि ऐसी भी कोई ऐप होती है। इसी प्रकार अन्य लोगों ने भी ऐप को लेकर जानकारी नहीं मिली।

जिम्मेदार नहीं कर पा रहे जागरूक : रीवा रेलवे स्टेशन में भी इस सुविधा का बेहतर से बेहतर उपयोग करने को लेकर यात्रियों को जागरूक करने में भी जिम्मेदार दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। बता दें कि रेलवे ने पहले अलग-अलग हेल्पलाइन नंबर जारी कर रखे थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें अब एकीकृत कर दिया है। 139 रेलवे का एकीकृत हेल्पलाइन नंबर है जिस पर हर तरह की शिकायत दर्ज कराई जा सकती थी।

राष्ट्र भक्ति के भाव को जन जन तक पहुंचाने के लिए तिरंगा यात्रा आयोजन

मंडल विंध्यनगर से हुआ शुभारंभ

जागरण, सिंगरौली। राष्ट्र भक्ति के भाव को जन जन तक पहुंचाने के लिए एवं राष्ट्र प्रथम की अवधारणा को चरितार्थ करने हेतु भारतीय जनता पार्टी स्वतंत्रता दिवस के पूर्व पूरे देश में तिरंगा यात्रा आयोजित कर रही है। प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी जिले भर के प्रत्येक मंडलों में तिरंगा यात्रा आयोजित करेगी जिसका शुभारंभ विंध्यनगर मंडल से हुआ है। भारतीय जनता पार्टी का कार्यालय मंडल विंध्यनगर परिक्षेत्र में ही आता है इसलिए इस भव्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ कार्यालय परिसर से हुआ। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह एवं इस यात्रा के जिले के संयोजक एवं निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय ने ध्वज दिखा कर इस यात्रा का शुभारंभ किया तथा स्वयं इस तिरंगा यात्रा मे सम्मिलित हुए। विंध्य नगर मंडल अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में पूरे मंडल के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं समेत आम नागरिक भी इस भव्य तिरंगा यात्रा मे सहभागी बने तथा इस यात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान किया। तिरंगा यात्रा मे युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा पूरे मंडल का भ्रमण किया। सैकड़ों मोटर साइकिल मे सवार कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय तथा देशभक्ति गीतों के साथ यात्रा को सफल किया तथा पूरे मंडल को तिरंगे ध्वज से भर दिया। इस यात्रा मे मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष तथा मंडल प्रभारी सरोज सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी वरिष्ठ नेता विनोद दुबे नरेश शाह गिरिजा पांडेय युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पूरे मंडल की टीम मंडल के कार्यकर्ता समेत सैकड़ों आम लोगों की उपस्थिति रही।

भालू के हमले से वृद्ध घायल

जागरण, सिंगरौली। क्षत्रिय कुलावंत संगठन इस समय आए दिन हर जरूरतमंद की मदद कर मानवता की एक अलग ही मिशाल पेश कर रहा है। जानकारी के अनुसार रामलाल रजक उम्र 48 वर्ष निवासी सुलियारी में रहकर कबाड़ बिनकर अपना और आने परिवार का जीवन यापन करता था आज सुबह जब वह कबाड़ बिनने के लिए माडा के जंगलों में गया तभी उस पर अचानक से भालू ने हमला कर दिया। हल्ला गुहार मचाने पर आसपास के लोग दौड़े तब भालू वृद्ध को घायलावस्था में छोड़कर भाग गया। मौके पर से एक सज्जन व्यक्ति ने क्षत्रिय कुलावंत के प्रमुख अंकित सिंह को फोन कर उपरोक्त घटना की सूचना दी जिसकी सूचना मिलते ही अंकित सिंह अपने टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों के मदद से घायल वृद्ध को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र माडा में प्राथमिक हेतु लाया गया जहां स्वास्थ्य केंद्र नर्स के द्वारा प्रथमिक उपचार किया गया। भालू ने बृद्ध के हाथ की गदेली में और पैर में बुरी तरह से काट कर घायल कर दिया था उपचार के बाद वृद्ध को संगठन और जंगल विभाग के मदद से जिला चिकित्सालय भेजा गया जहां वृद्ध का इलाज शुरू हो चुका है और स्थिति सामान्य है। संगठन हमेशा लोगों के मदद के लिए तैयार रहता है। वहीं पीड़ित परिवार ने कहा कि हमारे पास शब्द नहीं है आप लोगो की मदद से हम जिंदा है। वही संगठन प्रमुख ने सभी लोगों से हर जरूरतमंद की मदद करने की अपील की है और कहा कि मदद करने के लिए धन नहीं अच्छे मन की आवश्यकता है । क्षत्रिय कुलावंत संगठन के इस नेक कार्य की चारो तरफ सराहना ही जा रही है।

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव अभियान का क्रियान्वन चरणबद्ध तरीके से निर्धारित समय पर पूर्ण करें : कलेक्टर

जागरण, बैढ़न। कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला ने अधिकारियो को निर्देश दिए कि हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव अभियान का क्रियान्वन चरणबद्ध तरीके से निर्धारित समय पर पूर्ण करे। कलेक्टर ने कहा कि जिले में 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश में 8 से 15 अगस्त तक शहर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग विशेष अभियान मनाया जाएगा। यह आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इसके तहत 1 से 7 अगस्त तक अभियान पूर्व जनजागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं।अभियान का मुख्य उद्देश्य न सिर्फ स्वतंत्रता दिवस को

उत्सव के रूप में मनाना है बल्कि गांवों को स्वच्छ और सुजल बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाना भी है। साथ ही नागरिकों में जल स्वच्छता की संकल्पना को मजबूत करना है। जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत इस दौरान पूरे प्रदेश में व्यापक भागीदारी से कार्यक्रम आयोजित होंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए अभियान के तहत सभी गतिविधियो का फोटो वीडियो भी निर्धारित किए गए पोर्टल में अपलोड किया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने कहा कि अभियान की शुरुआत स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा होगी जहां बैनर.पोस्टर का विमोचन और ग्राम स्तर पर स्वच्छता अभियान जलस्त्रोतों की सफाई रंगोली रैली और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 9 से 11 अगस्त तक नालों.नालियों की सफाई ग्रे.वॉटर प्रबंधन प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण सामुदायिक शौचालयों की सफाई और आजादी का श्रमदान् कार्यक्रम होंगे।12 अगस्त को पानी की टंकियों हैंडपंप कूप जैसी संरचनाओं की सफाई और सजावट की जाएगी साथ ही कचरा पृथक्करण खाद बनाने और शौचालय रखरखाव की तकनीकों का प्रदर्शन होगा। 13 अगस्त को संवाद और जागरूकता दिवस मनाया जाएगा जिसमें जल संरक्षण भूजल रिचार्ज और सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध जैसे विषयों पर ग्रामस्तरीय चर्चाएं और बैठकें होंगी। इस दिन ध्वजारोहण स्थलों की पहचान सफाई और पूर्वाभ्यास भी कराया जाएगा। तथा 14 और 15 अगस्त को सार्वजनिक स्थलों ग्राम सड़कों हाट बाजारों और पंचायत परिसरों की सफाई और सजावट की जाएगी। शहर घर तिरंगा् अभियान के तहत हर घर में ध्वज फहराया जाएगा जबकि 15 अगस्त को विशेष रूप से स्वच्छता चैंपियनों और स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

महापुरुषों के बताए गए मार्ग पर चलने का दिया संदेश

जागरण, रीवा। अनुसूचित जाति जनजाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के संघ कार्यालय में संघ के अध्यक्ष राम सुजान साकेत की अध्यक्षता में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विचार संगोष्ठी संपन्न हुई। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष राम सुजान साकेत ने कहा कि आदिवासियों की शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। हम सभी को इसमें सुधार हेतु अथक प्रयास किया जाना चाहिए साथ ही भारतीय संविधान में दिए गए प्रावधान एवं नियम के अनुसार शासन द्वारा उन्हें लाभ दिलाया जाय। मूलनिवासी समाज अपनी उपेक्षा बेरोजगारी एवं बंधुआ बाल मजदूरी जैसी समस्याओं से ग्रसित है । समाज में व्याप्त नशा जैसे गंभीर बीमारी को खत्म कर शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाए तभी समाज का विकास हो सकता है । इस अवसर पर आर के प्रजापति वित्त नियंत्रक एवं सहायक कुलसचिव बाबूलाल साकेत ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर महापुरुषों के बताए गए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉक्टर दिनेश प्रजापति मुद्रिका प्रसाद साकेत संयोजक रामाश्रय कोल उपाध्यक्ष गणेश बढोले महासचिव राम प्रसाद पटेल राम सिया साकेत रजनीश कुमार प्रदीप समुद्रे राजेंद्र सोनी बैजनाथ कोल दिलीप साकेत आदि अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी विचार संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत खटाई सरपंच ने हायर सेकेंडरी स्कूल में वितरण किया सायकिल

जागरण, चितरंगी। संकुलकेन्द्र खटाई के प्रभारी प्राचार्य देवनाथ बैस ने अभी हाल ही में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का पद भार ग्रहण किया है। इनके पहले खटाई विद्यालय हमेशा सुर्खियों में बना रहता था। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा दूर से पैदल चल कर विद्यालय आने वाले छात्र छात्रओं को अनिवार्य शिक्षा योजना के तहत सायकिल की सुविधा दिया है। ताकि बच्चे समय से विद्यालय आ सके। प्रदेश सरकार ने छात्रो के हित मे बहुत सी योजना चला रखी है। कि जो गरीब दलित परिवार के बच्चे शिक्षा से वंचित नही रहे। पुस्तक छत्रवृत्ति लैपटॉप गणवेश मध्यान भोजन सहित कई सुविधा विद्यालयों में है। फिर भी

सरकारी विद्यालयों की स्थिति बहुत नाजुक है। संकुल केंद्र खटाई में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती हिरामन साहू द्वारा कक्षा 9 से 12 तक कि छात्र छात्राओं को सायकिल वितरण किया है। वितरण कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य देवनाथ बैस सहित शिक्षक स्टाप मौजूद रहे।

मनोभावना सिंह के लोकगीतों की रिकॉर्डिंग इन्दौर दूरदर्शन में

जागरण, रीवा। विंध्य क्षेत्र की बहुमुखी प्रतिभा की धनी कुशल कवियित्री, लोक गायिका एवं मंच संचालिका मनोभावना सिंह को इंदौर दूरदर्शन द्वारा आमंत्रित किया गया एवं लोक भाषा के विस्तार में उनके ग्रुप का विविध, गायन रिकॉर्डिंग की गयी जिसका समूचे देश में जल्द प्रसारण किया जायेगा। मनोभावना सिंह ने इसके पूर्व भी भोपाल दूरदर्शन में तीन बार, कुंभ मेला लोक पर्व, खजुराहो आदिवर्त पव, चित्रकूट प्राकट्य पर्व, उज्जैन के अनादि पर्व, भारत पर्व रीवा व भारत भवन भोपाल में अपने लोक गायन की बघेली में प्रस्तुति देकर काफी वाहवाही एवं सम्मान प्राप्त कर इस धरा का नाम रोशन किया है। आकाशवाणी रीवा की नियमित उद्घोषिका एवं कलाकार द्वारा नशामुक्ति विषय पर गाया गया। उनके द्वारा गया गया नगर निगम की कचरा गाड़ियों में निरंतर बजने वाला स्वच्छ रीवा स्वस्थ रीवा का गीत काफी चर्चित है। भोपाल एड्स विभाग द्वारा भी उनकी सेवा में ली गई है। विंध्य काव्य-साहित्य परिषद कलम परिवार द्वारा विंध्य बघेली प्रणेता सम्मान-2025 से सम्मान से सम्मानित मनोभावना सिंह को विभिन्न संस्थाओं से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त है। रिदम म्यूजिकल ग्रुप की नियमित गायिका व कलम परिवार एवं हिन्दू धर्म परिषद की सक्रिय सदस्य श्रीमती सिंह की प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं है। इंदौर दूरदर्शन में उनके ग्रुप में संगत देने वाले कलाकारों में बंटी भारतीय, फूल सिंह सिसोदिया, सचिन मगौरिया, जीवन मालवीय, कृष्ण मोहन मगराना ने उनको साथ देकर कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान की।

जिले में छात्र-छात्राओं को ई-रिक्शा से स्कूल लाने, ले जाने पर लगा पूर्णतः प्रतिबंध

कलेक्टर एवं जिला दण्डधिकारी चन्द्र शेखर शुक्ला ने जारी किए प्रतिबंध के आदेश

जागरण, बैढ़न। जिले में बच्चों को ई.रिक्शा से स्कूल लाने और ले जाने पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी चन्द्र शेखर शुक्ला के द्वारा इस संबंध में प्रतिबंध के आदेश जारी किए गए है। यह आदेश स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता.2023 की धारा 163 के तहत तत्काल प्रभाव से सम्पूर्ण जिले में लागू हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी इस प्रतिबंधात्मक आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इसका उल्लंघन पाये जाने की

स्थिति में भारतीय न्याय संहिता.2023 की धारा 223 एवं अन्य समस्त प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। जारी आदेश में कहा गया कि ई.रिक्शा में बिना किसी सुरक्षा प्रबंध एवं क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन करना बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। जारी आदेश में उल्लेख करते हुये कहा गया है कि छात्र.छात्राओं के परिवहन हेतु प्रयोग किये जा रहे ई.रिक्शा में स्कूली बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं होती है। स्कूली बच्चों के परिवहन हेतु यह असुरक्षित वाहन है। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को महत्वपूर्ण मानते हुये आदेश में कहा गया है कि बिना किसी सुरक्षा प्रबंधन एवं क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन करना बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। इन परिस्थितियों में स्कूली छात्र.छात्राओं के यातायात में ई.रिक्शा के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबन्धित किया गया है। जारी आदेश में विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि वे छात्रो के ई रिक्सा के माध्यम से विद्यालय में आने के लिए ई रिक्सा का उपयोग नही करेगे। जिला दण्डाधिकारी निर्देश दिया गया कि विद्यालय वाहन पीले रंग का होगा। वाहन के पीछे ऑन स्कूल ड्यूटी् लिखा जाना अनिवार्य होगा। वाहन में प्राथमिक उपचार पेटी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखी जाएगी। वाहन में निर्धारित मानकों का स्पीड गवर्नर लगा होना अनिवार्य होगा। वाहन में अग्निशमन यंत्र अनिवार्यतः लगाया जाना होगा। वाहन में स्कूल बैग टांगने की व्यवस्था होगी। वाहन के दरवाजे पर मजबूत ताले लगें होना अनिवार्य होगा। वाहन में बच्चों को सम्हालने हेतु शिक्षित व प्रशिक्षित अटेंडर होना अनिवार्य होगा। वाहन की खिड़कियों पर सरियों की जाली लगी होना अनिवार्य होगा।वाहन में संबंधित स्कूल का नाम व दूरभाष क्रमांक अंकित किया जाना अनिवार्य होगा।जारी आदेश मे कहा गया है कि चूंकि ऐसा प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल जारी किया जाना आवश्यक है एवं आदेश की सम्यक सूचना हर नागरिक एवं संबंधित समस्त को व्यक्तिशः तामील कराया जाना तत्काल संभव नहीं है अत एव यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है और तत्काल प्रभाव से सम्पूर्ण सिंगरौली जिला क्षेत्र के लिए लागू किया जाता है।

कलश के साथ निकाली गई महिला श्रद्धालुओं द्वारा भागवत-कलश यात्रा

जागरण, सिंगरौली। क्रासिंग रिपब्लिक सांस्कृतिक कला संगम समिति द्वारा गोल्फ कोर्स ग्राउंड में 10 से 16 अगस्त तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आगाज अज सुबह कलश यात्रा से संपन्न हुआ। क्रासिंग रिपब्लिक की महिला श्रद्धालुओं ने गार्डेनिया सोसाइटी के मंदिर से सिर पर कलश लेकर गोल्फ कोर्स ग्राउंड स्थित भागवत.कथा पंडाल में पहुंची जहां सांस्कृतिक कला संगम समिति के पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। मंदिर में अनुष्ठान पूरा कर अश्वरथ पर विराजमान होकर व्यास महाराज रामानंदीय वैष्णव आचार्य अवध गोपाल दास महाराज कलश यात्रा में साथ.साथ चल रहे थे जिनकी उपस्थिति से यह कलश यात्रा एक यादगार पल बन गया। गार्डेनिया सोसाइटी के मंदिर से ही बैंड बाजे के साथ निकाली गई इस कलश यात्रा में सांस्कृतिक समिति के

पदाधिकारियों क्षितिज सिंघल बी पी एस भाटिया आशुतोष चंदन विवेक शर्मा तरुण भारद्वाज विजय गोयल के एन ठाकुर दुर्गेश सिंह गौरव गर्ग राकेश पुंज रवि गुप्ता रवि शर्मा ए के जैन परितोष नंदन डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव शिखर विकोस कुमार संजय अग्निहोत्री एम के शर्मा आदि ने अगुवाई की। कलश यात्रा में क्रॉसिंग की महिलाएं कलश सिर पर धारण कर कलश यात्रा में शामिल हुईं तो कुछ श्रद्धालु बिना कलश के ही शामिल हुईं। परीक्षित की भूमिका में अविनाश वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी सुमीता वर्मा कलश यात्रा में साथ चल रही थीं।

विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने किया बॉउंड्री वॉल निर्माण का भूमिपूजन

5 लाख रुपये की विधायक निधि से होगा निर्माण, ग्रामीण विकास को दी नई दिशा

जागरण, टीकमगढ़। रविवार को विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने रविवार को टीकमगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पहाड़ी खुर्द मजरा में 5 लाख रुपये की विधायक निधि से बनने वाली बॉउंड्री वॉल का भूमिपूजन किया। पूजा-अर्चना के साथ कार्य का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधानसभा में विकास में नही आने देगे कोई कमी- विधायक यादवेन्द्र सिंह : वही विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने कहा की चाहे प्रदेश में किसी भी दल की सरकार हो, जनता के विकास कार्य रुकने नहीं चाहिए। जनता ने मुझे विकास कार्यों के लिए चुना है और मैं उनके विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह समर्पित हूं। यह बॉउंड्री वॉल ग्रामीणों की सुरक्षा और सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है, और मैं आगे भी ऐसे कार्य करता रहूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे सरकार से अपेक्षा करते हैं कि विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों को समय पर पूरा किया जाए और विकास योजनाओं में किसी प्रकार की देरी न हो। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश मिश्रा, लक्ष्मण रैकवार, राममिलन यादव, कल्लू मडेले (सरपंच कांटी), कमलेश त्रिपाठी, जितेंद्र प्रजापति (सरपंच पहाड़ी खुर्द) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता शामिल हुए। विधायक के स्वागत में ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर और नारों से वातावरण को जोशपूर्ण बना दिया।

ग्रामवासियों ने किया आभार व्यक्त : वही ग्रामीणों ने कहा कि प्रदेश में विपक्ष के विधायक होने के बावजूद यादवेंद्र सिंह बुंदेला लगातार विकास कार्य कर रहे हैं। उनका यह प्रयास राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर जनता के हित में काम करने का उदाहरण है।

बगाज माता मंदिर में दर्शन कराने पहुंचे कलेक्टर विकास कार्यों पर होगी जल्द शुरुआत

जागरण, टीकमगढ़। जिले के कलेक्टर विवेक श्रोतिय रविवार को अपने परिवार के साथ जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री श्री 1008 सिद्ध शक्तिपीठ बगाज माता मंदिर पहुंचे। यहां पहुंचते ही उन्होंने माता बगाज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद भक्तों और ग्रामवासियों ने उनका स्वागत किया। बगाज माता मंदिर टीकमगढ़ जिले का एक प्राचीन और आस्था से जुड़ा शक्तिपीठ है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु आकर मां के दर्शन करते हैं। कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने यहां उपस्थित मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारियों और ग्रामवासियों से मंदिर के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी ली। ग्रामीणों ने उन्हें मंदिर परिसर में उपलब्ध सुविधाओं, विकास की आवश्यकता और श्रद्धालुओं को आने वाली कठिनाइयों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

बगाज माता मंदिर में जल्द होगा विकास- कलेक्टर विवेक: इसी दौरान कलेक्टर ने मौके पर ही मंदिर विकास के लिए ठोस पहल करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि अति शीघ्र मंदिर के सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, मार्ग सुधार और प्रकाश व्यवस्था जैसे कार्यों की कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजकर शीघ्र स्वीकृति दिलाकर कार्य शुरू करवाए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि बगाज माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहां नवरात्रि और अन्य धार्मिक आयोजनों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं, जिससे यहां के आर्थिक और सामाजिक जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने कलेक्टर की कि प्रशंसा : वही मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने कलेक्टर की सक्रियता और जनता से जुड़ाव की प्रशंसा की। लोगों ने कहा कि टीकमगढ़ में पहली बार कोई कलेक्टर इस तरह आम जनता की समस्याओं को न केवल सुन रहा है, बल्कि उनके समाधान के लिए तुरंत पहल कर रहा है। इस अवसर पर मंदिर संचालन समिति अध्यक्ष मनीराम मेहदेले, पठा सरपंच जयराम राय, अजनौर सरपंच भज्जू लोधी, कमल सिंह ठाकुर, सीताराम लोधी, रूप सिंह लोधी, शिवसहाय तिवारी, मानक लोधी सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एक दिन से लापता युवक की बरौहा घाट मिढ़ासन नदी में मिला शव

जागरण पन्ना। अमानगंज थाना अंतर्गत ग्राम गढ़ोखर निवाशी संत कुमार अहिरवार मवेशी चराने गया था तथा शनिवार से घर वापस नहीं आया था जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों द्वारा अमानगंज थाना में की गई थी दूसरे दिन 10 अगस्त को नदी के बरोह घाट में एक लाश को तैरते हुए लोगों द्वारा देखा गया इसकी सूचना अमानगंज थाना पुलिस को दी गई पुलिस घटना स्थल पर पहुंची शव को बरामद किया शव की पहचान संत कुमार अहिरवार निवासी गढ़ोखर के रूप में की गई पुलिस मामले में विवेचना कर रही है

टीकमगढ़-बल्देवगढ़ रोड पर सड़क हादसा, डॉक्टर ने दिखाई मानवता

गंभीर रूप से घायल युवक को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया, लोगों ने की प्रशंसा

जागरण, टीकमगढ़। शनिवार शाम टीकमगढ़-बल्देवगढ़ रोड पर हुए एक सड़क हादसे में जहां एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ, वहीं मौके पर मौजूद डॉक्टर ने अपने मानवीय कर्तव्य का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसकी क्षेत्र में चर्चा हो रही है। शाम करीब 6 बजे कर्मासन नदी घाट के पास बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पर सवार 25 वर्षीय जगभान लोधी, निवासी ग्राम रमपुरा थाना कुडीला, सड़क पर बुरी तरह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद घायल युवक दर्द से कराहता हुआ सड़क किनारे पड़ा रहा और मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए।

बीएमओ ने इंतजार छोड़ खुद ही संभाला मोर्चा

इसी दौरान बल्देवगढ़ के बीएमओ डॉ. अंकित त्रिपाठी वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने तत्काल अपनी सरकारी गाड़ी रोकी और घायल की हालत देखी। डॉ. त्रिपाठी ने तुरंत 108 एंबुलेंस को कॉल किया, लेकिन एंबुलेंस के समय पर न पहुंचने पर उन्होंने खुद ही पहल करते हुए घायल युवक को अपनी सरकारी गाड़ी में बैठाया और सीधे जिला अस्पताल टीकमगढ़ ले गए। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि वे शाम करीब 6:45 बजे घायल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उसके चेहरे, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें पाई हैं। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत इलाज शुरू कर दिया। फिलहाल उसकी हालत नाजुक बनी हुई है, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बचने की संभावना बढ़ गई है।

एसपी ने जिला जेल का निरीक्षण किया

कैदियों से संवाद कर सुनी समस्याएं, नशा त्यागने की दिलाई शपथ

मानवीय दृष्टिकोण से जेल संचालन पर जोर

जागरण, टीकमगढ़। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने रविवार को जिला जेल का औचक निरीक्षण कर कैदियों की परिस्थितियों, आवश्यकताओं और समस्याओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल परिसर का भ्रमण कर कैदियों से सीधे संवाद स्थापित किया और उनकी बातों को संवेदनशीलता के साथ सुना। आवास, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं की जांच एसपी मंडलोई ने जेल अधीक्षक, जेलर और अन्य अधिकारियों के साथ कैदियों की आवासीय व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और कैदियों को उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। जेल प्रशासन द्वारा कैदियों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि जेल संचालन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है, जिससे कैदी पुनर्वास की ओर अग्रसर हों।

पुलिस अधीक्षक ने नशा त्यागने कि की अपील : निरीक्षण के दौरान एसपी ने कैदियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को नष्ट कर देता है, साथ ही यह सामाजिक, पारिवारिक और कानूनी पतन का कारण बनता है। उन्होंने कैदियों से नशा त्यागने की अपील करते हुए कहा कि नशे से दूर रहना आत्म-सम्मान और सकारात्मक जीवन की ओर पहला कदम है। इस अवसर पर उन्होंने सभी कैदियों को नशा छोड़ने की शपथ दिलाई।

कानून सम्मत जीवन का आह्वान : एसपी मंडलोई ने कैदियों से अपील की कि जेल से मुक्त होने के बाद वे शांतिपूर्ण और कानून सम्मत जीवन जीने का संकल्प लें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रिहाई के बाद कैदी अपने जीवन को नई दिशा देंगे और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक युजवल, रक्षित निरीक्षक कनक सिंह चौहान, थाना प्रभारी ट्रैफिक कैलाश पटेल सहित जिला जेल का बल और टीकमगढ़ पुलिस बल मौजूद रहा।

विश्व आदिवासी दिवस पर पन्ना में हजारों किसानों का आंदोलन

जयराम यादव व देबू गौड के नेतृत्व में उठी न्याय की मांग

जागरण पन्ना। विश्व आदिवासी दिवस पर 09 अगस्त 2025 को पन्ना जिले में एकलव्य सेना के जिला अध्यक्ष जयराम यादव और आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष देबू गौड के नेतृत्व में हजारों आदिवासी, पिछड़े वर्ग और दलित किसानों ने वन विभाग के अत्याचारों के खिलाफ विशाल आंदोलन किया। डायमंड चौराहे से शुरू होकर अजयगढ़ चौराहे पर ज्ञापन सौंपने तक यह प्रदर्शन चला। डायमंड चौराहे के गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी महापुरुषों को दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ श्रद्धांजलि दी गई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समुदाय की एकजुटता को दर्शाया। जयराम यादव ने अपने प्रेरक भाषण में कहा हजारों किसानों की पुश्तैनी जमीनें हमारी पहचान और आजीविका का आधार हैं। वन विभाग का अन्याय हमें बेदखल नहीं कर सकता। हम एकजुट होकर अपने

हक की लड़ाई लड़ेंगे और गोंडवाना की सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखेंगे। देबू गौड़ ने कहा कि वन विभाग का उत्पीडन् अब बर्दाश्त नहीं होगा। हमारी जमीनें, हमारे मकान और हमारी संस्कृति पर हमला हमारे अस्तित्व पर हमला है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हमें न्याय नहीं मिलता। उनके जोशीले भाषणों ने हजारों किसानों में उत्साह भरा। रैली मोहन निवास, गांधी चौक, पुरानी कचहरी होते हुए अजयगढ़ चौराहे पर पहुंची जहां मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। अजयगढ़, छतैनी, वरकोला और इटवांकला में आदिवासी, पिछड़े समाज के पाल, यादव व दलित अहिरवार समाज के किसानों की जमीनों पर खेती रोकने और मकानों के अवैध विध्वंस की जांच, केन-बेतवा परियोजना और सिरस्वाहा डैम से विस्थापितों को मुआवजा और जमीन, टाइगर रिजर्व में पशु शिकार के लिए उचित मुआवजा, गोंडवाना राज्य की स्वायत्तता और बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापना, बालगहा में छात्रावास, पक्की सडकें और पुश्तैनी जमीनों के पट्टे की मांग की गई। रैली बलदाऊ जी मंदिर होते हुए बाबा साहब चौक पहुंची जहां आदिवासी विकास परिषद के पन्ना ब्लॉक अध्यक्ष नरेश गोंड और एकलव्य सेना के पन्ना ब्लॉक अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह यादव ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया इसके बाद रैली डायमंड चौक पर समाप्त हुई। देबू गोंड और जयराम यादव के नेतृत्व में यह आंदोलन आदिवासी, पिछड़े और दलित किसानों की एकजुटता का प्रतीक बना। उक्त मांगों पर प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। यह प्रदर्शन गोंडवाना की विरासत और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है। मांगें न पूरी होने पर और बड़ा आंदोलन होगा।

आंदोलन में यह रहे शामिल : इस आंदोलन में संगठन के पदाधिकारी महिपाल सिंह मरावी, मुन्ना फौजी, रामप्रसाद वर्मा, रविंद सौर, भूपत अहिरवार, अमित गोंड, नंदकिशोर अहिरवार, मदारी गोंड, महेश पाल, रविंद्र गोंड, ओम प्रकाश कोंदर, महेंद्र गोंड, नारायण सिंह, अरविंद गौड़, बृजेंद्र आदिवासी प्रकाश सौर, अखिलेश कोंदर, आनंद सिंह, संजू गोंड, मंगल सिंह, कैलाश गोंड, भीम गोंड, पहाड़ सिंह, अन्नू, अज्जू सहित शहर संगठन के बहुत से नौजवान शामिल रहे।

कजलियाँ : हरियाली, मेल-मिलाप और वीर-स्मृति का अनोखा बुंदेली पर्व

धरती की कृतज्ञता से सामाजिक री-सेट तक — बुंदेलखंड की जीवंत लोकपरंपरा

जागरण पन्ना। बुंदेलखंड व बघेलखंड और उसके आसपास के क्षेत्रों में रक्षाबंधन के अगले दिन मनाया जाने वाला कजलियाँ (भुजरिया/भुजलिया) कोई साधारण पर्व नहीं, बल्कि हरियाली-कृतज्ञता, पारिवारिक मेल-मिलाप, सामाजिक क्षमा और वीर-इतिहास का अद्भुत संगम है। यह सम्पूर्ण देश का त्योहार नहीं, बल्कि बुंदेलखंड, बघेलखंड की अपनी गहरी जड़ें रखने वाली सांस्कृतिक परंपरा है, जो आज भी जन-आस्था और भाईचारे के सूत्र को मजबूत करती है।

कृषि आभार से जन्मी परंपरा : कजलियों की शुरुआत किसानों की धरती के प्रति कृतज्ञता से हुई। महिलाएँ और किशोरियाँ गेहूँ/ज्वार के दाने बांस या मिट्टी की छोटी टोकरियों में बोतीं, उन्हें पानी और गोबर से सींचतीं और अंकुरों को 'कजलिया' कहकर स्नेहपूर्वक पालतीं। ये हरे अंकुर धरती की उर्वरता और आने वाली फसल की समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं।

पूजा, विसर्जन और लोकगीतों का संगम : रक्षाबंधन तक इन अंकुरों की पूजा और देखभाल होती है। अगले दिन, लोकगीतों, ढोल-नगाड़ों और समूह में चलते हुए, इन्हें तालाब, कुएँ या नदियों में विसर्जित किया जाता है। कहीं यह कार्यक्रम सुबह से शाम तक चलता है, तो कहीं शाम को मंदिर अर्पण के बाद मुख्य विसर्जन और कजरिया बदलने की रस्म होती है।

आल्हा-ऊदल और महोबा की गाथा : लोककथाओं के अनुसार सन् 1182 के आसपास महोबा की राजकुमारी चंद्रावल और उनकी 1400 सहेलियाँ कजलियाँ विसर्जित करने जा रही थीं, तभी आक्रमण हुआ। आल्हा-ऊदल की वीरता से रक्षा और विजय हुई। तभी से रक्षाबंधन के अगले दिन कजलियों का पर्व वीर-स्मृति के साथ मनाने की परंपरा चली आ रही है।

कजरिया बदलने और क्षमा-प्रथा का अर्थ : बराबरी वालों के बीच कजरिया बदलना, बड़े-छोटे को आशीर्वाद देना और बच्चों का चरण-स्पर्श—यह सब स्नेह, सम्मान और एकता का प्रतीक है। इस दिन लोग पुरानी रंजिशें भुलाकर माफी माँगते और क्षमा स्वीकार करते हैं। यह सामुदायिक मेल-मिलाप और रिश्तों को नया जीवन देने का अवसर है।

लोकगीत और बुंदेल, बघेली रंग : कजलियों के गीतों में धरती-भक्ति, कृषि-समृद्धि और वीर-कथाओं का सुंदर मेल होता है। ढोल-मृदंग और सामूहिक नर्तन से यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लेता है, जो सनातन परंपरा के स्थानीय स्वरूप को जीवंत करता है।

आज के समय में महत्व : कजलियाँ आज भी मात्र एक रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक री-सेट हैं—जहाँ नए कपड़े, सजे घर, ताजगी भरे रिश्ते और भाईचारे की नई शुरुआत होती है। यह परंपरा बुंदेलखंड की आत्मा को जीवित रखते हुए समाज को एक सूत्र में बाँधती है।

नन्ही पवई में जमीदार के यहां पर कजलिया एवं शहरी कार्यक्रम संपन्न

जागरण, पवई। ग्राम नन्ही पवई में जमीदार के यहां पर पारंपरिक कजलिया एवं शहरी कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने पारंपरिक रीतियों के अनुसार भागीदारी निभाई और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद अरुण नगायच, जमीदार पुष्पेंद्र पटेल, हरिराम पटेल सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि एवं समस्त नेता गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने सक्रिय सहभागिता की। सांस्कृतिक माहौल और परंपरागत गीत-संगीत के बीच संपन्न इस आयोजन ने गांव में एकता और भाईचारे की मिसाल पेश की। ग्रामीणों ने इसे अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का प्रयास बताया और भविष्य में ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

पवित्रता और भाईचारे का पर्व रक्षाबंधन : ब्रह्मा कुमारी

जागरण पन्ना। रक्षाबंधन का पुनीत पर्व ब्रह्माकुमारी विद्यालय में बड़े ही उमंग उत्साह से मनाया गया बहन जी ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ देते हुए एवं रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि यह रक्षाबंन्धन एक विशाल हृदय व विशुद्ध भावनाओं से जुड़ा हुआ है परंतु आज छोटी सी सीमा में बंधकर रह गया है, रक्षाबंधन हम सभी भारत वासियों के लिए एक पावन पर्व है इस दिन हर बहन अपने भाई को राखी बॉधती है इस शुभ आशा के साथ की उसका भाई जीवन भर उसकी और उसके पवित्रता की रक्षा करेगा यह बंधन एक ऐसा पवित्र बंधन है जिसमें एक बार बंध जाने से उस रिश्ते का सम्मान और ही बढ़ जाता है फिर

रिश्ते में कभी विकारी दृष्टि वृत्ति उत्पन्न नहीं हो सकती, परंतु आज के समय पर हर मनुष्य आत्मा के अन्दर यह जो पांच विकार यह अपने चरम सीमा पर पहुंच चुके हैं जो कभी-कभी इस पवित्र संबंध को भी कलंकित कर देते हैं, बस साल में एक बार आने वाली रस्म बनकर रह गई है राखी उत्सव, भारत को स्वर्ग बनाने वाला रक्षाबंधन ~ वर्तमान समय परमपिता परमात्मा हम सभी को पवित्रता का रक्षा सूत्र बांधते हैं, ज्ञान एवं राजयोग (ध्यान)की शिक्षा देकर आत्मा को विकारों के बंधन से मुक्त कर रहे हैं, जब मनुष्य आत्मा काम,क्रोध, लोभ, मोह,अहंकार, ईर्ष्या, नफरत, व्यसन आदि हर विकारों से मुक्त हो जाती है, मन वचन कर्म से पवित्र रहने का संकल्प करती है, तब यह भारत स्वर्ग बन जाता है इस उपलक्ष्य में पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार, पन्ना पुलिस अधीक्षक, सांई ककृष्णा एस थोटा,डीएफओ अनुपम शर्मा, जेलर साहब आरपी मिश्रा, श्रीमती दुर्गा त्रिपाठी, जेल में कैदी भाइयों को एवं वृद्ध आश्रम में सभी वरिष्ठ नागरिकों को रक्षा सूत्र बांधकर कराई गई प्रतिज्ञा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में हर घर तिरंगा एवं स्वच्छता पर रंगोली प्रतियोगिता सम्पन्न

जागरण पन्ना। प्रधानमंत्री ऑफ़ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में आज राष्ट्र प्रेम और स्वच्छता के संदेश से ओतप्रोत 'हर घर तिरंगा' एवं स्वच्छता विषयक रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी के संरक्षण एवं निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पियूषा शर्मा एवं डॉ. रचना गुप्ता ने किया, जबकि आयोजन में डॉ. डी. पी. कुशवाहा एवं डॉ. मनोज शुक्ला का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. बी. एन. जायसवाल, डॉ. सचिन गोयल, डॉ. बरदानी प्रजापति एवं श्री जय चौरसिया ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह, जोश और सृजनात्मकता के साथ भाग लिया तथा रंग-बिरंगी रंगोलियों के माध्यम से देशभक्ति और स्वच्छता का अनुपम संदेश दिया। परिणाम घोषणा में खुशबू

रैकवार (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया, जबकि मोहित रैकवार एवं अरविंद (बी.एससी. द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रिया कोरी एवं दालचंद कोरी को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, एकता और स्वच्छता के महत्व का संचार किया। रंगोली की रंगत में तिरंगे की शान और स्वच्छ भारत का सपना साकार होता दिखा, जिससे पूरा परिसर राष्ट्र प्रेम के रंग में रंग गया।

साप्ताहिक इतवारी बाजार को अनुशासित करने मैदान में उतरा जिला प्रशासन

जागरण पन्ना। आज सुबह 5:00 बजे से अनुविभागीय अधिकारी संजय नागवंशी पन्ना,एस.पी.सिंह बघेल(एस. डी.ओ.पी.पन्ना के साथ यातायात निरीक्षक नीलम लक्षकार ,नगर निरीक्षक रोहित मिश्रा ने सम्भाला मोर्चा विगत कई वर्षों से कृषि उपज मंडी परेड से धर्म सागर तालाब रोड पुराने विद्युत मंडल तक सडक किनारे अनाधिकृत रूप से हर सप्ताह पर एक दिन रविवार को बाजार लगाया जा रहा है।इस बाजार में सब्जी फल व अन्य प्रकार की दैनिक उपयोग वास्तुएं बेची जाति हैं जिसकी खरीद्दारी आम जनता महिलाओं बच्चों को साथ में लाकर वृहद रूप में करते हैं।

तेंदूए ने घर में घुसकर दो गायों का किया शिकार, मौके पर मौत

जागरण पन्ना। टाइगर रिजर्व में बढ़ते तेंदुआ एवं शेरों की संख्या के कारण आसपास निवासरत गांव के किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हिनौता एनएमडीसी मझगुवा निवासी महादेव सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बतलाया कि दिनांक 8 अगस्त 2025 की रात्रि को लगभग 3:00 बजे एक तेंदुआ मकान के अंदर प्रवेश कर गया और घर के अंदर वाडा में बंधी दो नग गाय को तोड़कर मारडाला है । किसान महादेव सिंह यादव ने बताया कि इस संबंध में घटना की जानकारी वन विभाग के कर्मचारीयों को दे दी गई है। मगर एक गाय आज के समय में खरीदने पर दस हजार से पन्द्रह हज़ार पड़ती है दोनों गायों की कीमत लगभग तीस हजार है।जिसका उचित मुआवजा किसानों को भिलाई जाने की मांग की है

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
बी ई एम एल
BEML
Beyond Possibilities
MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
स्वदेशी अभियान
विकास की नई पहचान
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
₹1800 करोड़ की
लागत के अत्याधुनिक
रेल कोच निर्माण केन्द्र
का भूमिपूजन
मुख्य अतिथि
राजनाथ सिंह
केन्द्रीय मंत्री, रक्षा मंत्रालय
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
गरिमामयी उपस्थिति
शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय
अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (वर्चुअल माध्यम से)
10 अगस्त 2025 | दोपहर 12:00 बजे | ग्राम उमरिया, जिला रायसेन
उच्च प्रौद्योगिकी युक्त निर्माण क्षमता, आधुनिक रेल तकनीक का केन्द्र
• यात्री कोच, मेट्रो कार, ईएमयू, वंदे भारत ट्रेन सेट्स एवं हाई-स्पीड रेल प्रणालियों की डिज़ाइन, निर्माण, असेम्बली तथा परीक्षण
• घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप उत्पादन
हरित ऊर्जा और नवाचार पर आधारित
• सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्रोतों से संचालित
• ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज, वर्षा जल संचयन, हरित परिसर और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री का प्रयोग
• भारत के ग्रीन फैक्ट्री मानकों के अनुरूप
विस्तार योग्य निर्माण क्षमता
• प्रारंभ में 125–200 कोच प्रति वर्ष निर्माण क्षमता
• पांच वर्षों में 1,100 कोच प्रति वर्ष तक विस्तार संभव
स्थानीय विकास को बल
• क्षेत्रीय एमएसएमई और आपूर्ति इकाइयों को बढ़ावा
• 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार अवसर
• निर्माण, लॉजिस्टिक्स और संबंधित क्षेत्रों में मजबूती
'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ठोस कदम
• "ब्रह्मा" (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) सिर्फ एक संयंत्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक और वैश्विक स्तर का रेल निर्माण केन्द्र होगा
• BEML की अग्रणी तकनीकी क्षमता का प्रतीक
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11078/25
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @JansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

मैदान से हटकर

जनाई भोसले का हेटर्स को तमाचा सिराज की कलाई पर बांधी राखी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और मशहूर गायिका आशा भोसले की नातिन, जनाई भोसले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में सिराज रक्षाबंधन के मौके पर जनाई से राखी बंधवाते दिख रहे हैं। यह वीडियो देख लोग हैरान हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल फिलहाल में मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के डेटिंग की रूमर्स सामने आई थीं। जनाई को सिराज की रूमर्ड गर्लफ्रेंड बताया जा रहा था। अब जनाई ने इस वीडियो से हेटर्स को करारा झटका दिया है। वीडियो के साथ जनाई ने कैप्शन भी लिखा, एक हजारों में (मेरा भाई)। इससे बेहतर कुछ नहीं मांगा जा सकता था। इससे पहले सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर अफवाहें उड़ी थीं। वीडियो के साथ जनाई ने आलोचकों के चेहरे पर करारा तमाचा जड़ा है। वीडियो में सिराज सफेद कुर्ता पहने बैठे हैं, जबकि जनाई हरे रंग की पोशाक में उनके सामने खड़ी हैं और एक प्यारी मुस्कान के साथ राखी बांध रही हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर अफवाहें उड़ी थीं। लोग यह सोचने लगे थे कि इनके बीच कुछ और भी गहरा रिश्ता है। पर जनाई और सिराज ने पहले ही स्पष्ट रूप से इससे इनकार कर दिया था। उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट किया था कि उनके बीच कोई रोमांटिक रिलेशन नहीं है। उन्होंने एक-दूसरे को भाई-बहन जैसा बताया था इन अफवाहों को खारिज कर दिया था। इस बीच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के खत्म होने के बाद टीम इंडिया फिलहाल एशिया कप से पहले आराम कर रही है। (जेएनएन)

खेल एक नजर

अल हिलाल ने नेमार की जगह डार्विन नुनेज को टीम से जोड़ा

लंदन, जेएनएन। सऊदी अरब के मशहूर फुटबॉल क्लब अल हिलाल ने ब्राजील के सुपरस्टार नेमार की जगह पर उरुग्वे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डार्विन नुनेज के साथ अनुबंध किया है। अल हिलाल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल की तरफ से खेलने वाले नुनेज के साथ तीन साल का अनुबंध किया है। रिपोर्टों के अनुसार यह अनुबंध छह करोड़ 20 लाख डॉलर में किया गया है। सऊदी अरब की सबसे सफल टीम अल हिलाल जनवरी में ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी नेमार को रिलीज करने के बाद एक और स्टार खिलाड़ी की तलाश में थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने जून में क्लब विश्व कप से पहले इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। नुनेज प्रीमियर लीग में मिले-जुले प्रदर्शन के बाद लिवरपूल छोड़ रहे हैं। उन्होंने 143 मैचों में 40 गोल किए और पिछले सत्र में प्रीमियर लीग का खिताब जीता।

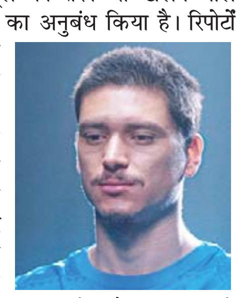

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने जुलियन वुड को बल्लेबाजी कोच बनाया

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के पूर्व प्रमुख एलेक्स मार्शल को अपने संचालन की देखरेख के लिए एक साल के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। बीसीबी ने मार्शल के अलावा दो और महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। जूलियन वुड को तीन महीने के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है, जबकि टोनी हेमिंग दो साल के लिए पिच प्रबंधन के प्रमुख का पद संभालेंगे और सभी अंतरराष्ट्रीय स्थलों और क्यूरेटर के प्रभारी होंगे। ये निर्णय शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बोर्ड सदस्यों की बैठक के दौरान लिए गए। वुड पावर-हिटिंग विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ काम किया है। मार्शल पिछले वर्ष सितम्बर तक आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के महाप्रबंधक थे।

एशियाई अंडर-19 मुक्केबाजी में राहुल, निशा व मुस्कान को स्वर्ण

बैंकॉक, जेएनएन। युवा भारतीय मुक्केबाज निशा और मुस्कान ने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जबकि राहुल ने पुरुष वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने इस तरह टूर्नामेंट के अंडर-19 वर्ग में अपना अभियान 14 पदकों के साथ खत्म किया। भारतीय मुक्केबाजों ने तीन स्वर्ण के अलावा सात रजत और चार कांस्य पदक जीते। 10 में नौ भारतीय महिला खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसमें दो स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। निशा ने 54 किग्रा वर्ग में चीन की सिरुई यांग के खिलाफ तीसरे और अंतिम दौर में अपने खेल के स्तर को ऊंचा करते हुए 4-1 से जीत दर्ज की, जबकि मुस्कान (57 किग्रा) ने आक्रामक इरादे दिखाते हुए कजाकिस्तान की अयाझान एर्मेक की चुनौती को 3-2 के खंडित फैसले से मात दी। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-22 वर्ग में पहले ही 13 पदक पक्के कर लिए है। इसके स्वर्ण पदक के मैच सोमवार को खेले जाएंगे।

रोहित और विराट नहीं, अभी टी-20 एशिया कप प्राथमिकता

बीसीसीआई ने कहा- दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के वनडे भविष्य पर फैसला लेने की अभी कोई जल्दबाजी नहीं

जेएनएन, नई दिल्ली

दिग्गज भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही हैं कि ऑस्ट्रेलिया दौरा उनके इंटरनेशनल करियर की आखिरी सीरीज साबित हो सकती है। दोनों खिलाड़ी पहले ही टी-20 और टेस्ट को अलविदा कह चुके हैं। इस बीच बीसीसीआई कोई भी फैसला लेने की जल्दबाजी में नहीं है। फिलहाल बोर्ड का पूरा ध्यान टी-20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप पर है। अगस्त में प्रस्तावित बांग्लादेश के दौरे के रद्द होने के बाद भारत का अगला वनडे मैच ऑस्ट्रेलिया में 19 से 25 अक्टूबर के बीच खेली जाने वाली तीन मैचों की सीरीज में होगा। कोहली और रोहित के नाम वनडे में संयुक्त रूप से 83 शतक और 25,000 से ज्यादा रन है। भारतीय क्रिकेट में इस बात की चर्चा है कि अक्टूबर 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक रोहित 40 और कोहली 39 साल के हो जाएंगे। ऐसे में क्या ये दोनों दिग्गज तब तक टिके रह पाएंगे। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, उनके मन में अगर कोई योजना है, तो जाहिर है कि वे बीसीसीआई के आला अधिकारियों को बताएंगे, जैसा उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट दौरे से पहले किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के नजरिए से देखे तो अगला बड़ा टूर्नामेंट फरवरी में होने वाला टी-20 विश्व कप और उससे जुड़ी तैयारियां हैं। फिलहाल ध्यान एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम भेजने पर होगा, उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी फिट और उपलब्ध होंगे। बीसीसीआई कभी भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेता है और दो खिलाड़ियों के बड़े प्रशंसक वर्ग को देखते हुए किसी भी संवेदनशील फैसले से पहले वह हमेशा लोगों की भावनाओं को परखने की कोशिश करता है।

चैंपियंस ट्रॉफी था दोनों का आखिरी टूर्नामेंट

विराट और रोहित ने देश के लिए आखिरी टूर्नामेंट दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी खेला था। जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप लीग चरण में लक्ष्य का सफलता से पीछा करते हुए शतक जड़ा था। रोहित ने फाइनल में लक्ष्य का पीछा करने के दौरान शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी। रोहित और कोहली ने हालांकि आईपीएल के बाद कोई भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। कोहली अब लंदन में रहते हैं और उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की थी, जिसमें वो इंडोर नेट सत्र में अभ्यास करते हुए दिख रहे थे। इससे यह संकेत मिलता है कि उन्होंने अभ्यास करना शुरू कर दिया है। रोहित आईपीएल के बाद छुट्टी पर इंग्लैंड में थे। वह हाल ही में मुंबई वापस आ चुके हैं। उम्मीद है कि वो भी कुछ ही दिनों में अभ्यास शुरू कर देंगे।

सिडनी में विदाई मैच देने की नहीं है योजना

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि बीसीसीआई इन दोनों खिलाड़ियों को 25 अक्टूबर को सिडनी में एक विदाई मैच खेलने का प्रस्ताव दे रहा है। बीसीसीआई सूत्र ने हालांकि इन खबरों का खंडन करते हुए कहा है कि अभी तक इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। विजय हजारे ट्रॉफी (राष्ट्रीय वनडे टूर्नामेंट) का आयोजन भी 24 दिसंबर से हो रहा है और उससे पहले भारतीय टीम को छह वनडे मैच खेलने है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद नवंबर में घरेलू सरजमीं पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज है। सूत्र ने कहा, वे अगर विजय हजारे ट्रॉफी भी खेलते हैं, तो उससे पहले छह वनडे मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के बीच भारत-ए और दक्षिण अफ्रीका-ए के बीच तीन लिस्ट ए मैच (50 ओवर) क्रमशः 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में खेले जाएंगे। उन्होंने कहा, ऐसे में सवाल यह है कि क्या यह जोड़ी दक्षिण अफ्रीका सीरीज से पहले तीन लिस्ट ए मैच या दो मैच खेलना चाहेगी। इससे भी अधिक अहम यह है कि क्या अजीत अगरकर और उनके साथी ऐसा चाहेंगे। उन्होंने ने कहा, विजय हजारे ट्रॉफी (24 दिसंबर, 2025, 18 जनवरी, 2025) के साथ भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैच (11, 14 और 18 जनवरी) भी खेले जाएगे। इसलिए अगर वे विजय हजारे ट्रॉफी भी खेलते हैं, तो यह दो या तीन मैचों से ज्यादा नहीं हो सकता।

जब तक अच्छा कर रहे, तब तक खेलना चाहिए: गांगुली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित और विराट के वनडे रिकॉर्ड को असाधारण करार देते हुए कहा कि इन दोनों दिग्गजों को 50 ओवर के प्रारूप में तब तक खेलते रहना चाहिए, जब तक कि उनका प्रदर्शन अच्छा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कयास लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी वनडे दौरा हो सकता है। गांगुली ने इस बारे में कहा कि उन्हें ऐसे किसी बात की जनकारी नहीं है। इसलिए मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकता हूं। गांगुली ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि उनके करियर को आगे बढ़ाने में प्रदर्शन सबसे महत्वपूर्ण कारक होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह कहना मुश्किल है। जो भी अच्छा करेगा, वही खेलेगा। अगर वे अच्छा करते हैं, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। टी-20 एशिया कप के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने भारतीय टीम को जीत का दावेदार बताया।

पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया, तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे

ऑस्ट्रेलिया ने जीता लगातार नौवां टी-20

74/6 पर मुश्किल में टीम को डेविड और ग्रीन ने बड़े स्कोर तक पहुंचाया

डार्विन, जेएनएन। टिम डेविड के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को पहले टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से शिकस्त दी। इसके साथ ही कंगारु टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। यह ऑस्ट्रेलिया की टी-20 में लगातार नौवीं जीत है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में ये लगातार छठी हार है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 12 अगस्त को डार्विन ग्राउंड पर खेला जाएगा। इस मैदान पर पहली बार टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला गया। इतना ही नहीं, यहां 18 साल बाद इंटरनेशनल मुकाबले की वापसी भी हुई। ऑस्ट्रेलिया से मिले 178 के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका 9 विकेट खोकर 161 रन बना सकी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने एक समय टीम ने 75 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में डेविड ने 52 गेंद पर 83 रन की पारी खेलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। उनकी पारी में 4 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने 13 गेंद पर 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के क्वेना मफाका ने 4 और रबाडा ने 2 विकेट झटके। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 161 रन ही बना सकी। टीम के रायन रिकलटन ने 71 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 37 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और बेन ड्वारशिवस ने तीन-तीन विकेट झटके।

■ ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले 11 महीने से कोई टी-20 मैच नहीं हारी है। टीम को आखिरी हार 13 सितंबर 2024 कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ मिली थी। उसके बाद कंगारू टीम ने लगातार 9 मुकाबले जीते हैं। कंगारुओं ने इससे पहले वेस्टइंडीज को उसी के घर में 5 मैचों की सीरीज में 5-0 से हराया था।

प्लेयर ऑफ द मैच डेविड
52 गेंद
83 रन
04 चौके
8 छक्के

■ तेज गेंदबाज क्वेना मफाका ने 20 रन देकर चार विकेट लिए, जो दक्षिण अफ्रीका की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले काइल एबॉट ने 2014 में एडिलेड में 4 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिए थे।

■ मफाका 19 साल और 124 दिन की उम्र में किसी पूर्ण सदस्य देश के लिए टी-20 में चार विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए।

■ 178 रन पर ऑस्ट्रेलिया टीम ऑलआउट हो गई। 26 टी-20 मुकाबलों में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को ऑलआउट किया।

■ मिचेल मार्श ने पहली गेंद पर छक्का जड़कर टीम को शुरुआत दिलाई। वह टी-20 मैच की पहली गेंद पर छक्का जड़ने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई बन गए। इससे पहले आरोन फिंच ने भारत के खिलाफ 2022 में मोहाली में ऐसा किया था। फिंच ने भुवनेश्वर कुमार को पहली गेंद पर छक्का जड़ा था।

ओवल पर मिली शुरुआत को शतक में नहीं बदलने का अफसोसः नायर

जेएनएन, नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने इस बात पर अफसोस जताया कि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में मिली शुरुआत को वह बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए, लेकिन वह समझते हैं कि इन निराशाओं को दूर करना उनके लिए भविष्य में रन बनाने के लिए जरूरी है। नायर ने आठ साल के अंतराल के बाद वापसी करते हुए चार टेस्ट मैच में 25 की औसत से 205 रन बनाए, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। नायर ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, मैं ओवल में मिली शुरुआत (जहां उन्होंने 57 रन बनाए) को शतक में नहीं बदल पाने से निराश था, लेकिन पहले दिन के खेल के दौरान टिके रहना महत्वपूर्ण था, क्योंकि टीम मुश्किल स्थिति में थी। मैं थोड़ा घबराया हुआ था, लेकिन अच्छा महसूस कर रहा था। मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं इसे बदल पाऊंगा (शतक में) जो मैं नहीं कर सका। कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि यह उनके लिए उतार-चढ़ाव भरी सीरीज रही और घरेलू क्रिकेट में बड़े स्कोर बनाने के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बाद प्रदर्शन निराशाजनक रहा। नायर ने कहा, मैंने काफी सोचा लेकिन जो हो चुका है उसे भूलकर अगले कुछ महीनों में मुझे क्या करना है इस पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा, यह मेरा ध्यान बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि मैं आगे बढ़ूं और चाहे किसी भी स्तर पर खेलूं, वहां बड़े स्कोर बनाऊं।

चोटित पंत को बल्लेबाजी करते देखना सबसे यादगार

नायर मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान चोटिल रिषभ पंत की बल्लेबाजी से बहुत प्रभावित थे और उन्होंने कहा कि उनके रवैये ने पूरी टीम को परिभाषित किया। उन्होंने कहा, पंत को पैर के टूटे अंगूठे के साथ बल्लेबाजी करते देखना-यह सीरीज के सबसे यादगार पलों में से एक था। यह देखना सभी के लिए आश्चर्यजनक था। इससे पता चलता है कि वह कितने महान खिलाड़ी हैं और उससे भी महत्वपूर्ण बात है कि वह कैसे इंसान हैं।

भारत दो दशक बाद एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालिफाई

यांगून (म्यांमार), जेएनएन। भारत ने रविवार को अंतिम ग्रुप-डी क्वालिफाइंग मैच में म्यांमार को 1-0 से हराकर दो दशक में पहली बार एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। पूजा ने थुवुन्ना स्टेडियम में 27वें मिनट में निर्णायक गोल किया, जिससे भारत सात अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहा और थाईलैंड में 2026 में होने वाले मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाई। पहले हाफ में भारत का दबदबा रहा, जबकि दूसरे हाफ में म्यांमार ने बेहतर खेल दिखाया गया, लेकिन मेजबान टीम भारत को जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाई। भारत ने 2006 के बाद पहली बार क्वालिफिकेशन हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत को आखिरी टी-20 में चार रन से हराया, 3-0 से जीती सीरीज

मैके (ऑस्ट्रेलिया), जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए को तीसरे अनाधिकृत टी-20 मैच में चार रन से शिकस्त दी। लेग स्पिनर प्रेमा रावत (चार ओवर में 24 रन पर तीन विकेट) और वामहस्त स्पिनर राधा यादव (चार ओवर में 31 रन पर तीन विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया-ए को आठ विकेट पर 144 रन रोक दिया। भारत-ए के पास सीरीज में पहली जीत दर्ज करने का शानदार मौका था, लेकिन टीम शेफाली वर्मा (25 गेंद में 41) की साहसिक पारी के बावजूद आठ विकेट पर 140 रन ही बना सकी। सियाना जिंजर ने चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया-ए ने तीन मैचों की इस सीरीज में लगातार तीसरी जीत के साथ सूपड़ा साफ किया। जिंजर ने अहम मौकों पर शेफाली के अलावा राघवी बिष्ट (25) कप्तान राधा (नौ) संजीवन साजना (तीन) के विकेट के साथ टीम की जीत पक्की की। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए दिनेश वृंदा (चार) को शेफाली वर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए भेजा, जबकि उमा छेत्री (तीन) तीसरे क्रम पर क्रीज पर आई। टीम का यह दाव सफल नहीं रहा और उसने 16 रन तक दो विकेट गंवा दिए। शेफाली और राघवी ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी कर लड़खड़ाती पारी को संभाला। राघवी ने इसके बाद मिन्नू मनी (30) के साथ 48 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। टीम का स्कोर जब 107 रन था तब राघवी स्टंप आउट हो गई।

एशियाई सर्फिंग में पदक जीतने वाले बुधियाल पहले भारतीय बने

चेन्नई, जेएनएन। भारत के रमेश बुधियाल ने एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में पुरुषों के ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीता। इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। बुधियाल शनिवार को इस प्रतियोगिता के पदक दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। उन्होंने फाइनल में 12.60 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 15.17 अंक के साथ स्वर्ण पदक, जबकि इंडोनेशिया के पजार एरियाना ने 14.57 अंक के साथ रजत पदक जीता। ओपन महिला वर्ग में जापान की अनरी मात्सुनो (14.90 अंक) ने हमवतन सुमोमो सातो (13.70) की कड़ी चुनौती से पार पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। थाईलैंड की इसाबेल हिग्स ने 11.76 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। कोरिया के कनोआ हीजे ने 14.33 अंक प्राप्त कर अंडर-18 बालक वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की।

वनडे विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड की टीम भारत आई, चेन्नई में लगाया अभ्यास शिविर

30 सितंबर से भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में टूर्नामेंट

कीवी टीम इंदौर में एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहला मैच खेलेगी

चेन्नई, जेएनएन। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप को शुरू होने में अब दो महीने से भी कम समय बचा है और न्यूजीलैंड की कई प्रमुख खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारी के सिलसिले में चेन्नई पहुंच गई हैं। इस दस सदस्यीय टीम में सात क्रिकेटर केंद्रीय अनुबंधित हैं और वे मुख्य कोच बेन सॉयर और सहायक कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में दो सप्ताह के शिविर में भाग ले रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम महिला टी-20 विश्व कप की मौजूदा चैंपियन है और वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में जीत हासिल करके अपने नाम पर दोहरा खिताब दर्ज करने की कोशिश करेगी। सात अनुबंधित खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज जेस केर, युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और ऑलराउंडर ब्रूक हॉलिडे भी शामिल हैं। इनके अलावा इजी शार्प, फ्लोरा डेवोनशर और एम्मा मैकलियोड जैसी उभरती हुई खिलाड़ी भी शिविर में भाग ले रही हैं। न्यूजीलैंड टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

न्यूजीलैंड में सर्दी मौसम, इसलिए भारत में शिविर

मुख्य कोच सॉयर ने कहा कि भारत में अभ्यास शिविर लगाने का फैसला इसलिए किया गया है, क्योंकि न्यूजीलैंड में अभी सर्दी का मौसम है और वहां किसी तरह की क्रिकेट नहीं खेली जा रही है। विश्व कप शुरू होने में अब दो महीने से भी कम समय बचा है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के बाद हमारे खिलाड़ी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

न्यूजीलैंड की थैमसिन ने लिया क्रिकेट से संन्यास

वेलग्टिंन, जेएनएन। न्यूजीलैंड की महिला ऑलराउंडर थैमसिन न्यूटन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। उन्होंने 14 साल के करियर में 2015 से 2021 के बीच 10 वनडे और 15 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह 2016 टी-20 विश्व कप और 2017 वनडे विश्व कप में न्यूजीलैंड टीम में थीं। न्यूटन ने आखिरी बार 2017 में वनडे मैच खेला था। 2021 में उन्हें न्यूजीलैंड के साथ केंद्रीय अनुबंध मिला था, लेकिन उसके बाद उन्होंने केवल तीन और टी-20 मैच खेले। वह शीर्ष क्रम की बल्लेबाज और मध्यम गति की गेंदबाजी करती थीं।

स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप आज से

भोपाल, खेप्र। शहर के जिया स्पोर्ट्स क्लब में 11 से 17 अगस्त तक जीएच रायसोनी स्मृति 63वीं इंटर डिस्ट्रिक्ट एवं 78वीं एमपी स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जेके रोड स्थित क्लब में होने वाली इस चैंपियनशिप में 2 लाख रुपए पुरस्कार स्वरूप खिलाड़ियों को बांटे जाएंगे। सोमवार शाम पांच बजे खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग चैंपियनशिप का शुभारंभ करेंगे। भोपाल डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित स्पर्धा के आयोजन सचिव अभिमन्यु चोपड़ा नें बताया कि 11 और 12 अगस्त को इंटर डिस्ट्रिक्ट टीम स्पर्धा खेली जाएगी। व्यक्तिगत स्पर्धा के मुख्य ड्रॉ में क्वालिफाई करने के लिए 11 से 14 अगस्त तक क्वालिफाइंग मुकाबले खेले जाएंगे। मुख्य दौर के मुकाबले 15 से 17 अगस्त तक होंगे। अभी तक 500 से अधिक एंट्री प्राप्त हो चुकी हैं, जो सीनियर स्टेट चैंपियनशिप का एक रिकॉर्ड है।

दैनिक जागरण

रीवा, 11 अगस्त, 2025 — सतना जागरण — www.dainikjagranmpcg.com

सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए शिविर आज

रीवा। जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा वीर नारियों के लिए 11 अगस्त को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सैनिक स्कूल के पास रीवा में शिविर लगाया जा रहा है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल पी गंगा ने बताया है कि शिविर में स्पर्श पोर्टल का एक स्टाल आईसीआईसीआई बैंक द्वारा लगाया जा रहा है।

जमीन के संबंध में दावा-आपत्तियाँ 14 अगस्त तक

रीवा। मध्यप्रदेश हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड को तहसील हुजूर के तहत ग्राम चिरहुला में भूमि आवंटन की कार्यवाही की जा रही है। हाउसिंग बोर्ड को चिरहुला की आराजी नम्बर 185/1 क्षेत्रफल 64.868 हेक्टेयर तथा आराजी नम्बर 2/24/2 क्षेत्रफल 4.273 हेक्टेयर के दो अलग-अलग प्रकरण आवंटन के लिए कलेक्टर न्यायालय में पंजीबद्ध हैं। इस संबंध में एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने बताया कि इन जमीनों के आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह 14 अगस्त तक उपयुक्त दस्तावेजों के साथ एसडीएम हुजूर न्यायालय में आपत्ति दर्ज कर सकता है।

फर्नीचर व्यापारी के घर फायरिंग करने वाले चार गिरफ्तार

न्यायालय ने भेजा जेल

जागरण, सतना

विगत दिनो कोलगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चाणक्यपुरी कालोनी निवासी फर्नीचर व्यापारी भागवत गुप्ता के घर में फायरिंग करने वाले चार आरोपियों को कोलगवां पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश , एएसपी डॉ शिवेश सिंह , सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोलगवां टीआई सुदीप सोनी द्वारा की गई है। इसके पहले पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है था उन्हे रिमांड में लेकर पूछताछ की गई आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए भोपाल इंदौर टीम रवाना की गई थी आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयोग की गई पिस्टल जप्त की गई है।

ये आरोपी गिरफ्तार : व्यापारी के घर फायरिंग करनेवाले आरोपी मोनू सोलंकी , पिता देवी सिंह सोलंकी उम्र 22 साल निवासी मालेगांव , थाना खाते गांव , खातेगांव जिला देवास मण्प्रण् हाल. राहुल का किराए का मकान नंदानगर वार्ड नबंर 25 थाना परदेशीपुरा जिला इंदौर , दिव्यांश सुरोशे पिता अनिल सुरोशे उम्र 20 वर्ष निवासी मकान नंबर 01 जनता क्वार्टर नंदा नगर वार्ड क्रमांक 25 थाना परदेशीपुरा जिला इंदौर , आयुश राय उर्फ राव साहब पिता विनोद राय उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम मझगवां थाना हिंदौरिया जिला दमोहए हाल. न्यू गौरी नगर सब्जी मंडी के पास वार्ड क्रमांक 21 इंदौर थाना हीरानगर जिला इंदौर ,हनी भावसार पिता पंकज भावसार उम्र 20 वर्ष निवासी 112-2 किराये का मकान नंदा नगर वार्ड क्रमांक 25 इंदौर थाना परदेशीपुरा जिला इंदौर का नाम शामिल है। आरोपियों के कब्जे से एक नग 32 बोर की पिस्टल, एक इक्स्ट्रा मैगजीन, तीन जिंदा कारतूस, दो नग यूपी 32जीआर 0404 नंबर के नंबर प्लेट आरोपियो के मोबाईल चार नग जप्त किये गये है।

मैहर जनपद का बीपीएल घोटाला, 5 स्मरण पत्रों के बाद भी नही हुई जांच

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जिला मैहर (म०प्र०)

e-mail-dm.maihar@mp.gov.in, Phone No. 07674-299232

मैहर दिनांक – 20/11/2024

पंचम स्मरण पत्र

जागरण, सतना। गरीबी रेखा सूची में अपात्रो के नाम जोडे गये जिसके चलते अपात्र लोगो ने सरकारी योजनाओ का लाभ लिया और पात्र वंचित हो गये। इतना ही नही दूसरे हितग्राही का क्रमाक डालकर फर्जी तरीके से जनपद द्वारा बीपीएल प्रमाण पत्र जारी किये गये जिसकी बडे पैमाने पर शिकायत तो की गई मगर कार्यवाही कुछ नही हुई। यह मामला जनपद पंचायत मैहर का बताया जा रहा है जहां पर नागेन्द्र तिवारी द्वारा की गई शिकायत में स्पष्ट किया गया है कि जनपद से तत्कालीन जनपद सीईओ और कर्मचारियों द्वारा मिली भगत कर तकरीबन 5 सौ फर्जी प्रमाण पत्र जारी किये गये।

काम नही आये 5 रिमाइंडर : हैरानी की बात ये है शिकायत कर्ता द्वारा की गई इस प्रमाणित शिकायत के बाद भी दोषियों के विरूद्ध कोई कार्यवाही नही हुई इतना जरूर है कि कलेक्टर मैहर द्वारा एसडीएम को 5 स्मरण पत्र लिखे गये लेकिन इसके बाद भी न तो जांच पूरी हूई और न तो किसी तरह की कार्यवाही हुई। हालांकि मामला संज्ञान मे आने के बाद मैहर कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की थी मगर परिणाम कुछ भी सामने नही आया। ऐसा लगता है जैसे मैहर में पदस्थ अधिकारियो को कलेक्टर के स्मरण पत्रो से कोई लेना देना नही।

आखिर मामला प्रमाणित होने के बाद भी क्यों नही हुई कार्यवाही : इस पूरे मामले में हैरानी की बात ये है कि जनपद पंचायत में हुये बीपीएल घोटाले की प्रमाणित शिकायत होने के बाद भी कार्यवाही क्यों नही हुई। जिला पंचायत सदस्य देवदत्त सोनी ने इस पूरे मामले की शिकायत कमिश्नर रीवा संभाग, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास , प्रमुख सचिव राजस्व विभाग से भी की है इसके बाद भी किसी तरह की कार्यवाही नही हुई। जारी किये गये फर्जी बीपीएल प्रमाण पत्रों के जरिये लोगो ने शासन की करोडो रूपये की योजनाओं का लाभ लिया होगा जबकि असली पात्र व्यक्ति वंचित हो गया।

स्कूलों में 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान

जागरण, सतना। प्रदेश के स्कूलों में देश प्रेम, एकता, देशभक्ति की भावना और राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान मनाया जा रहा है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश भी जारी किये हैं। यह अभियान प्रदेश के स्कूलों में 3 चरणों में संपन्न हो रहा है। पहला चरण 2 से 8 अगस्त तक संपन्न हो चुका है। दूसरा चरण 9 अगस्त से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। अभियान का तीसरा चरण 13 अगस्त से 15 अगस्त तक होगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने दिये गये निर्देशों में कहा है कि जिलों में स्कूलों के प्राचार्य और शिक्षकों के नेतृत्व में तिरंगे के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये। बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जानकारी दी जाये। स्कूलों में एनसीसी और एनएसएस यूनिट के माध्यम से 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार किया जाये। तिरंगा पर केन्द्रित बच्चों की रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाये। राष्ट्रीय ध्वज एवं इसके इतिहास पर स्कूलों में व्याख्यान के विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायें।

हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ेगा जिले का हर नागरिक : प्रतिमा बागरी

राज्यमंत्री तिरंगा यात्रा में हुई शामिल

जागरण, सतना। स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के सभी जिलों के हर वर्ग और हर व्यक्ति से हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया है। देश की आन-बान और शान के प्रतीक राष्ट्र-ध्वज तिरंगा को हर घर फहराने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने रविवार को नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के नेतृत्व में बीटीआई ग्राउण्ड से समाज सेवी संगठनों, और आमजन के साथ मिलकर तिरंगा रैली निकाली गई। इस अवसर पर सांसद श्री गणेश सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, उषा चौधरी, पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, पूर्व स्पीकर अनिल जायसवाल, सुधीर सिंह तोमर, विनोद तिवारी, बाबूलाल सिंह, मनीष तिवारी, अशोक गुप्ता, बालेन्द्र गौतम, जान्हवी त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान की यह रैली बीटीआई ग्राउण्ड से प्रारंभ होकर सेमरिया चौराहा, सर्किट हाउस, स्टेशन रोड, एमएलबी तिराहा, अस्पताल चौक, पन्नीलाल चौक, जय स्तम्भ चौक, सिटी कोतवाली, सिविल लाइन होती हुई अमर जवान स्मारक एसपी आफिस के पास पहुंची। जहां राष्ट्रीय गान के साथ तिरंगा रैली का समापन किया गया।

जिले में अब तक 749.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

जागरण, सतना। जिले में इस वर्ष 1 जून से 10 अगस्त तक 749.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 883.4 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 627.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 958 मि.मी, बिरसिंहपुर में 666.5 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 731.8 मि.मी., नागौद में 911.7 मि.मी., जसो (नागौद) में 380.4 मि.मी. एवं उचेहरा में 836.8 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 459.3 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली तिरंगा रैली

सतना। राज्य शासन द्वारा हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता-स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में रविवार को हर घर तिरंगा अभियान विकासखण्ड उचेहरा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुलगढी एवं नयागांव में स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के प्रति जागरूक करने के लिए तथा इस संग्राम में अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले वीरों को याद करने के लिए एवं उनके द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए नारों, कार्यों के प्रति जानकारी बढ़ाने के लिए रैली का आयोजन किया गया। इसी प्रकार शासकीय माडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझगवां एवं शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतवारा तथा शासकीय हाईस्कूल कोरवारा में स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिका सहित शैक्षणिक स्टाफउपस्थित रहा। कलेक्टर के निर्देशन में मंगलवार 12 अगस्त को प्रातः 10 बजे सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी पुलिस परेड ग्राउण्ड से तिरंगा सायकल रैली निकालेंगे जो कलेक्ट्रेट परिसर सतना में समाप्त होगी।

सार्थक अस्पताल में होगा कैशलेस इलाज

विंध्य अंचल के प्रतिष्ठित सार्थक अस्पताल में अब कर्मचारी राज्य बीमा ईएसआई योजना के मरीजों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराएगा। कर्मचारी राज्य बीमा सेवा संचालनालय भोपाल ने इस आशय का आदेश जारी किया है सम्बद्ध जन पहे कर्मचारी राज्य बीमा ईएसआई के बिरला रोड स्थित अस्पताल जाकर प्रकरण सार्थक अस्पताल के लिये रेफर कराकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं उल्लेखनीय है कि सार्थक अस्पताल पूर्व में प्रधान मंत्री की आयुष्मान योजना के लिये भी सूचीबद्ध किया जा चुका है।

सैनिक सम्मेलन आज

सतना। सतना एवं मैहर जिले के भूतपूर्व सैनिकों एवं आश्रितों को 11 अगस्त को प्रातः 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सतना के सभाकक्ष में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड सतना की टीम के द्वारा स्पर्श पोर्टल, स्पर्श ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, पेंशन तथा दस्तावेजीकरण की समस्याओं के निदान एवं जीवन प्रमाण पत्र संबंधी जानकारी दी जायेगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से.नि.) ने भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाने की अपील की है।

रेनबो हास्पिटल ने उत्कृष्ट सेवा में बनाई अलग पहचान

यदि आप जटिल रोग से पीड़ित हैं तो अपना इलाज रियायती दर पर कराना चाहते हो तो परेशान मत हो क्योंकि आपके शहर में एक ऐसा चिकित्सालय मौजूद है जो बेहतर चिकित्सा सेवा मुहैया करा रहा है। भरहुत नगर स्थित रेनबो हॉस्पिटल प्रबंधन में बेहद कम समय में अपनी उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवा में शहर में अलग पहचान बनायी है। 1 जनवरी 2017 से प्रारंभ किया गया रेनबो हॉस्पिटल मौजूदा समय पर एक भरोसेमंद चिकित्सा प्रतिष्ठान बनकर उभरा है। भरहुत नगर स्थित रेनबो हॉस्पिटल नवजात शिशु से लेकर वृद्धावस्था तक बीमारियों के इलाज के लिए जाता है। यहां अनुभवी चिकित्सक डा निशांत कुम्हारे एवं प्रतिभा कुम्हारे अपनी सेवाये देती है। यहां अनुभवी चिकित्सक निशांत कुम्हारे द्वारा नवजात शिशु से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों को इलाज किया जाता है। ये पूर्व में बिरला हॉस्पिटल में अपनी सेवायें दे चुके हैं, वहीं पर प्रतिभा कुम्हारे के द्वारा डायबटीज, बीपी, गुर्दे के बीमारी, सर्दी, लकवा,पैरालिसिस, थॉयराइड, जोड़ों के दर्द और बुखार से संबंधित रोगों को सुचारू रूप से इलाज किया जा रहा है

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**

कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com